हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

19 मार्च, 1979

खण्ड 1, अंक 10

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 19 मार्च 1979

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(10) 1
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(10) 3
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों कें लिखित उत्तर	(10) 25
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(10) 38
ध्यानाकर्शण सूचना – राश्ट्रीय राजमार्ग नं0 1 तथा 10 पर यातायात बढ जाने के कारण गम्भीर दुर्घटनायें बढने के सम्बंध में	(10) 63

हरियाणा विधानसभा

सोमवार, 19 मार्च 1979

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधानसभा हाल, विधान भवन, सैक्टर –1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहिबान पहले भाोक प्रस्ताव होगा।

उद्योग मंत्री (डाक्टर मंगल सैन): स्पीकर साहब, बड़े दुःख के साथ मैं यह भाोक प्रस्ताव सदन के सामने प्रस्तुत कर रहा हूं। 8 मार्च को जब हमारा सत्र चल रहा हेाा उसी दिन केन्द्रीय सरकार के भूतपूर्व मंत्री श्री रघुनाथ के ाव खाडिलकर का देहावसान हो गया। आपका जन्म 15 दिसम्बर 1904 को हुआ था। स्पीकर साहब, छोटी अवस्था में ही उन्होंने युवा आन्दोलन में भाग लेना भाुरू कर दिया। 1934 में समाजवादी दल का निर्माण कांग्रेस के बीच में किया गया और वे उसके संस्थापक यानी फाउंडर मैम्बजै में से एक थे। 1930 से 1945 तक स्वतन्त्रता आंदोलन में भाग लेने पर कई बार जेल गए और स्वाधीनता प्राप्ति के बाद 1948 में जब उन्होंने देखा कि कांग्रेस की मजदूर और किसान के प्रति सहानुभूति नहीं रही है

तो उन्होंने किसान मजदूर संगठन का गठन किया। 1957 में वे लोकसभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए और 1967 से 1971 तक केन्द्र में सिविल सप्लाई विभाग के मंत्री रहै और 1971 से 1973 तक लेबर और रिहैबलीटे ान विभाग के मंत्री रहे। आपने अपने दे ा का प्रतिनिधित्व बाहर के दे ाों में किया था, वि ोशतया अन्तर्राश्ट्रीय श्रम संगठन के जनेवा सम्मेलन में भाग लेने वाले भारतीय ि ाश्टमण्डल का नेतृत्व किया। स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि श्री खाडिलकर दे ा के प्रमुख सेनानियों में से एक थे और वे एक सफल राजनैतिक तथा पार्लियामैंटेरियन थे। उनका 8 मार्च को देहावसान हो जाने से दे ा ने एक महान विभूति तथा स्वतन्त्रता सेनानी को खो दिया।

इसी प्रकार से श्री भाई लाल भाई कान्ट्रैक्टर जो गुजरात के उद्योग मंत्री थे, का निधन पहली मार्च को गया। स्पीकर साहब, उन्होंने भी युवा अवस्था में राजनैतिक क्षेत्र में प्रवे ा किया था। भारत के स्वाधीनता संग्रे ा में भाग लेते हुए राश्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि 'फिरंगियौं भारत छोडो' तो वे उस आन्दोलन में कूद पडे और उन्होंने जेल यात्रा की। 1952 से 1957 तक पांच वर्श तक वे जिला डिवैलपमैंट बोर्ड के सचिव रहे। 1957 और 1962 में दो बार वे गुजरात विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। उन्होंने प्रदे ा कांग्रेस विधायक दल के मंत्री पद का भार बडी कु ालता से निभाया। वे गुजरात की कार्पोरे ान के चेयरमैन रहे और विभिन्न सामाजिक और ऐजुके ान इंस्टीटयू ांज की विकास गतिविधियों में गहरी रूचि

लेते रहे। उनकी योग्यता चतुर्मुखी होने के काचरण वे बडे लोकप्रिय थे। श्री भाई लाल भाई कान्ट्रैक्टर बडौदा भाहर के रावपुर निर्वाचन क्षेत्र से गुजरात विधान सभा के सदस्य चुने गये। जब 1975 में जनता मार्चा ने कांग्रेस से मोर्चा लिया, स्पीकर साहब, उस समय वे जनता मोर्चा की ओर से निर्वाचित हुए थे और उस समय से उद्योग मंत्री के रूप में काम कर रहे थे। बीच में सरकार टूट गई। दोबारा सरकार बनने पर वे फिर उद्योग मंत्री बन गये। स्पीकर साहब, ये प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानी, विख्यात राजनीतिक और सुप्रसिद्ध दे ाभक्त थे। ऐसे व्यक्ति का इस संसार से उठ जाना इस सदन के लिए बडे दुःख का विशय है।

स्पीकर साहब, इसी प्रकार हिसार जिले के श्री निहाल सिंह स्वतन्त्रता सेनानी जो हमारे मुख्य मंत्री महोदय के बडे निकटवर्ती मित्रों में से थे, उनका निधन 26 फरवरी 1979 को हो गया। उन्होंने अपना राजनैतिक जीवन 32 वर्श की अवस्ता में 'गुरू का बाग आन्दोलन' में भाग लेकर भुरू किया था और एक वर्श की जेल काटी। 1929 में उन्होने भोखुपुरा बम काण्ड से संबंधित होने के कारण दो मास के लिए जेल काटी। फिर इंडिविजुअल सिविल डिसओबिडिऐंस आन्दोलन में बढचढ कर हिस्सा लिया और छः महीने की जेल काटी। स्पीकर साहब, इसके बाद 'भारत छोडो' आन्दोलन में हिस्सा लिया और 1942 से 1944 तक दो वर्श जेल की यातनाएं सहीं। स्पीकर साहब, ऐसे दे ाभक्त का इस संसार से उठा जाना इस सदन के लिए बहुत कश्टदायक है। इन भाब्दों के साथ जिन तीन महानुभावों

के देहावसान के सम्बंध में मैंने जो भाोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, मुझे भरोसा है कि यह प्रस्ताव यह सदन दिवंगत आत्माओं के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों सेम अपनी हार्दिक सहानुभूति व्यक्त करता है, सर्व सम्मति से पारित किया जाएगा।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू(पाई): स्पीकर साहब, जो प्रस्ताव डाक्टर साहब ने रखा है, मैं अपनी तरफ से और सारी अपोजी ान पार्टी की तरफ से उस से सहमति जाहिर करता हूं। बडे दुख की बात है कि तीन महान आदमी इस दे ा से उठ गए हैं, जिनकी क्षति पूरा करना बहुत ही मु कल काम है। इन लोगों ने अपने जीवन में बहुत मकान काम किए हैं, दे ा की बडी सेवा की और जेलें काटी हैं। इन तीनों महान आत्माओं के चले जाने से दे ा को बडा नुक्सान हुआ है। स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि इन तीनों महान आत्माओं के जो परिवार हैं, उनको हाउस की तरफ से हमदर्दी भेजी जाए और सदन की तरफ से श्रद्धांजलि भेजी जाए। श्री निहाल सिंह को मैं जानता हूं। उन्होंने जनता के लिए बडे काम किए थे। 'क्विट इंडिया मूवमैंट' में भाग लेने के कारण उन्होंने जेल काटी। और दे ा को आजाद कराने में बढ चढ कर हिस्सा लिया था। ऐसी महान आत्माओं से हम सबको सबक सीख कर उनके कदमों पर चलना चाहिए। उन्होंने जो रास्ता हमें बताया है उसी पर चलकर हम दे ा का भला कर सकते हैं। स्पीकर साहब, मेरी फिर एक बार आपसे प्रार्थना है कि इनकी फैमिलीज को हमारी तरफ से पूरी हमदर्दी भेजी जाए।

श्री अध्यक्षः स्वर्गवासी नेताओं के बार मैं सदन में काफी कुछ कहा गया है। वाकई बहुत बडे इंसान थे और उन्होंने मुखतलिफ ओहदों पर पोजी ानों में दे ा की बड़ी सेवा की। श्री खाडिलकर ने लोक सभा के डिप्टी स्पीकर साहब, और यूनियन मिनिस्टर साहब के तौर पर दे ा की सेवा की। श्री कान्ट्रक्टर ने मिनिस्टर के तौर पर गुजरात की बडी सेवा की और श्री निहाल सिंह हमारे हरियाणा के ही हिसार जिले के एक सरकरदा फ्रीडम फाईटर थे। स्वर्गवासी नेताओं के बारे में साथियों ने जो विचार और भावनाएं प्रकट की हैं, मैं अपने आपको उन भावनाओं के साथ भाामिल करता हूं। और इस सदन की भावनाओं और हम दर्दी को भाोक जदा परिवारों को पहुंचाऊंगर। मैं आपसे निवेदन करूंगा कि स्वर्गवासी नेताओं के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए खडे होकर दो मिनट का मौन रखें

(इस ससम सदन ने दिवंगम नेताओं के सम्मान में खडे होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहिबान अब सवाल होंगे।

Havoc caused by flood in Sahibi Nadi

***1081. Capt. Mange Ram:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether any steps have been taken by the Government to control floods by the Sahibi Nadi in the Jhajjar Constitency: is so, teh details

thereof and, if not, the time by which such steps are likely to be taken ?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिह): जी हां, साहिबी नदी पर मसानी गांव के पास नै ानल हाई वे नम्बर 8 पर बाढ को नियन्त्रित करने के लिए एक बैराज बनाने की योजना है। बैराज के दोनों किनारों को ऊंचे उठा कर एक जला ाय तैयार किया जायेगा।

कैप्टन मांगे राम : स्पीकर साहब, अभी अभी मिनिस्टर साहब ने अपने जवाब में फरमाया है कि साहिबी नदी पर मसानी गांव के पास ने ानल हाई वे नम्बर 8 पर बाढ को नियन्त्रित करने के लिये एक बैराज बनाने की सरकार की योजना है। क्या मिनिस्टर साहब यह बताने की कृपा करेंगे कि यह बैराज बनने में कितना टाईम लगेगा ? क्या इसको जल्दी से जल्दी बनवाने का सरकार का विचार है क्योंकि इसके इर्द गिर्द जितने भी गांव हैं, वे बाढ के कारण पूरी तरह से तबाह हो चुके हैं ?

श्री वीरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब, जहां तक एमबैंकमैंटस का सवाल यह है। यह काम जून 1980 तक मुकम्मल हो जाएगा और रिजरवायर व बैराज का काम जून 1981 तक होने की सम्भावना है।

राव दलीप सिंहः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि इस बैराज के लिये जमीन एकवायर कर ली है, अगर जमीन एक्वायर की है तो कितने एकड के करीब एकवायर कर ली है ?

श्री वीरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब, जमीन की एक्वीजी ान की कार्यवाही चली हुई है और जितनी टोटल जमीन एक्वायर की है, उसकी ठीके फिगर 19012 हैक्टेयर है।

राव दलीप सिंहः क्या मंत्री महोदय कि जिन लोगों की जमीन ऐक्वायर की गई है, उन लोगों को उस जमीन का मुआवजा दे दिया गया है कि नहीं ?

श्री वीरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब, जब से जनता सरकार बनी है तब से जिनकी जमीन एक्वायर की गई है, उन सबको मुआवजा अदा कर दिया गया है।

Mr. Speraker, I had earlier given some figure about the a cquisition of land in reply to a supplementary by Rao Dalip Singh. That does not appear to be correct. I will check it up an satisfy the hon. Member.

Mr. Speaker: Will you supply him the answer later ?

Shri Verender Singh : I will satisty him.

Roads constrcuted by Marketing Committee in District Rohtak

***1016. Shri Jai Narain:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state the Market Committee wise total mileage of roads constructed by the Marketing committees in distrcit Rohtak during the current financial year, separately ?

कृशि मंत्री (ब्रिगेडियर रण सिंह): मार्किटिंग कमेटीज द्वारा चालू वित्तीय वर्श में जिला रोहतक में कोई सडक नहीं बनाई गई है।

चौधरी राम मि ानः स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि जिला जींद में मार्किट कमेटी की अच्छी आमदनी है पर वहां पर पिछले पांच सालों से कोई सडक नहीं बनाई गई है इसके क्या कारण हैं ? क्या सरकार के विचाराधनी ऐसी कोई प्रोपोजल है ?

ब्रिगेडियर रण सिंहः स्पीकर साहब, यहां पर रोहतक मार्किट कमेटी के बारे में सवाल पर डिस्क ान हो रही है।

डा0 बृज मोहन गुप्ताः स्पीकर साहब, कांग्रेस सरकार के वक्त से जगाधरी के अंदर हनुमान गेट से छछरौली बाईपास जो एक सडक बन रही थी; वह अभी तक अधूरी पडी हुई है। इस बारे में, मैं मंत्री महोदय से यह इंफर्मे ान चाहता हूं कि उस अधूरी सडक को कब तक बनाने का विचार है ?

श्री अध्यक्षः मैं माननीय सदस्यों से रिकवैस्ट करूंगा कि वे जो सप्लीमैंटरीज पूछें, वे मेन सवावल से संबंधित हों। अगर मैम्बर साहिबान नई इंफर्मे ान चाहते हैं तो उसके लिये उन्हें अलग नोटिस देना चाहिये, फिर उन्हें उसका जवाब अव य मिलेगा।

श्री जय नारायणः स्पीकर साहब, डिस्ट्रिक्ट रोहतक के अंदर मार्किट कमेटियों को बहुत ज्यादा आमदनी है लेकिन

पिछले चार पांच सालों से उनकी तरफ से कोई सडक नहीं बनाई गई हैं मैं जानना चाहता हूं कि इन मार्किट कमेटियों की पैसा कहां पर यूज किया जा रहा है ? क्या इस बारे मिनिस्टर साहब रो ानी डालने की कृपा करेंगे ? कम से कम रोहतक जिले को उस आमदनी का हिस्स मिलना ही चाहिये ?

ब्रिगेडियर रण सिंहः स्पीकर साहब, असल में मार्किट कमेटियों की जो आमदनी होती है, उस आमदनी का सिर्फ 5 प्रति ात ही उनके पास रहता है और उससे वह अपने फोरथ क्लास एम्पलाईज की तनख्वाहों की जरूरियात को ही पूरा कर पाती हैं। 65 परसैंअ पैसा पी0डब्ल्यू0डी0 वालों को सडकें बनाने के लिये दे दिया जाता है, मार्किट कमेटियां सडकें नहीं बनाती।

श्री हरफूल सिंहः स्पीकर साहब, अभी मिनिस्टर साहब ने 5 परसैंट पैसे की बात की हैं मैं उनसे यह पूछना चाहता हूं कि जो पैसा जिस जिस मार्किट कमेटी से वसूल किया जाएगा क्या यह पैसा उन्हीं के लिये यूज करने की सरकार की कोई तजवीज है ?

श्री देवेन्द्र भार्माः स्पीकर साहब, अभी माननीय मन्त्री महोदय से यह फरमाया है कि हम इस मामले पर गौर कर रहे हैं। अभी पिछले दिनों कुरुक्षेत्र के अंदर मुख्यमंत्री महोदय गये थे और उन्होंने वहां पर एलान भी किया था कि जिस एरिया का पैसा इकट्ठा किया जाएगा, उसी एरिया पर उसका 70 परसैंट खर्च करेंगे। क्या मंत्री महोदय के पास कोई ऐसी स्कीम विचाराधीन है ?

ब्रिगेडियर रण सिंहः स्पीकर साहब, मैंने अभी बताया है कि यह मामला जेरे गोर है और मार्किट कमेटियों को 20 परसैंट रा ि ा देने की प्रोपोजल है। अगर मैम्बर साहेबान चाहें तो यह रा ि ा बढ़ाई भी जा सकती है।

चौधरी हरिचंद हुड्डाः स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि मार्किट कमेटियां जो जिला रोहतक मैं हैं, उनका जो असली परपज था वह क्या था ?

(इस प्र न का उत्तर नहीं दिया गया।)

चौधरी राजेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जो मार्किट कमेटियों की सड़कें हैं, उनकी मेन्टीनैंस ठीक नहीं हो पाती है और जब इस बारे में संबंधित अधिकारियों से उनकी रिपयेर वगैरह के लिये बातचीत की जाती है तो वे कहते हैं कि मार्किट कमेटियों की अपनी सडकें हैं, वे उनकी मैंटीनैंस आप करेंगी। उन सडकों पर काम करने वाले जो बेलदार वगैरह हैं वे पी0डब्ल्यू0डी0 वालें के हैं। तो क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि ये सडकें किन के अंडर आती हैं ? क्या इन सडकों का ठीक इंतजाम करवाने की कोई स्कीम सरकार के विचाराधीन है ? क्या इसके लिये मंत्री महोदय कोई आ वासन देंग ?

ब्रिगेडियर रण सिंहः स्पीकर साहब, ऐसा मालूम होता है कि मेरे दोस्त को किसी प्रकार की गलतफहमी हो गई है। जो सडकें बनाई जाती हैं वह पी0डब्ल्यू0डी0 वालों के थ्रू बनाई जाती हैं।

चौधरी हरस्वरूप बूराः अध्यक्ष महोदय, मार्किट कमेटियों का जो पैसा होता है, वह एक पूल में जमा हो जाता है। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जिस जिस मार्किट कमेटी का पैसा हो, क्या सरकार उसे उसी हल्के पर खर्च करने का विचार रखती है ताकि एक हलके का पैसा दूसरे हलके में खर्च न होने पाए ?

ब्रिगेडियर रण सिंहः स्पीकर साहब, यह सवाल बहुत अच्छा है लेकिन हम तो 65 परसैंट के करीब रुपया पी0डब्ल्यू0डी0 वाले लेते हैं। उसका जवाब मंत्री जी ने कोई तसल्ली बख्भा नहीं दिया। बहुत सी सडकें काफी समय पहलें से बनी हुई हैं जो पूरी तरह से टूटी पडी हैं। जब रिपेयर करने की बात आती हैं तो पी0डब्ल्यू0डी0 कहते हैं कि यह मार्किट कमेटी की सडकें हैं और मार्किट कमेटी वाले कहते हैं कि यह पी0डब्ल्यू0डी0 वालों की सडकें हैं। यह मसला ऐसा गंभीर बना हुआ है कि इन सडकों की जिम्मेवारी लेने के लिये कोई तैयार नहीं है। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि इन रोडज की जिम्मेवारी किस की है ?

ब्रिगेडियर रण सिंहः स्पीकर साहब, यह सवाल अच्छा है। अगर आनरेबल मैम्बर ऐसा कोई केस हमारे नोटिस में लाएंगे तो फौरन उस पर ऐक ान लिया जाएगा और बताएंगे कि रोडज किस की है।

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपकी मार्फत अपने पापुलर मिनिस्टर साहब से यह जानना चाहता हूं कि अगर

कहीं पर जरूरत होगी तो क्या वहां नई मार्किट कमेटी बनाने पर विचार किया जाएगा ? जैसा कि हमारा हल्का भााहजादपुर है वहां पर नई मार्किट कमेटी बनाने पर सरकार विचार करेगी ?

श्री अध्यक्षः लाल सिंह जी, यह सवाल सडक बनाने के बारे में है, मार्किट कमेटी बनाने के बारे में नहीं है।

Decrease in State Revenue due to allotment of Liquor Vends

***1097. Shri Fateh Chand Vij :** Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state whether there has been any decrease in the Government income during the period from 1-4-1978 to 31-12-1979 on account of allotment of liquor vendsa as compared to income accrue during such period of last year; is so, the extent of such decrease ?

आबकारी तथा कराधान मंत्री (चौधरी भोर सिंह): पिछले वित्तीय वर्श राजस्व की तुलना में 1—4—78 से 31—12—78 तक 36005058 रुपये की राजस्व की कमी हुई, परन्तु यह कमी केवल ठेकों की अलाटमैंट प्रणाली अपना से नहीं बल्कि 1—4—78 से मद्य निशेध के फेजड प्रोग्राम को लागू करने के कारण भी हुई है।

श्री फतेह चन्द विजः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने सवाल के जवाब में फरमाया कि यह सारा घाटा लाटरी सिस्टम की वजह से ही नहीहं हुआ। क्या मंत्री महोदय के नोटिस में यह चीज है कि उन्होंने सौ के करीब ठेके बंद

कर दिये और कईलाख प्रफ लीटर भाराब की कंजपं ान घटा दी। अब जो ठेके नीलाम हुए हैं, वह पहले से चार चार और आठ आठ गुना बोली पर गये हैं। क्या अलाटमैंट पालिसी से यह घाटा नहीं हुआ ?

चौधरी भोर सिंहः यह इन्फर्मे ान मैम्बर साहेबान के पास ही होगी, मेरे पास नहीं है।

श्री जगन नाथः अभी मंत्री महोदय ने बताया कि 31 दिसम्बर तक 3 करोड 60 लाख रू0 का घाटा हुआ लेकिन चार पांच दिन पहले इन्होंने बताया था कि दो करोड रुपये का घाटा हुआ है। मैं यह जानना चाहता हूं कि आज वाला जवाब सहीं है या पहले वाला ?

चौधरी भोर सिंहः दोनों जवाब सहीं हैं। ऐसा है कि 1977–78 में 58 लाख तक लिटर भाराब का कोटा था उसे हमने घटा कर 1978–79 में 46.40 लाख प्रुफ लीटर कर दिया। हमारी अनुमानित आय 16500100 रू0 की थी और 9 महीने में 23750747 रू0 की आय का अनुमान था जबकि 31–12–78 तक हमारी आय हुई 7862578 रू0। इसलिये हमें 25888169 रुपये का घाटा हुआ। प्र न में इन्होंनें पिछले सालों के मुकाबिले में 1977–78 का घाटा पूछा था, उसमें 3 करोड से अधिक का घाटा है। इसलिये मैंने कहा है कि दोनों जवाब ठीक हैं।

चौधरी खुर ाीद अहमदः क्या वजीर साहब बताएंगे कि यह घाटा 90% अलाटमैंट सिस्टम की वजह से हुआ और

बाकी 10 प्रति ात दूसरे कारणों की वजह से हुआ ? क्या यह बात ठीक नहीं है ?

चौधरी भोर सिंहः इसकी परसैंटेज मैंने नहीं निकाली है।

Pipe Line for Irrigational Purposes

***1106. Chaudhri Lal Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state

(a) whether it is a fact that M.I.T.C. provides a pipe line of 4000 feet fro irrigation of land from the tubewells to the farmers;

(b) if reply to part(a) above be in the affirmative whether the Government/M.I.T.C. have received any representations to the effect that the pipe line of 4000 feet is inadequate and it should be increased; and

(c) if so, the action, if sny, taken or proposed to be taken thereon ?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिह):

(क) आमतौर पर 3000 से 4000 फुट लम्बी पाईप लाईन सीधी सिंचाई वाले नलकूप जो कि हरियाणा लघु सिंचाई नलकूप निगम द्वारा लगाये जाते हैं पर बिछाई जाती है।

(ख) जी हां।

(ग) किसानों को राय दी जाती है कि वे अपने खर्चे पर पाईप लाईन बढा लें।

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने जो जवाब दिया है उससे मेरी तसल्ली नहीं हुई। मैं यह पूछना चाहता हूं कि जिन टयूबवैल्ज पर चार हजार फुट तक की पाइप लाइन बिछाई जाती है वह बहुत कम है क्योंकि वहां पर इससे भी लम्बी नालियों की जरूरत है। जमींदार बेचारे गरीब होते हैं, वे तो अपने पास पैसा खर्च करके नाली लगवा नहीं सकते और सरकार उससे आगे बिछाती नहीं है। इस वजह से एम0आई0टी0सी0 के टयूबवैलों का पानी नहीं बिकता और बेकार खडे रहते हैं। इसलिये क्या सरकार इन नालियों को चार हजार फुट से आगे लम्बी बिछायेगी या नहीं ?

श्री वीरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब, फिलहाल सरकार की पालिसी के मुताबिक तीन हजार से चार हजार फुट तक टयूबवैलौं के जरिये इरीगे ान करने के लिये पाइप दी जाती है लेकिन अगर आप दूसरी तरफ देखें कि जो कैनेाल से इरीगे ान करते हैं, उन पर खाल पक्के करने का खर्चा भी पडता है और एक फुट की भी रियायत नहीं दी जाती। जबकि टयूबवैल वालों को हम चार हजार फुट तक की रियायत देते हैं। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि केवल नारायणगढ में ही किसान नहीं बसते, वे आदमपुर में भी बसते हैं और भले राम जी के हल्के में भी बसते हैं। दूसरी बात यह है कि एक टयूबवैल से एक साल में ज्यादा से ज्यादा तीन सौ एकड में इरीगे ान होती है और एक क्यूसिक पानी डिसचार्ज

होता है। तो तीन सौ एकड के लिये इतनी पाइप देना ही सफि ाएंट कंसिडर किया गया है।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: क्या इस तरह के टयूबवैल हरियाणा में और जगहों पर भी लगाने का विचार है ?

श्री वीरेन्द्र सिह: जी हां लगाएंगे।

चौधरी गंगा राम: क्या मंत्री जी को मालूम है कि हरियाणा में जितनी भी ड्रेनें हैं, उनके अंदर पानी खडा होता है और कई दफा उनके अंदर पानी चलता भी है यानी फ्लड का जो पानी होता है वह उनमें चलता रहता है। कई बार किसान नलकूपों के द्वारा अगर इन ड्रेनों से पानी लेकर सिंचाई कर लेते हैं तो सरकार उन पर वाटर रेट लगा लेती है और पैसा चार्ज करती है। तो मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार की कोई ऐसी तजवीज है कि वह वहां पर नलकूप खुद लगवा दे फिर बे ाक किसानों के वाटर रेट चार्ज कर लें ?

श्री अध्यक्ष: इस सवाल का मेन सवाल के साथ कोई संबंध नहीं है।

Closure of Good Year Tyre Comapny at Ballabgarh

***1114. Chaudhri Rajinder Singh :** Will the Minister for Cooperation and Dairy Development be pleased to state

(a) whether the Government is aware of the fact that the Good Year Tyre Company at Ballabgarh has been

closed; if som since when and the reasons leading to its closure;

(b) the number of workers, both skilled and unskilled, who have been rendered jobless as a result of closure of the said factory;

(c) the estimated loss in Sales Tax suffered by the Government on account of closure of the said factory; and

(d) the remecial steps so far taken or porposed to be taken by the State Government to avoid further loss of revenue ?

सहकारिता तथा दुग्ध विकास मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) मै0 गुड इयर इण्डिया लि0 बल्लभगढ बंद नहीं हुई परंतु प्रबंधकारियों ने दिनांक 26–1–79 को श्रमिकों के काम रोको हडताल के कारण, तालाबंदी घोशित की क्योंकि दिनांक 20–1–79 से एक श्रमिक को एक भाग से दूसरे भार पर फोरमैन द्वारा बदलने पर श्रमिक काम रोको हडताल का सहारा ले रहे थे और इससे पूर्व फैक्टरी के कई अनुभागों में काम की गति को धीमा किया गया था।

(ख) लगभग 1500 श्रमिकों पर इस तालाबंदी के कारण असर पडा।

(ग) लगभग 125000 रुपये का इस तालाबंदी के कारण नुक्सान हुआ।

(घ) श्रम विभाग की समझौता म ीनरी प्रबंधकों तथा श्रमिकों के प्रतिनिधियों में समझौते की बातचीत कर रही है ताकि झगडे को निपटाया जाये और फैक्टरी काम करना आरम्भ कर दे।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मंत्री जी ने जवाब दिया है कि 26–1–79 से 1 लाख 25 हजार रुपये की हानि हुई है। मैं मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि इस गुड इयर फैक्टरी की तालाबंदी से हमारे सारे फरीदाबाद के क्षेत्र में, सारे वर्कर्ज में और उद्योग धंधों में भी बडी भारी असंतुश्टि फैली हुई है। क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि इस फैक्टरी को जल्दी से जल्दी चालू करने का कब तक प्रबंध कर देंग ? अध्यक्ष महोदय, मैं इसके लिए एक नि चत समय का आ वासन चाहता हूं ?

चौधरी भजन लालः लेबर डिपार्टमैंट ने इस बारे में चार पांच लेबर तथा मिल मालिकों के साथ की। उसके बाद मैंने दिल्ली में 23 जनवरी और 27 जनवरी को दो मिटिंगें की। 21, 22 और 23 फरवरी को भी वर्कर्ज और मिल मालिकों के साथ बैठकर अधिकारियों और मैंने बातचीत की हैं। अब उम्मीद की जाती है कि फैक्टरी जल्दी चालू हो जायेगी।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने 1 लाख 25 हजार रुपये का घाटा बताया है लेकिन तथ्य यह है कि यह घाटा केवल सेल्ज टैक्स का नहीं, बल्कि सारे राजस्व

के एक दिन का अनुमान है। मैं जानना चाहती हूं कि यह रा ि। कब तक की बतायी गई है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सेल्ज टैक्स से हमारी स्टेट को 1 लाख 20 हाजर रुपये की आमदनी इस फैक्ट्री से हर माह होती है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि कुल राजस्व की कितनी हानि हुई है ?

चौधरी भजन लालः कुल राजस्व की 9 या 9.50 लाख रुपये की हानि हुई है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः जी नहीं, यह तो एक दिन की हानि है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह एक महीने की हानि बतायी गई है।

श्री मूल चन्द मंगलाः अध्यक्ष महोदय, जैसे कि मंत्री महोदय ने बताया है कि उनकी श्रमिकों से बातचीत चल रही है, भीघ्र फैसला हो जायेगा। अगर यह फैसला जल्दी नहीं हुआ तो क्या सरकार द्वारा कोई दूसरा कदम उठाया जायेगा जिसके जरिए सरकार उनको मजबूर करें कि या तो फैक्टरी जल्दी चलाई जाये या सरकार इसको टेक ओवर कर ले ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इस दि ाा में सरकार पूरी कोि ा ा कर रही है ताकि यह फैक्टरी जल्दी चालू हो जाये। अगर किसी वजह से ऐसा न होने की संभावना

हुई तो सरकार दूसरा कानूनी कदम उठायेगी। इस बात के लिए कोर्ट भी बनी हुई है, फिर उसमें कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

स्वामी आदित्यवे I: क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि गुड इयर फैक्टरी की तालाबंदी वर्कर्ज के असंतोश के कारण हुई है या मालिको की लापरवाही के कारण हुई है ?

चौधरी भजन लालः ऐसा करने से कोई एक पार्टी दोशी नहीं होती, तालाबंदी दोनों तरफ की गलतियों के कारण होती है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, वहां आर्थिक मामले को लेकर गडबड नहीं हुई, बल्कि सिक्योरिटी आफ सर्विस को लेकर झगडा चल रहा है। 26 जनवरी से आज 19 मार्च आ गया है और आपने अभी कहा कि फैसला जल्दी हो जायेगा। आज पूरे तीन महीने होने को आ रहे हैं कोई फैसला नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, यह फारेन कंसर्न है और यह लोग अमेरिका में इन महीनों में 32 करोड रुपया भिजवा चुके हैं। आप इसको टेक औवर क्यों नहीं कर लेते ?

चौधरी भजन लालः असल में यह मामलाच इस प्रकार भाुरू हुआ कि एक वर्कर को फोरमैन ने दूसरी जगह काम के लिए बदल दिया कि यह काम करो। वह वर्कर उस काम में नहीं लगा, इस बात पर फोरमैन से उसका झगडा हो गया। झगडै की वजह से फैक्टरी के मालिको ने उस वर्कर को सस्पैंड कर दिया। वह फैक्टरी के बाहर नहीं गया, ऐसा होने से सारे वर्करों ने काम करना बंद कर दिया, तीन दिन एक भी टायर

नहीं बना। फिर मुझे फोन पर बुलाया गया मैंने वहां मीटिंग की और वर्कर्ज को समझाया गया लेकिन फिर भी 26 जनवरी तक कोई टायर नहीं बना। अन्त में मालिको को मजबूर होकर फैक्टरी बंद करनी पडी।

श्री बलदेव तायलः अध्यक्ष महोदय, जो मंत्री महोदय ने 9, सवा नो लाख का अनुमानित घाटा बताया है यह किन आंकडों पर आधारित है ? इसमें सेल्ज एंड एक्साईज टैक्स के रूप में कितनी हानि हुई, अलग अलग बतायें ?

श्री अध्यक्षः इसका अलग नोटिस दें।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः इस फैक्टरी के बंद होने से कितने करोड की प्रोडक ान का घाटा हुआ है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इस फैक्टरी में तकरीबन 16 सौ से 22 सौ तक रोजाना टायर बनते थे। मैम्बर साहेबान स्वयं अंदाजा लगा सकत हैं कि कितना नुकसासन हुआ होगा ? मैं वि वास के साथ कहता हूं कि एक सप्ताह के अंदर इस फैक्टरी को चालू कर दिया जायेगा।

Persons registred with the Employment Exchanges in the State

***1116. Rao Dalip Singh :** Will the Minister for Cooperation and Dairy Development be pleased to state

(a) the district wise total number of under Matriculates, Matriculaltes, Graduates, Post Graduates and

Diploma holders, registered in the Employment Exchanges in the State upto 1st January, 1979, separately;

(b) the total number of person out of those referred to in part (a) above who are handicapped and disabled in each category;

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to give preference or to reserve some posts for the handicapped and disabled unemployed persons in the State; and

(d) whether there is also any proposal under consideration of the Government to give unemployemnt allowance to the unemployed persons in the State ?

सहकारिता तथा दुग्ध विकास मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) तथा (ख) : विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

(ग) तथ (घ): जी नहीं।

सूची

(क) जिला अनुसार मैट्रिक से कम, मैट्रिकुलेटस, ग्रेजुएटस, पोस्ट ग्रेजुएटस तथा डिप्लोमा होल्डर्ज की दिनांक 31—12—78 की वह संख्या जिसमें वे राज्य के रोजगार कार्यालयों में रोजगार सहायता के लिये प्रतीक्षा कर रहे थे, निम्न हैं :—

जिले का नाम	मैट्रिक से कम	मैट्रिकुलेटस	ग्रेजुएटस	पोस्ट ग्रेजुएटस	डिप्लोमा होल्डर्ज
अम्बाला	10147	15555	4978	560	268
कुरुक्षेत्र	2368	5357	2174	280	68
करनाल	6056	13475	3790	497	173
रोहतक	8020	11323	3031	1570	257
सोनीपत	5156	7510	2016	159	146
जीन्द	2889	5022	1507	142	69
भिवानी	4717	4619	1886	142	39
गुडगांव	14206	11389	4004	382	266
महेन्द्रगढ़	5505	5355	2051	341	29
हिसार	4245	8494	2439	335	139
सिरसा	1319	2404	915	173	65
योग	64628	90503	28791	4581	1519

नोटः– (1) मैट्रिक से कम, मैट्रिकुलेटस, ग्रेजुएटस, पोस्ट ग्रेजुएटस जिनकी संख्या ऊपर दी गई है, मे वे सभी

प्रार्थी सम्मलित हैं जिन्होंने अपना नाम भिन्न भिन्नच व्यवसायों में दर्ज करवाया हुआ है।

(2) उपरोक्त जो आंकडे दिये गये हैं वे 31–12–78 तक हैं न कि 1–1–79 तक क्योंकि ये आंकडे मास की समाप्ति तक एकत्रित किये जाते हैं।

(ख) उपरोक्त के भाग (क) में जिन प्रार्थियों की संख्या दी गई है उनमें से वर्ग अनुसार विकलांग प्रार्थियों की संख्या नीचे दी जाती है :–

वर्ग	विकलांग प्रार्थियों की संख्या जो दिनांक 31–12–78 को रोजगार सहायता की प्रतीक्षा कर रहे थे
मैट्रिक से कम	359
मैट्रिकुलेटस	463
ग्रेजुएटस	80
पोस्ट ग्रेजुएटस	34
डिप्लोम होल्डर्ज	भून्य
योग	936

राव दलीप सिंहः मंत्री महोदय ने बताया कि 64 हजार एजुकेटिड परसैंज अनएम्पलायड हैं। क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि उनको रोजगार देने का कोई टाईम बाउंड प्रोग्राम बनाया गया है ?

चौधरी भजन लालः पढे लिखे बेरोजगार लड़कों के लिए सरकार ने बहुत तेजी से कदम उठाये हैं हम देहातों में उद्योग धन्धे खोलने जा रहे हैं पढे लिखे बेरोजगारों को 10 हजार से एक लाख रुपये तक के ऋण दिये जायेंगे जिस पर एक परसैंट सूद होगा और 15 परसैंट सबसिडी दी जायेगी। अध्यक्ष महोदय, हमने 15 तारीख से 22 तारीख तक औद्योगिक सप्ताह स्टेट में मनाया है। इसके अन्तर्गत हम गांवों में जाकर लोगों को उद्योग धंधे लगाने के बारे में समझाते हैं।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः क्या मंत्री महोदय ने 58 साल से 55 साल की रिटायरमैंट एज करके जो हर साल बेरोजगारी की समस्या बढ रही है उसको दूर करने का तरीका अपनाने की कोि ा ा की है ?

चौधरी भजन लालः सरकार के सामने ऐसा कोई मसला विचारधानी नहीं है कि रिटायरमैंट एज 58 से 55 साल कर दी जाये।

चौधरी हरस्वरूप बूराः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने बताया है कि स्माल स्केल फैक्टरियों का प्रबंध कर दिया गया है परंतु कुछ बच्चे ऐसे भी हैं जो ओवर एज को चुके हैं क्या उनकी

ओवर एज को कंसिडर किया गया है ?

चौधरी भजन लालः ऐसी बात नहीं है, सरकार इस बात पर विचार कर रही है कि 27 साल की एज को बढाया जाये ताकि वे ओवर एज न हों।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि अभी मंत्री जी ने बताया कि पढे लिखे बेरोजगारों की बेकारी दूर करने के लिए सरकार ने रूरल एरिया में इंडस्ट्रीज खोलने का प्रोग्राम बनाया है जिससे बहुत जल्दी ही बेरोजगारी दूर हो जाएगी लेकिन डिस्ट्रिक्ट जींद में 45 यूनिट लगे हैं, जिसमें 135 आदमियों को काम मिला है। क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि अगर इस रफ्तार से काम करते रहे तो कितने साल में इस प्रोग्राम को पूरा कर लेंगे ?

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, पिछले साल हमने 200 यूनिट लगाए जिनमें 1200 लडकों को काम मिला है। उन लडकों का सारा खर्चा निकाल कर लगभग हजार ग्यारह सौ रुपए प्रति मास की इनकम हुई है।

चौधरी लाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपकी मारफत मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि जो सामान गांवों में लघु उद्योग द्वारा तैयार होगा उसको सेल्ज टैक्टस और औक्ट्राय डयूटी में छूट होगी ?

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, उनको 5 साल के लिए सैल्ज टैक्स, बिजली के सरचार्ज और औक्ट्राय डयूटी की पूरी छूट होंगी।

चौधरी गया लालः उपाध्यक्ष महोदय, कई विभाग अपनी मर्जी से रिक्रूटमैंट कर लेते हैं। खासतौर से जो मंत्री जी का कोआप्रेटिव विभाग है, उसमें आम तौर से बगैर एम्पलायमैंट एक्सचेंज से भर्ती की जाती है। रोजगार विभाग में जिनके नाम दर्ज हैं उनमें अपंग लडकें भी हैं और दूसरे भी हैं जो सर्विस से वंचिज रह जाते हैं। क्या सरकार ऐसा कोई विचार करेगी कि इन विभागों में भी बगैर एम्पलायमैंट एक्सचेंज के न लिए जाएं ?

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, ऐसी कोई बात नहीं है। कुछ संस्थाएं ऐसी हैं जिनमें कुछ आदमी डेली वेजिज पर रख लेते हैं इन्होंने कोआप्रेटिव विभाग का नाम लिया है, यह महकमा मेरे पास है। इसमें ऐसी कोई बात नहीं है। हम 50 परसैंट नाम एम्पलायमैंट से मंगाते हैं बाकी 50 परसैंट की एप्लीके ान इनवाइट करते हैं। उसके बाद इंट्रव्यू लेकर सिलैक ान करते हैं।

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासनी हुए।)

श्री देवेन्द्र भार्माः स्पीकर साहब, हरियाणा स्टेट में हैंडीकैप्ड लोगौं में अधिकतर अंधे हैं जिनमें एम0ए0 पास भी हैं और एम0एस0, पी0एच0डी0 भी हैं। उनके लिए सर्विस में न कोई प्रैफ्रैंस है और न कोई रिजर्वे ान दी जाती है। क्या मंत्री

महोदय बतायेंगे कि उनको प्रैफ्रैंस या रिजर्वे ान देने का सरकार का कोई विचार है ?

श्री अध्यक्षः इसका जवाब दिया जा चुका है कि सरकार का रिजर्वे ान देने का कोई विचार नहीं है। अगर मंत्री जी चाहें तो बता सकते हैं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हैंडीकैप्ड के लिये हमने आयु में बडी भारी छुट रखी है। दूसरे लडकों की सर्विस एज 27 साल है जबकि हैंडीकैप को हम 37 साल तक की एज तक लगाते हें अगर वह कुआलीफाई करता हो तो सबसे पहले उनको लगाते हैं।

श्री सुरेन्द्र सिंहः क्या मंत्री महोदय बतायेंगें कि जो आंकड़े उन्होने सदन के पटल पर रखें हैं, उनको मद्देनजर रखते हुए पिछले दो साल में चाहे एजूकेटिड हों चाहे अनएजूकेटिड हों, बेरोजगारों की संख्या बढी है या घटी है ?

श्री अध्यक्षः संख्या तो हमे ाा बढती रहती है घटने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा स्टेट में कम से कम दो लाख 90 हजार लडकों के नाम एम्पलायमैंट एक्सचेंज में दर्ज हैं। इनमे नाम हर साल बढते हैं घटत नहीं क्योंकि हर साल एक लाख लडके पढ लिख कर तैयार हो जाते हैं इनमें से हज 20 या 22 हजार को सर्विस दे पाते हैं। हर तरह हर साल बेरोजगार बढते हैं घटते नहीं।

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, जनता पार्टी के चुनाव घोशणा पत्र में यह वायदा है कि हम 10 साल में बेरोजगारी की समस्या को मुकम्मल तौर पर दूर कर देंगे। क्या दस साल के अर्से को मद्देनजर रखते हुए इन दो सालों में भी अनुपाती तौर से बेरोजगारी घटाने का टारगैट पूरा किया गया है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसके लिये पूरा प्रयत्न कर रहे हैं और हम 10 साल की बजाये 8 साल में बेरोजगारी की समस्या दूर करना चाहते हैं।

श्री सुमेर चन्द्र भट्टः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने एलान किया है कि हम 8 साल में बेरोजगारी की समस्या दूर कर देंगे ? क्या उस अनुपात में रूरल इंडस्ट्रीज लगाने के लिए आव यक पूंजी का कोई प्रबन्ध वजीर साहब ने किया है ?

चौधरी भजन लालः उनके लिए सरकारी पूरी तरह से जागरूक है और इनके लिए सारी योजनाएं बनाई जा रही हैं।

Teachers/Teachresses belonging to Scheduled Casts and Scheduled Tribes

***1125. Swami Agnivesh :** Will the Minister for Education be pleased to state

(a) the total number of teachers/teachresses working in the Govt. Colleges and Schools in the State at present;

(b) the total number of teachers/teachresses belonging to Scheduled Castes & Scheduled Tribes out of those referred to in part (a) above; and

(c) whether the quota reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes is complete in all categories; if not, the steps taken or proposed to be taken to complete the reserved quota of posts for Scheduled Castes and Scheduled Tribes ?

ि ाक्षा मंत्री (श्री हीरा नन्द आर्य):

(ए) 49326

(बी) 3553

(सी) नही। अनुसूचित जातियों एवं अनुसचित कबीलों के लिए आरक्षित पदों को स्वीकृत माध्यम द्वारा भरने का भरसक प्रयत्न किया जा रहा है।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: अध्यक्ष महोदय, बेरोजगारी का मसला है, मोस्त इम्पोर्टैंट सवाल है इस पर हाफ एन आवर डिस्क ान होनी चाहिये।

श्री अध्यक्ष: चार दिन बजट की डिबेट के लिए हैं और उसके बाद तीन दिन डिमांडज पर डिस्क ान के लिए हैं। 7 दिन का मौका है जो कि मेरे ख्याल में अनप्रैसीडैन्टिड है। इसलिए मेरा ख्याल है कि आप लोगों को काफी टाईम मिलेगां

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: अध्यक्ष महोदय, क्या आप हमें पूरा टाईम देंगे ?

श्री अध्यक्ष: जितने भी आपके मैम्बर्ज हैं उन सब को टाईम मिलेगा।

स्वामी अग्निवे ा: अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकारी सेवाओं में 22 परसैंट पद अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित किए गए हैं लेकिन जो इन्होंने आंकडे दिए हैं। उनके मुताबिक परसैंटेज 20 बैठती है। सारे हरियाणा में इस समय 50 हजार अध्यापक हैं। 50 हजार में कम से कम 11 हजार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के होने चाहिए लेकिन उसकी जगह केवल 3500 हैं। आजादी के 32 साल बाद उनका इतना कम कोटा पूरा हुआ है। क्या ि ाक्षा मंत्री महोदय अनुभव करते हैं कि अनुसूचित जातियों और अनुसचिज जन जातियों के अध्यापक ही नहीं हैं या नौकरी के लिए उनकी कोई डिमांड ही नहीं है ? मंत्री जी कब तक 22 परसैंट कोटा पूरा करने का वि वास दिलाते हैं ?

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, जहां दूसरे कारण है वहां यह भी एक कारण है कि इन कैटेग्रीज के ट्रेंड टीचर्ज उपलब्ध नहीं होते हैं जिसके कारण ये स्थान पूरे नहीं हो पाए हैं और 1968 के बाद कुछ टीचर्ज का सिलैक ान ही प्रौपर नहीं किया गया।

श्री जगन नाथ: मन्त्री महोदय ने कहा है कि ट्रेंड टीचर्ज नहीं मिल रहे हैं। अगर मैं 10, 20, 50 या 100 ट्रैंड

टीचर्ज इनके पास लाऊं तो क्या मन्त्री महोदय उनको लगाने की कृपा करेंगे ?

श्री हीरा नन्द आर्यः मैंने बताया है कि 1968 के बाद जे0बी0टी0 टीचर्ज की सिलैक ान नहीं हुई। जब कोई सिलैक ान होगी तो कोि ा ा करेंगे कि ि ाडयूल्ड कास्टस और ि ाडयूल्ड ट्राइब्ज का कोटा पूरा हो जाए।

चौधरी गया लालः मंत्री जी ने बताया है कि कोटा पूरा करने की कोि ा ा करेंगे लेकिन बहुत से टीचर्ज 1968 से बेकार बैठे हैं। क्या कोटा पूरा करने के लिए इन बेकार जे0बी0टी0 अध्यापकों को लगाएंगें ?

श्री अध्यक्षः यह तो हम जानते हैं जब तक वेकैंसी खाली नही होगी तब तक कैसे लगाएंगे और कैसे कोटा पूरा हो सकता है ? मंत्री जी ने यह तो आ वासन दिया है कि पूरी कोि ा ा करेंगे कोटा पूरा करने की। (व्यवधान)

चौधरी गया लालः जितनी वेकैंसीज हों, उनको तो पूरा करने की कोि ा ा करैं (व्यवधान)

श्री हीरा नन्द आर्यः जैसा कि मैंने अभी सदन को बताया कि क्रमिक पद्धति चालू की गई है और इस पद्धति के अन्तर्गत वि ोश रूप से कोि ा ा करेंगे कि रिक्त पदों को भरा जाए।

चौधरी पीर चन्दः स्पीकर साहब, एक तरफ तो सरकार स्कूल अप ग्रेड कर रही है और दूसरी तरफ टीचर्ज की

कमी है। क्या सरकार इस कमी को पूरा करने के लिए सैंट पर सैंट हरिजन भरती करके इस कमी को पूरा करेगी ?

श्री हीरा नन्द आर्यः जब सिलैक ान होगी उस वक्त क्रमिक पद्धति के अनुसार कोटा पूरा करने की कोि ाश की जाएगी।

श्री दीप चन्द भाटियाः स्पीकर साहब, 22 परसैंट पिछडी जातियों का कोटा मुकर्रर किया हुआ है। क्या सरकार हम जैंसे लोगों को जो स्वर्ण जाति के लगे हुए हैं, उनको टर्मिनेट करके ि ाडयूल्ड कास्टस का कोटा पूरा करने की कोि ा ा करेगी ? (हंसी)

(इस प्र न का उत्तर नहीं दिया गया)

श्री भले रामः मंत्री महोदय ने बताया कि स्कूलों में तकरीबन 50 हजार टीचर्ज लगे हुए हैं। क्या ये 50 हजार टीचर्ज ट्रेंड लगे हैं या अन ट्रेंड हैं ?

श्री अध्यक्षः सरकार जो टीचर लगाती है वह ट्रेंड ही लगाती है। (व्यवधान) यह कोई सवाल नहीं बनता।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलूः क्या सरकार के विचाराधीन यह बात है कि कास्ट को छोडकर के आधार पर हर महकमे में रिजर्वे ान की जाए ?

श्री अध्यक्षः यह मूल सवाल से संबंधित नहीं है।

श्री फतेह चन्द विजः क्या ि ाक्षा मंत्री महोदय बतायेंगें कि जो परसैंटेज कांग्रेस भाासनकाल में पूरी नहीं हुई थी, उसक कमी को पूरा करने के लिए जनता सरकार कोि ा ा करेगी ?

श्री हीरा नन्द आर्यः इतने सालों से भी ज्यादती होती रही है उसको क्रमिक पद्धति के अंतर्गत पूरा करने की कोि ा ा करेंगे। इसके अलावा खाली रिक्तियों को कैरी फारवर्ड करके भी पूरा करने की कोि ा ा की जाएगी।

स्वामी अग्निवे ाः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय बार बार क्रमिक पद्धति का नाम लेकर कह रहे हैं कि क्रमिक पद्धति के द्वारा लोगों को भर्ती किया जाएगा। मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि यह क्रमिक पद्धति क्या चीज है, इसका क्या अर्थ है ?

श्री हीरा नन्द आर्यः इसका मतलब है रोस्टर सिस्टम।

स्वामी अग्निवे ाः मैं क्रमिक पद्धति भाब्द का अर्थ नहीं पूछ रहा हूं वह तो मैं जानता हूं। मैं जानना चाहता हूं कि यह सिस्टम क्या है ? (व्यवधान)

श्री हीरा नन्द आर्यः स्वामी जी मेरे दफतर में आ जाएं, मैं उनको बता दूंगा। (व्यवधान)

श्रीमती भाान्ति देवीः क्या ि ाक्षा मन्त्री महोदय बतायेंगे कि उन्होंने जो 14 हजार जे0बी0टी0 टीचर्ज को रैगुलर

किया है, इन में अनुसूचित जातियों और जन जातियों का कोटा पूरा किया है या नहीं ?

श्री हीरा नन्द आर्य: जितने अनुसूचित जातियों और जन जातियों के व्यक्ति थे उनको रैगुलर कर दिया गया है लेकिन कोटा पूरा नहीं हुआ है।

चौधरी खुर ीद अहमद: क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि रोस्टर सिस्टम जिसको मन्त्री महोदय ने क्रमिक कहा है, इस पद्धति को बनाने का क्या बेसिज है, किस तरह तैयार की जाती है और इसके तैयार करने का आधार क्या है ?

(इस प्र न का उत्तर नहीं दिया गया।)

Hospital at Jhajjar

***1088. Capt. Mange Ram :** Will the Minister for Health be pleased to state

(a) whether it is a fact that the Civil Hospital Jhajjar, is only a 25 beded Hopital;

(b) whether ther existing in dorr patient's accommodation in the hospital referred to above is sufficenet to meet the reuirement of the patients of the Jhajjara Sub Division area;

(c) if reply to part (b) above be in the negative whether thee is any proposal under consideration of the Government to vonvert this hospital into a 50 bedded hospital; and

(d) if so, the time by which the said proposal is likely to be implemented ?

कैप्टन मांगे रामः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदया सवाल का जवाब देने में बडी एक्सपर्ट हैं। इन्होंने (ख) पार्ट का जवाब दिया है "कोई ि ाकायत प्राप्त नहीं हुई।" स्पीकर साहब, झज्जर सब डिवीजन में सिर्फ 24 बैडज का हस्पताल है। मरीज ज्यादा हैं और कई बार मरीजों को एक एक महीना हस्पताल के बाहर ठहरना पड़ता है। इन्होंने सवाल के जवाब में कह दिया "ि ाकायत नहीं आई" वहां पर पूरी जनता की आबादी 25 हजार हैं (हंसी)

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज। आदरणीय सदस्य को सवाल पूछने दीजिए।

कैप्टन मांगे रामः मेरा कहने का मतलब यह है कि भाहर की आबादी 25 हजार है और इलाके की मांग है कि 24 बैडज की बजाए 50 बैडज का हस्पताल बनाया जाए। क्या मंत्री जी बैडज की संख्या बढाने के लिए प्रयत्न करेंगे ?

श्रीमती डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, कैप्टन मांगे राम ने प्रथम बार यह प्र न किया है और इसके अतिरिक्त आज तक कोई रैजोल्यू ान वहां से पास होकर नहीं आया और न उन्होंने स्वयं कभी कहा है कि वहां पर 50 बैडज की आव यकता है। ब्रिटि ा स्कीम के अन्तर्गत जो परिवार कल्याण का कार्यक्रम चल रहा है, उसके तहत 6 बैडज और बढाए जाएंगे और इसके अतिरिक्त छोटा सा आप्रे ान थियेटर भी बढाया

जाएगा। 50 बैडज तक बढान का प्र न सरकार के विचाराधीन नहीं है, जैसे जैसे वहां से डिमांड आती जाएगी, हम उस वक्त सोच लेंगे।

15.00 बजे।

चौधरी राम कि ानः अध्यक्ष महोदय, सरकार की ओर से जिस नीति का एलान किया गया है उसके अनुसार हर कांस्टिचुऐंसी के एक बडे गावं में 25 बैड का हस्पताल खोला जाएगां क्या मंत्री जी सदन में यह वि वास दिलाएंगी कि ये हस्पताल कब तक खोल दिए जाएंगे ?

श्रीमती डा0 कमला वर्माः धन की उपलब्धि के अनुसासर सब जगह के लिये स्कीमें बना रहे हैं।

चौधरी खुर ीद अहमदः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जहां जहां 25 बैडज के हस्पताल बने हैं उनमें 70–70 और 100–100 इनडारे पै ोंटस की तादाद को देखते हुए बैडज की केपेसिटी बढाने के लिए वे दोबारा गौर करेंगी ?

श्रीमती डा0 कमला वर्माः प्र न झज्जर का है, आप मेरे आफिस में आ जाए, बात कर लेंगे। अभी मैं कोई कमिटमैंट नहीं कर सकती।

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, मंत्री महोदया से जब भी हम कोई क्वै चन पूछते हैं तो ये गोल मोल जवाब दे देती हैं

श्री अध्यक्षः ऐसी बात नहीं है। उन्होंन बडा स्पश्ट उत्तर दिया है।

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, हम कई बार मंत्री महोदया के नोटिस में लाए हैं कि ऐलनाबादी की आबादी कम से कम 40 हजार है लेकिन वहां एक बैड का भी हस्तपाल नहीं है। क्या मंत्री जी बताएंगी कि ये वहां कब तक हस्पताल बनाने का विचार रखती हैं ?

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): नारायणगढ के बाद। (हंसी)

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मेरे प्र न का ठीक से उत्तर नही आया।

श्रीमती डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, ऐलनाबाद के बारे में पहले भी कहा जा चुका है। सी0एम0 साहब द्वारा दिए गए आ वासन और अन्य जरूरत के मुताबिक जिन पांच छः हस्पताल खोले जाने का एलान किया जा चुका है उसके बाद ही बजट के प्रोविजनल के अनुसार दूसरी जगहों पर हस्पताल बनाने की बात पर सरकार विचार कर सकती हैं

श्री अध्यक्षः अब तो आपको बडा स्पश्ट जवाब मिल गया है। जिन हस्पतालों के बारे में सी0एम0 साहब पहले अनाउंस कर चुके हैं वहां पहले हस्पताल खोलेंगे। उसके बाद जैसे जैस पैसा आता जाएगा वैसे वैसे हस्पताल खोले जाएंगे।

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, मेरे हलके में दो गांव हैं जमालपुर और बडवा। उन्होंने पिछले साल सरकार से यह प्रार्थना की थी कि हस्पताल के लिए तीन या चार लाख रुपये की जितने की भी सरकार बिल्डिंग बनवाना चाहे वे बना देंगे। उसके नक ो नीचे से तो पास हो गए थे हैल्थ डिपार्टमैंट ने भी पास कर दिए थे लेकिन वित्त मंत्री जी के यहां से वे रिजैक्ट हो गए। तो मैं मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि अगर लौग अपने पैसे से बिल्डिंग बना दें तो वहां हस्पताल खोलने की मंजूरी क्या हैल्थ डिपार्टमैंट देगा या फाईनैंस डिपार्टमैंट देगा ?

श्रीमती डा0 कमला वर्माः दोनों ही देते हैं।

श्री जगन नाथः क्या नक ाा भी फाईनैंस डिपार्टमैंट पास करता है ?

श्रीमती डा0 कमला वर्माः नक ाा तो हैल्थ डिपार्टमैंट पास करता है लेकिन स्टाफ और दवाईयों आदि पर जो खर्च होना होता है वह फाईनैंस डिपार्टमैंट की मंजूरी से होता है। (विघ्न) स्पीकर साहब, आदरणीय सदस्य को मैं यह बता देना चाहती हूं कि केवल बिल्डिंग बनने से ही हस्पताल नहीं चला करता। उसके लिए स्टाफ भी चाहिए और दवाईया भी चाहिए। यह खर्च जैसो मैंने पहले कहा फाईनैंस डिपार्टमैंट की मंजूरी से होता है।

***1017. Shri Jai Narain:** Will the Chief Minister be pleased to state

(a) the attention, if any, being paid by the Government towards the poor quality, old and badly damaged buses or Rohtak depot; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to provide new buses to this depot during this current financial year; if so, the number therof ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री सुरेन्द्र सिंह ओलला):

(क) रोहतक डिपो की बसों की द ाा को सुधारने के लिए पूरा ध्याना दिया गया है। अब इस डिपो की यातायात स्थिति अच्छी है।

(ख) हां जी। 49 नई बसें अब तक रोहतक डिपो को इस वित्तिय वर्श में दी जा चुकी हैं और 35 नई बसें मार्च 1979 तक दे दी जाएंगी।

स्वामी अग्निवे I: अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के गांवों में जो बसें भेजी जाती हैं, वे लगभग बिना खिडकी के होती हैं, उनकी बुरी हालत होती है, और वे आधे रास्ते में रूक जाती है जिसकी वजह से यात्रियों को बड़ी असुविधा हो रही है। क्या चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी साहब बताएंगे कि ऐसी रद्दी बसों को कंडम करके अलग कर दिया जाएगा और देहातो में अच्छी बसें भेजी जाएंगी ?

श्री सुरेन्द्र सिंह ओजलाः स्पीकर साहब, कुछ दिन पहले कैथल डिपों से सम्बंधित सवाल हाउस के सामने आया था। उस रोज मैंने बताया था कि भाायद 5 या 7 बसें ऐसी थीं जिनके भाी ो नहीं लगे हुए है। और मैंने यह अ योरैंस दी थी कि उन बसों में भाी ो एक हफ्ते के अंदर अंदर लग जाएंगे। (विघ्न) दूसरी जगहों की बसों का जहां तक संबंध है,उनकी इन्फर्मे ान तो इस वक्त मेरे पास नहीं है। इस वक्त तो मेरे पास रोहतक की इन्फर्मे ान है। वहां 7 बसें ऐसी हैं जिनके भाी ी नहीं है और इस वक्त ये वक ाौप में खडी हैं, गांवों में नही चल रही हैं।

चौधरी ई वर सिंहः स्पीकर साहब, बसों की खस्ता हालत वर्क भाौपर्स में होने वाली हेराफेरी की वजह से है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि वर्क भाौप्स पर कडी निगरानी रखने के लिए कोई कडे कदम उठाए गए हैं ?

श्री सुरेन्द्र सिंह ओजला : इसके बारे में तो माननीय सदस्य रोज अखबारों में पढते ही होंगे कि किस तरह से चैंकिग हो रही है। स्पैसिफिकली कैथल डिपो कार जहां तक संबंध है, उसके बारे में माननीय सदस्य को मालूम ही है कि वहां पर सी0एम0 साहब ने किस प्रकार स्टोर की चैंकिग कराई और स्टोर कीपर आदि को नहीं बल्कि जी0एम0 को भी सस्पैंड किया गया। मेरा कहने का मतलब यह है कि इसके बारे में पूरा ऐक ान लिया जा रहा है और मुझे उम्मीद है कि कुछ दिनों में इस तरह की चोरी बिल्कुल बंद हो जाएगी।

चौधरी खुर शीद अहमदः क्या चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी साहब ये बताएंगे कि जिस तरह कैथल डिपो की चैंकिग कराई गई, उस तरह दूसर डिपोज की चैंकिंग कराने के बारे में भी सरकार कोई कार्यवाही करेगी, अगर करेगी तो कितनी जल्दी होगी ?

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): स्पीकर साहब, आनरेबल मैम्बर को यह समझना चाहिए कि अगर हाउस में इस बारे में बता दिया जाए तो चैंकिग हो नहीं सकती। इस तरह की चैंकिग तो अचानक ही हुआ करती है।

चौधरी सरदार खांः क्या चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी साहब बतायेंगे कि गुडगांव और पलवल डिपो को कितनी नई बसें दी गई हैं ?

श्री सुरेन्द्र सिंह ओजलाः गुडगांव डिपो को 76 नई बसें दी गई हैं।

श्री अध्यक्षः यह कितने अर्से में दी गई हैं ?

श्री सुरेन्द्र सिंह ओजला : एक साल में।

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपकी मारफत चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी से पूछना चाहता हूं कि नारायणगढ को कितनी नई बसें दी गई हैं ?

श्री सुरेन्द्र सिंह ओजला : नाराणगढ को तीन बसें दी गई हैं।

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि हमारे जींद डिपों में बहुत दिनों से कोई जनरल मैनेजर जाने के लिए तैयान नहीं है, इसका क्या कारण है ? क्या जनरल मैनेजर को वहां जल्दी भेजने की कोि ा ा की जाएगी ?

चौधरी देवी लालः जहां तक जीन्द का ताललुक है वह सैंट्रल प्लेस है और सरकार इस बारे में सोच रही है। सरकार तो इस हद तक सोच रही है कि जीन्द को ऐसा डिपो बनाया जाये कि सभी डिपो उससे गाईडैंस लें और वहीं से कंट्रोल भी किया जा सके।

स्वामी आदित्यवे ाः मिनिस्टर साहब ने जवाब में बताय है कि गुडगांव को 76 नई बसें दी गई हैं। मैं मेंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि वे गुडगाव में ही चलती है या बाहर चलती हैं। ?

श्री सुरेन्द्र सिंह ओजलाः अगर आप सारी बसें गुडगांव में ही चलवायेंगे तो फिर कमाई कहां से होगी ?

स्वामी आदित्यवे ाः अम्बाला को छोड कर सबसे ज्यादा आमदनी सरकार को गुडगांव जिले से होती है। यह जिला हरयाणा का सबसे बडा जिला भी है। आमदनी भी ज्यादा है। फिर भी गुडगांव जिले में खराब बसें क्यों चलाई जा रही हैं ?

(इस प्र न का उत्तर नहीं दिया गया।)

श्री देवी दास: मैं मिनिस्टर साहब से जानना चाहता हूं कि सोनीपत का जो सब डिपो है, क्या वहां पर भी नई बसें चलाई जायेंगी ?

श्री सुरेन्द्र सिंह ओजला: हर डिपो और सब डिपो पर नई बसें दी जायेंगी। आठ साल के बाद बस रिपलेस कर दी जाती है। सोनीपत में भी बसें गई हैं। अगर आप रोहतक के बारे में पूछना चाहते हैं तो बता देता हूं। रोहतम में 84 नई बसें गई हैं।

Mr. Speaker: Question Hour is over please.

नियम के अधीन सदन की मेज पर रखे गये

तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Quantity of Contry Liquor

***1098. Shri Fateh Chand Vij:** Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state the quantity of courntry liquior in litres for the purchase of which permits were issued to t he country liquor vendors by the Government during the period from 1-4-76 to 31-3-77, 1-4-77 to 31-3-78 and 1-4-78 to 31-1-79 separately in the State ?

आबकारी तथा कराधान मंत्री (चौधरी भोर सिंह):

1—4—1976 से 31—3—1977	5995959.600 प्रूफ लिटर

1—4—1977 से 31—3—1978	5685378.500 प्रूफ लिटर
1—4—1978 से 31—1—1979	3233125.00 प्रूफ लिटर

Rendering of Agricultural Land unproductive by Factories in Faridabad Complex

***1115. Ch. Rajender Singh:** Will the Minister for Industries be pleased to state-

(a) whether the State Government is aware of the fact that hundreds of acres of agriculural land in the neighbourheood of various factories set up at Faridabad Complex have been rendered unproductive as a result of the flow from there of waste matter i.e. used chemicals in these lands; and

(b)if reply to part (a) above be in the affirmative, the septs so far taekn or porposed to be taekn to check further loss to hte farmers on theis account ?

Public Works Minister (Shri Lachhman Singh):

(a) Yes, Sir.

(b) Since the matter has come to the notice of the Government in the Agriculture Department very recently, detailed survey of the area will be made to consider what steps be taken in the matter. The Agriculture Department would render suitable technical advice to the farmers concerned and assist them in securing loans for reclaiming the land rendered unproductive.

Further, the Haryana State Board for the Prevention & Countrol of Water Pollution proposed to launch prosecution proceedings under the Water (Prevention &Control of Pollution) Act 1974 as amended in 1978 against those4 industries in the Fariabad complex which before the discharge of their waste matter do not treat it in accordance whith the standareds laid down by the said State Board within the fixed period permitted to them for the purpose.

Strengthening of Audit in Cooperative Societies

***1117. Rao Dalip Singh:** Will the Minister for Cooperation and Dairy Development be pleased to state

(a) the total number of Cooperative Societies audited durijng the year 1978-79 in the State;

(b) the number of cases and the amount involved in the empezzlement cases detected during the year 1978-79; and

(c) whether there is any proposal unde consideration of the Govt. to increase the strenght of audit staff to check the cases of embezzlement in the Cooperative Societies ?

Cooperation and Dairy Development Minister (Ch. Bhajan Lal):

(a) 4368 (1-7-78 to 31-1-1979).

(b) 156 cases involving amount of Rs. 19-.43 lakhs (1-7-78 to 31-1-1979).

(c) Yes.

Enhancement of Daily Wages of the Labourers

***1126. Swami Agnivesh:** Will the Minister for Public Works be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to fix Rs. 12 per day as daily wages to the labourers working in P.W.D. in the State ?

सहकारिता तथा दुग्ध विकास मंत्री (चौधरी भजन लाल): जी नहीं।

Disparity in the pay and other amenities amongst the Drivers in the State

***1144. Ch. Khurshid Ahmed:** Will the Minister for Finance be pleased to state whether it is a fct that ther is a difference in the pay-sacles; special pay, uniform allowance etc. of the Civil Secretariat Drivers and the Drivers working in the other Departmetns; if so, the reasons therefor ?

वित्त मंत्री (श्री मूल चन्द जैन): हां। यह अन्तर इस कारण है कि हरियाणा सिविल सचिवालय के ड्राईवरज की कार्य प्रकृति कठिन प्रकार की है क्योंकि उन्हें बहुत महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों एवत्र मंत्रियों के साथ कार्य करना पडता है।

Provision of water for irrigation puposes

***1146. Shri Raghu Nath Goyal:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether it is a fact that only one side of the land of vellages Mansa, Pharanswal, Mange-Majri in the Kaithal Constituency is irrigated and other side remains unirrigated; and

(b) whether there is any sheme under consideration of the Government to provide water for the other side of villages as referred to in part (a) above; if so, the time by which the water is likely to be provided there ?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(ए) नहीं जी।

गांव मानव, फरांस वाला तथा मांगे माजरी कैथल हलके की भूमि की सिंचाई दोनों ओर से होती है।

(बी) सरकार के पास को ऐसी स्कीम विचाराधीन नहीं है, जो कि इन गांवों की जमीन को दोनों ओर से सिंचाई कर सकें, क्योंकि इनमें पहलीी ही दोनों ओर से सिंचाई हो रही है।

Scholarships to the students belonging to Scheduled Castes and Backward Classes

***1148. Ch. Bhagmal:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) the monthly rate of scholarships being paid to the students studying in the High Schools belonging to the Scheduled Castes and the Backward Classes, repectively;

(b) the date from which the said rate is being paid to them;

(c) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to raise the amount of scholarships being paid to the students belonging to the Schedule Castes and Backward Classes in the State; and

(d) if so, the details thereof ?

ि ाक्षा मंत्री (श्री हीरा नन्द आर्य):

(ए) 8 रू0 प्रतिमास।

(ख) 1—4—1970

(ग) तथा (घ) हां। दिनांक 1—4—1979 से स्टाईपैंण्ड की दर 8/—रू0 प्रतिमास से 16/—रू0 प्रति मास बढाने का प्रस्ताव है।

Regularisaion of services of workcharged employees

***1159. Comrade Shankar Lal:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the government to regularise the services of workcharged employees working in the Irrigation Department; and

(b) if so, the details thereof ?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(क) हां।

(ख) जिस वर्कचार्जड अमले की सेवा अवधि 31–12–78 को 5 वर्श या इससे अधिक है उसे रैगुलर स्थापना पर लाने हेतु मामला सक्रिय रूप से सरकार के विचाराधीन है।

Appreciation letters to the employees

***983. Ch. Sant Kanwar:** Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) the number of employees who has been given appreciation letters since inception of the Printing and Stationery Department;

(b) the basis on which the appreciation letters are issued ?

स्वास्थय मंत्री (श्रीमती डा0 कमला वर्मा):

(क) एक।

(ख) वर्श के दोरान अधिकारी के समस्त कार्य के समूचे मूल्यांकन के आधार पर, बहुत ही अच्छे कार्य के लिये प्र ांसा पत्र जारी किये जाते हैं।

Ad Hoc employees

***1158. Sh. Mange Ram Gupta:** Will the Chied Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the President of India had issued a notification dated 10th June, 1977 vide which the services of about 15000 ad hoc employees of Haryana who had completed one year's service on 31st March 1977 were to be regularised;

(b) whether it is also a fact that the said notification by the President of India was later on withdrawn by the Janata Government even after the Chief Secretary to Government Haryana, has issued the circular to all the Heads of Departments for immediate necessary action and even in some cases orders were issued to the employees regularising their services; and

(c) if the answer to part (b) above be in the affirmative the reasons for withdrawing the said notification and the circumstances under which it was withdrawn ?

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल):

(क) जी हां।

(ख) जी हां। इस अधिसूचना को राज्य सरकार द्वारा मंसूख किया गया था, वापिस नहीं लिया गया था।

(ग) इस अधिसूचना को मंसूख करने के लिए मुख्य औचित्य यह था कि सभी लोगौं को रोजगार के समान अवसर मिलने चाहिएं और तदर्थ आधार पर नियुक्त कर्मचारियों को कोई प्राथमिकता नहीं दी जानी चाहिए।

Loans or grant for the development of panchayats

***915. Swami Adityavesh:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state-

(a) the amont of loadn or grant advanced by the Government for the development of each Panchayat during the period from 4th July, 1977 to 30th June, 1978 in the State;

(b) the amount of the loan or grant advanced to each Panchayat for making them resourceful and for setting up Industries togetherwith the detail of each such Panchayat which received the loan or grant during the period as referred to in part (a) above; and

(c) the nature of the Industries for which the loan was advanced ?

विकास मंत्री (ठाकुर बीर सिंह):

(क) हरियाणा राज्य में 5260 ग्राम पंचायतें हैं यद्यपि पंचायत बार सूचना उपलब्ध है, यह बहुत लम्बी हैं फिर भी, यदि कोई माननीय सदस्य किसी वि ोश पंचायत के बारे में यह सूचना देखना चाहता है तो वह उसको उपलब्ध कर दी जाएगी।

तथापि सदन की सूचना के लिए अनुदानों/ऋणों की खण्डवार सूची जो कि सरीकार ने राज्य में 4–7–77 से 30–6–78 तक पंचायतों के विकास के लिए दी है, सदन के पटल पर रखी है।

(ख) सरकार ने जिन पंचायतों को राजस्व आय योजनाएं चलाने के लिए सीधे ऋण दिये हैं, उसकी भी एक सूची सदन के पटल पर रखी जाती है। पंचायतों को उद्योग लगाने के लिए कोई अनुदान/ऋण नहीं दिया गया।

(ग) उपरोक्त उत्तर के अनुसार भाग (सी) का प्र न ही नहीं उठता।

सूची (क)

हरियाणा राज्य में 4–7–77 से 30–6–78 तक पंचायतों को अनुदान/ऋण दिए जाने की खंडवार सूची।

क्रमांक	खंड का नाम	पंचायत समितियों द्वारा पंचायतों को विकास के कार्यों के लिये दिए गए अनुदान		पंचायत विभाग द्वारा पंचायतों को सीधे दिए गए अनुदान/ऋण		
		पंचायतों की संख्या	राशि	पंचायतों की संख्या	ग्रान्ट	राजस्व आय योजना के अन्तर्गत ऋण
जिला रोहतक						
1	रोहतक	12	49418.00	30	13318.85	20000/–
2	साम्पला	37	190153.00	29	9654.40	

3	महम	2	9600.00	23	16834.85	
4	बेरी	20	77600.00	32	10178.01	
5	चिड़ी	8	25700.00	24	11595.77	
6	बहादुरगढ	6	25700.00	54	13469.82	
7	नाहड	8	29500.00	72	11543.40	
8	साहलावास	21	77127.00	72	11399.05	
9	कलानौर	24	89229.02	38	16501.57	
10	झज्जर	28	68539.00	56	13685.95	
		166	648024.70	430	127182.95	20000/—
जिला कुरुक्षेत्र						
1	थानेसर	40	63850.00	82	24127.00	

2	कैथल	41	81089.81	74	32275.65	
3	लाडवा	56	43430.00	125	24289.25	
4	भााहबाद	18	39700.00	91	19076.25	20000／—
5	गुहला			87	35426.50	
6	पुंडरी	2	20000.00	65	25735.70	
		157	648069.81	524	160930.35	20000／—
जिला सिरसा						
1	डबवाली	14	36000.00	71	47290.72	10000／—
2	सिरसा	11	2600.00	95	45355.78	10000／—
3	बडागढा	10	26250.00	61	37639.83	
4	रानियां	15	30000.00	45	49064.27	

		50	118250.00	272	179350.60	20000/-
जिला अम्बाला						
1	अम्बाला	32	59000.00	112	15629.18	20000/-
2	जगाधरी	26	34720.00	78	14892.16	
3	रायपुर रानी	30	77335.00	78	10515.76	
4	नारायणगढ	53	47450.00	88	12553.26	
5	पिंजौर	16	65620.00	31	3364.38	
6	बराडा			84	15323.50	
7	बिलासपुर			54	8494.56	
8	छछरौली			172	11469.50	
		157	284125.00	697	92242.30	20000/-

जिला जीन्द						
1	जीन्द	7	25500.00	57	20418.33	
2	कलायत	23	43100.00	51	28838.77	10000/-
3	जुलाना	42	64150.00	43	19630.20	
4	नरवाना	36	131816.00	40	19628.53	
5	राजौंद	60	70525.00	39	23357.65	
6	उचाना			50	27726.95	10000/-
7	सफीदों			64	22242.27	
		168	335091.00	344	161842.70	20000/-
जिला गुड़गांव						
1	नूंह	28	52500.00	87	13122.27	10000/-

2	बल्लभगढ़	37	60650.00	57	10536.02	
3	फरीदाबाद	80	79353.00	32	5543.25	
4	हथीन	4	9512.62	66	9512.62	
5	पलवल	70	75516.00	85	15447.55	
6	गुड़गांवा	34	63133.00	62	11999.91	10000／—
7	पुनहाना	3	7390.00	59	4398.21	
8	सोहना	22	55636.00	101	8946.63	
9	पटौदी	43	60140.00	62	11673.48	
10	फिराजपुर झिरका	53	56040.00	83	8163.52	
11	होडल	6	14000.00	58	16238.54	
		380	533870.62	752	115582.00	20000／—

जिला सोनीपत						
1	खरखौदा	26	41000.00	39	10730.81	10000/–
2	राई	10	14750.00	63	10328.39	
3	कथूरा	18	92000.00	20	8923.39	
4	गन्नौर	17	24265.00	78	14600.50	
5	गोहाना	21	47700.00	35	11500.50	10000/–
6	मुंडलाना	16	65500.00	34	12884.45	
7	सोनीपत			209	15309.21	
		108	285215.00	478	84277.34	20000/–
जिला हिसार						
1	हांसी–2	23	43700.00	33	19089.92	

2	रतिया	15	24800.00	44	33140.50	10000/–
3	हिसार–1	26	37366.79	26	16461.70	
4	हिसार–2	18	73414.80	58	26085.77	
5	नारनौंद	14	76216.00	33	15918.30	
6	हांसी–2	10	25210.00	35	20813.60	
7	बरवाला	22	87203.00	19	31827.73	
8	भूना	15	58500.00	49	36405.15	
9	टोहाना	29	83000.00	57	21836.20	10000/–
10	फतेहाबाद	15	39000.00	55	34398.63	
		187	548410.59	409	255977.50	20000/–
जिला करनाल						

1	करनाल	40	50380.00	90	18653.30	
2	निसिंग	50	44220.00	41	11716.00	10000／—
3	नीलोखेड़ी	34	27720.00	97	22894.60	
4	घरौंडा	31	38020.00	55	18349.50	
5	असन्ध	38	28070.00	31	10692.52	
6	पानीपत	12	17600.00	66	14654.38	
7	संभालखा	6	30440.00	37	10887.00	10000／—
8	मडलौडा	25	30554.00	42	17714.45	
		236	267004.00	459	125561.65	20000／—
जिला भिवानी						
1	बाढड़ा	14	37000.00	50	25157.50	10000／—

2	लोहारू	35	43000.00	16	8061.00	10000/–
3	तो ाम	1	1880.00	45	22243.20	
4	भिवानी	1	5000.00	80	37770.60	
5	दादरी–1			57	28266.65	
6	दादरी–2			53	21173.45	
7	बवानी खेड़ा	30	98700.00	59	45080.65	
		81	185580.00	360	187753.05	20000/–
जिला महिन्द्रगढ़						
1	कनीना	24	59000.00	60	9896.30	
2	खोल एट रिवाड़ी	17	33500.00	43	4994.20	
3	अटेली नंगल	42	114287.00	68	6643.05	

4	नारनौल	26	50500.00	53	5086.89	
5	महिन्द्रगढ़	36	103640.00	59	9277.89	
6	रिवाड़ी	18	50000.00	59	8896.79	79
7	जाटुसाना			53	8966.73	
8	नंगल चौधरी	37	92015.00	60	6657.90	
9	बावल			61	7714.10	10
	जोड़	200	502942.00	516	65133.85	
	कुल जोड़	**1890**	**3956582.72**	**5241**	**1555834.01**	**20000/-**

सूची (ख)

पंचायतों को 4–7–77 से 30–6–78 तक दिए गए ऋण की सूची।

क्रमांक	पंचायत का ना	खंड का नाम	रा ि ा	उद्दे य
जिला सिरसा				
1	चुटाला	डबवाली	10000/–	दुकानें बनाने के लिये
2.	बैदवाला	सिरसा	10000/–	टयूबवैल लगाने के लिये
जिला हिसार				
3	सहनात	रतिया	10000/–	टयूबवैल लगाने के लिये
4	भरसूल खुर्द	टोहाना	10000/–	टयूबवैल लगाने के

				लिये
जिला सोनीपत				
5	रोहट	खरखौदा	10000/–	दुकानें बनाने के लिये
6	कसन्डी	गोहाना	10000/–	टयूबवैल लगाने के लिये
जिला करनाल				
7	चिड़ाओ	निसिंग	10000/–	दुकाने बनाने के लिए
8	भाहर मालपुर	संभालखा	10000/–	टयूबवैल लगाने के लिए
जिला अम्बाला				
9	बरनाला	अम्बाला	10000/–	टयूबवैल लगाने के

				लिए
10	जन्डहेडी	अम्बाला	10000/–	टयूबवैल लगाने के लिए
जिला भिवानी				
11	बिलावल	बाडढ़ा	10000/–	पम्पिंग सैट लगाने के लिए
12	दीघवांजटां	लोहारू	10000/–	पम्पिंग सैट लगाने के लिए
जिला जीन्द				
13	दूमडा	कलायत	10000/–	टयूबवैल लगाने के लिए
14	खटकड़	उचाना	10000/–	दुकानें बनाने के लिए

जिला रोहतक				
15	बसन्तपुर	रोहतक	10000/–	टयूबवैल लगाने के लिए
16	बलियाला	रोहतक	10000/–	टयूबवैल लगाने के लिए
जिला गुड़गांव				
17	उजीना	नूंह	10000/–	दुकानें बनाने के लिए
18	डन्डाहेड़	गुड़गांव	10000/–	दुकानें बनाने के लिए
जिला कुरुक्षेत्र				
19	मोहड़ी	भााहाबाद	10000/–	दुकानें बनाने के लिए
20	छपरा	भााहाबाद	10000/–	टयूबवैल लगाने के

				लिए
		कुल जोड़	200000/–	

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Shifting of Haryana State Electricity Board Offices from Chandigarh to Hissar

***264. Master Shiv Parshad:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the expenditure incurred on shifting Haryana State Electricity Board to Hissar together with the amount of T.a. given to the employees;

(b) the total number of employees transferred from Chandigarh to Hissar togetherwith the arrangement made for their accommodation; and

(c) whether adequate accommodation has been provided for the office on shifting from Chandigarh to Hissar; if not, the name of the place where the work is being done at Hissar ?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(क)	(1)	स्थानान्तरण पर हुआ खर्चा (केवल अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता का कार्यालय अभी तक हिसार ले जाया गया है ।)	64955 रुपए
	(2)	कर्मचारियों को दिया गया भत्ता	70133 रुपए

(ख)	(1)	स्थानांतरित किये गये कर्मचारियों की संख्या	161
	(2)	प्रारम्भ में कर्मचारियों को अकेले ठहरने की जगह दी गई। कुछ कर्मचारियों ने अपनी हकदारी के अनुसार जगह प्राप्त कर ली है। उनसे उनके वेतन का 10 प्रति ात मकान किराये के रूप में वसूल किया जा रहा है और उनको अनुमोदित निर्धारित किराये की अदायगी की जा रही है।	
(ग)		जी हां। मिनी सैक्रिटेरियेट भवन में पर्याप्त स्थान उपलबध कर दिया गया है।	

Murthan Water Supply Scheme

***272. Master Shiv Parshad:** Will the Minister for Public Works be pleased to state-

(a) whether the work on Murthal Water Supply Scheme for the supply of water to the Municiapl Committee, Sonepat, has been started; if so, the time by which it is likely to be completed; and

(b) the time by which the work on the Naggal Lift Scheme for the supply of drinking water to Ambala City is likely to be started ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री लछमन सिंह):

(क) हां, इसके 30–6–1979 तक पूर्ण होने की सम्भावना है।

(ख) नग्गल लिफ्ट सिंचाई योजना के दो चरण हैं। पहले चरण का कार्य दिसम्बर 1975 में आरम्भ किया गया था और जिसके जुलाई 1979 तक सम्पन्न होने की सम्भावना है। जहां तक इस योजना के दूसरे चरण यानि पंजोकड़ा माईनर का सम्बन्ध है, इस चरण का अभी तक प्र ाासकीय अनुमोदन नहीं हुआ है। नग्गल लिफ्ट सिंचाई योजना के दोनों चरण सतलुज यमुना लिंक परियोजना से पानी का सप्लाई पर आधारित हैं जो कि पंजाब में बनाये जाने वाले फीडर सिस्टम से पानी प्राप्त करेंगे। अतः इस समय नग्गल लिफ्ट सिंचाई स्कीम के पूर्ण हाने की कोई नि चत तिथि का आ वासन नहीं दिया जा सकता।

इस समय अम्बाला भाहर की जनसंख्या लगभग 102000 हैं अब 14.00 लाख गैलन पानी नगर को प्रतिदिन सप्लाई किया जाता है जो कि प्रति व्यक्ति प्रतिदिन लगभग 14 गैलन बनता है। इस समय 23.37 लाख रुपए के अनुमान के अधीन कार्य किया जा रहा है और इस अनुमान का कार्य पूर्ण होने पर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी की सप्लाई 20 गैलन हो जायेगी। इसके अतिरिक्त

नग्गल लिफ्ट योजना पर आधारित जल वितरण योजना के सम्पन्न होने के प चात प्रति व्यक्ति प्रतिदिन सप्लाई 40 गैलन हो जायेगी।

Standard prescribed for H.C.S. (Judicial) examination

***273. Ch. Peer Chand:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the standard prescribed for passing the H.C.S. (Judicial) examination at present and the standard prescribed for passing the said examination at the time when the State of Haryana came into being;

(b) the number of persons who have been declared pass in the said examiniation helf since 1971 to date; and

(c) whether all the persons as referred to in part(a) above have been appointed; if so, the percentage of the persons belonging to Scheduled Castes amongst them ?

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल):

(ए) दिनांक 6—6—1974 से वर्तमान स्थिति यह है कि एच0सी0एस0 (न्यायिक भााखा) की परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने के लिए सभी पेपरों के कुल अंकों में से जिसमें मौखिक परीक्षा के अंक भी भाामिल हैं, निर्धारित अंक 55 प्रति ात प्राप्त करने होते हैं किसी भी उम्मीदवार को मौखिक परीक्षा के लिये नहीं बुलाया

जाता जब तक कि वह सभी लिखित पेपरों में कुल 45 प्रति ात अंक तथा हिन्दी भाशा (देवनागरी लिपि) के पेपर में 33 प्रति ात अंक प्राप्त नहीं करता। हरियाणा राज्य बनने से लेकर 5–6–1974 तक जब इन नियमों को सं ाोधित किया गया था। एच0सी0एस0 (न्यायिक भााखा) की परीक्षा पास करने के लिये भाशा अर्थात हिन्दी भाशा (देवनागरी लिपि) के पेपर में 33 प्रति ात अंक तथा सरे पेपरों के कुल अंकों का जोड 45 प्रति ात अंक प्राप्त करना अनिवार्य था। किसी भी उम्मीदवार को किसी पेपर में 33 प्रति ात से कम अंक प्राप्त करने का लाभ नहीं दिया जाता था।

(बी)	1974	1976	1978
	12	22	परिणाम को अभी अन्तिम रूप नहीं दिया गया।

(सी) वर्श 1974 और 1976 में एच0सी0एस0 (न्यायिक भााखा) की परीक्षा के परिणामरूवरूप 34 उम्मीदवारों को नियुक्ति के लिए सफल घोशित किया गया था इनमें से 30 उम्मीदवारों को एच0सी0एस0 (न्यायिक भााखा) में नियुक्त किया गया था। अनुसूचित जाति से सम्बंधित केवल एक ही उम्मीदवार को 1976 की परीक्षा में नियुक्ति के लिये चुना गया परन्तु उसने कार्यभार नहीं सम्भाला।

***275. Comrade Shankar Lal:** Will the Minister for Cooperation and Dairy Development be pleased to state-

(a) the names of the registered Trade Unions in the State as on 31-12-1978; and

(b) the number of members of the said Trade Unions separately, together with the names of the Federation on All India level to which those are affiliated ?

Co-operation and Dairy Development Minister

(Ch. Bhajan Lal):

(a) and (b) The statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Sr. No.	**Name of Trade Union**	**Member ship**	**Affiliation**
1	Kendriya Rajya Farm Workers Union, Hissar	106	INTUC
2	Military Farm Employees Union, Ambala Cantt.	24	AIDEF
3	Equine Breeding & Civilian Workders, Union, Hissar	120	AIDEF
4	N.M.D.C. Employees Union III/20 M.L.N.	Not available	

	Colony, N.I.T. (National Mineral Development Corporation Faridabad.		
5	Govt. of India Press Workeres Union, Faridaba (Bharat Sarkar Mudralaya Karamchari Sangh, Faridabad)	515	BMS
6	Govt. of India Press Workers Union, Nilokheri.	364	INTUC
7	Govt. of India Press Employees Union, Nilokheri	311	BMS
8	H.M.T. Karmik Sangh, Pinjore	3611	
9	Railway Venders Union, Rly. Road, Gurgaon	Not available	
10	Indian Oil (R&D) Employees Association C/o Indian Oil Corpn. Ltd., R&D Centre, Sector 13, Faridabad	Do	
11	Postal & RM.S. Bank Employees Association, Ambala Cantt	Do	

12	The Employees Association of Postal and R.M.S. Employees Coop. Bank, Ambala Cantt.	Do	
13	Central Bank of India Employees Association, Ambala Cantt.	Do	
14	Central Bank of India Employees Union, Ambala Cantt.	826	AIBEA
15	Punjab National Bank Employees Union, Dass Market, Rly. Road, Rohtak	1079	AIBEA
16	Defence Civilian Employees Union, 3484, Opp. Police Station, Ambala Cantt.	25	AIDEF
17	Cantt. Board Workers Union, 3498 Timber Market, Ambala Cantt.	Not available	
18	Cantt. Fund Employees Association, 2744, Sardar Bazar, Ambala Cantt.	31	
19	M.E.S. Workers Union, 3484, Sadar Bazar,	Not available	

	Ambala Cantt.		
20	Air Force Civilian Karamchari Union, Rly. Road, Gurgaon	210	BMS
21	The Luxmi Commercial Bank Employees Union, Ram Niwas, Sri Nagar Colony, Jagadhari	Not available	
22	Land Mortagage Bank Employees Union c/o Haryana State Land Mortgage Bank Ltd., Ambala City.	Do	
23	The Central Coop. Bank Employees Association, H.No. 2018, Rori Bazar, Sirsa.	Do	
24	Central Coop. Bank Employees Union, Jail Road, Gurgaon	98	
25	Central Coop. Bank Employees Union, Jhajjar Road, Rohtak	Not available	
26	The Central Coop. Bank Employees Association	51	

	Karnal		
27	Haryana Agro Farm Employees Union, H.No. 17, Mohalla Ahira, Near Livestock Farm, Hissar	300	CITU
28	Govt. Livestock Farm Employees Union, Mill Road, Near Tempo Stand, Hissar.	Not available	
29	N.D.R.I. Employees & Workmen Union Mazdoor Manzil, Karnal	Do	
30	Progency Testing Farm Workers Union, Hissar	110	
31	Equine Breeding & Civilian Workers Union Nagori Gate, Hissar	Not available	
32	I.A.R.I. Employees & Workmen Union, Karnal	39	INTUC
33	H.D.D.C. (Milk Plant) Workers Union, 214 Durga Nagar, Ambala City.	Not available	
34	Haryana Brewaries Workers Union, Opp.	Do	

	Aggarwal Dharamsala, Sonepat.,		
35	Haryana Tenneries Employees Union, Hansi Raod, JInd	Do	
36	Haryana Poly Steel Workers Union, B-19, Power House Colony, N.I.T., Faridabad	313	CITU
37	Faridabad Power House Workers Union, B-19, Power House Colony, N.I.T., Faridabad	Not available	
38	Haryana Bijli Board Karamchari Parishad C/o B.M.S. Mahabir Road, Faridabad	1990	BMS
39	HMITE Workers Union 214, Durga Nagar, Hissar Road, Amabala City.	Not available	
40	The HSEB Diploma Holder Association, Subhash Gate, House No. B-10, Karnal	Do	
41	Haryana Rajya Bijli Board Karamchari Sangh, Ram		

	NIwas Building, Sadar Bazar, Karnal		
42	HSEB Workers Union, Nagori Gate Hissar		
43	Municipal Committee Water Supply Workers Union, Faridabad	Not available	
44	Fourth Class Canal Employees Union, Near Bharat Cinema, Jind	664	HMS
45	Haryana Tubewell Operator Union, H.No. D-K25, Mohalla Patwar, Karnal	Do	
46	Haryana MITC Engg. Staff Association D.K. 25, Mohallat Patwar, Karnal	Do	
47	Municipal Water Supply Employees Union, Sharam Shivar Workshop Road, Yamunanagar	Do	
48	Water Works Workers Union, Municipal Committe, H.No. 4573/3, Near Hari Mandir, Ambala	Not available	

	City.		
49	Teh Employees and Workers Union of the Ambala Central Coop. Consumer Store, Ltd. H.NO. 245, Lal Kurti, Ambala City.	Do	
50	Haryana Roadways Workers Union, Rohtak.	Do	
51	Haryana Warehousing Coop. Employees Association, Panipat.	373	
52	Sonepat Central Coop. Bank Employees Union, 2/216, Kath Mandi, Sonepat	132	CITU
53	Coop. Bank Employees Association, Near Rly. Station, Hissar	Not available	
54	Haryana State Coop. Marketing Federation Employees Union, Ambala Cantt.	125	HMP
55	Municipal Employees Union, Jagadhri.	19	

56	Municipal Subordinate Union, Yamunanagar	60	BMS
57	Municipal Subordinate Federation, Ambala City.	Not available	
58	Nagarpalika Karamchari Sangh, Jagadhri.	250	BMS
59	Ambala City. Cantt. Board Karamchari Sangthan, Ambala Cantt	Not available	
60	Municipal Employees Union, C/o Gurucharan Dass, Kalka	Do	
61	Municipal Suboridante Union, C/o KUndan Lal Sharma, Islamia School, Sadhora	25	BMS
62	Amabal Nagarpalika, Karamchari Union, Kalibari Sadar Bazar, Ambala Cantt.	Not available	
63	Faridabad Development Board Clerk Association, Faridabad	Do	
64	Municipal Subordinate Service Federation	Do	

	Khatanwara, Faridabad		
65	Nagarpalika, Karamchari Sangh, Faridabad	508	BMS
66	Municipal Committee Workers Union, IA 90, Faridabad	Not available	
67	Nagarpalika, Karamchari Sangh, Sohna	Do	
68	Nagarpalika, Karamchari Sangh C/o Jagdish Chander Goyal, Mohalla Jatwara, Sonepat	Do	
69	Govt. Medical Store Depot. Workers Union, C/o11, Civil Line, Karnal	Do	
70	Govt. Medical Store Depot Employees Union, Mazdoor Manzil, Sant Nagar, Karnal	150	INTUC
71	Haryana Govt. PWD Mechanical Workers Union, Charkhi Dadri.	2967	
72	All Haryana PWD Workers Union, H.No. 4520, Sabzi Mandi, Ambala Cantt.	Not available	

73	Janata Haryana PWD Workers Union, H.No. 881, Purani Mandi, Karnal	Do	
74	Municipal Employees Union, Mohindergarh.	12	
75	Municipal Employees Union, Bus Stand, Narnaul.	Not available	
76	Nagarpalika, Karamchari Sangh, H.No. 6053, Mohalla Khasapur, Rewari.	Not availabl	
77	Municipal Karamchari Sangh, Mohalla Tejpura, Gokal Gate, Rewari.	54	
78	Municipal Karamchari Sangh, Bhiwani.	83	NLO
79	Municipal Employees Union, INTUC, 3217, Charkhi Dadri.	Not availabl	
80	Municipal Employees Lower Grade Staff Union, Hansi.	73	
81	Municipal Employees	77	

	Union, Nagori Gate, Hissar		
82	Nagarpalika, Karamchari Sangh, 351-B, Hissar	Not availabl	
83	Municipal Employees Union, Sirsa.	Do	
84	Palika Karamchari Sangh, Sirsa.	Do	
85	Municipal Karamchari Sangh Association, C/o Jai Kumar Driver, Engg. College, Kurukshetra, Thanesar.	Do	
86	Municipal Employees Workers Union, C/o Dev Raj, Octroi Supdt. Pehowa.	120	BMS
87	Municipal Subordinate Union, Radaur.	23	
88	Municipal Karamchari Union, C/o Goyal Boot House, Main Bazar, Kaithal.	118	BMS
89	Distt. Municipal Subordinate Union,	NA	

	Shyam Nagar, Karnal		
90	Municipal Karamchari Union, C/o Nathu Ram, Advocate, Karnal	318	BMS
91	Adarsh Union, Municipal Karamchari c/o BMS Office, G.T. Road, Panipat.	215	BMS
92	Nagarpalika, Karamchari Union, Main Bazar, Jind.	77	BMS
93	Faridabad Fire Service Employees Union, Fire Station, NIT, Faridabad	10	
94	Municipal Safai Karamchari Sangh Workshop Road, Yamunanagar	140	INTUC
95	Cantt. Board Sweeper Union, 328/2 Sadar Bazar Ambala Cantt.	Not available	
96	Ambala Municipal Safai Mazdoor Ekta Union, Double Storey, Ram Nagar, Ambala City.	Do	
97	Nagarpalika, Safai	Do	

	Mazdoor Union, H.No. 142 Model Colony, Yamunanagar		
98	Municipal Safai Mazdoor Union, H.No. 130 Mahabari, Thanesar.	Do	
99	Municipal Employees Union, and Sweeper Union, Meham	32	
100	Khetihar Mazdoor va Kissan Sangh, Bhiwani.	4255	NLO
101	Haryana Khet Mazdoor Union, G.T. Road, Panipat.	2700	All India Agricultural Workers Union
102	Haryana Kheta Mazdoor Federation, W-III, No. 506, Rohtak.	32839	UTUC
103	Haryana Khetihar Congress Sharm Shivar Workshop road, Yamunanagar	Not available	
104	Haryana Krishi Workers Union, 214 Durga Nagar, Ambala City.	Do	

105	Khan Mazdoor Sangh, Vill. Khativas P.O. Charkhi Dadri, Bhiwani.	Do	
106	The Akhil Bhartiya Mazdoor Shora Association, Rewari	Do	
107	Haryana Milk Food Employees Union, Foji Ward No. 5, Madan Shali Gurudwara, Pehowa.	106	AITUC
108	Karnal Rice, Oil, Cotton & Flour Mills Workers Union, Karnal	10	
109	Kaithal Mazdoor Union, Amargarh, Kaithal.	Not available	
110	Saraswati Sugar Mills, Mazdoor Union, Yamunanagar	440	INTUC
111	Saraswati Industrial Syndicate Workers Union, C/o Pt. Madhusudan, Jagadhri.	120	
112	Sugar Mill Labour Union, Yamunanagar	169	BMS
113	Sugar Mill Karamchari	200	INTUC

	Union, B-16, Dharamvir Colony, Sugar Mills, Panipat.		
114	The Panipat. Sugar Mills Mazdoor Sabha H.No. 24, W. NO. 12, Kishanpura, Panipat.	Not available	
115	Sugar Mills Mazdoor Sangh C/o BMS Office Pachranga Bazar, W.No. 9, H.NO. 923, Panipat.	602	BMS
116	Haryana Coop. Sugar Mill Mazdoor Union, Circular Road, Rohtak.	Not available	
117	Radaur Cane Growers Coop. Society Karamchari Union, Radaur.	24	
118	Oil & Flour Mills Labour Union, Gali Dakhanwali, Rohtak.	Not available	
119	B.D. Ice Factory Labour Union, Ambala	7	
120	Bharat Starch Mills Labour Union, Starch Mill Colony, Yamunanagar	100	INTUC

121	Bharat Starch and Chemical Workers Union, Yamunanagar	140	BMS
122	Haryana Distillery Employees Union, C/o 21 M.Modi Mill, Yamunanagar	40	INTUC
123	Modi Mill Workers Union, Yamunanagar	Not available	
124	Panipat Sugar Mills & Distillery Janata Mazdoor Sangh, Panipat.	Do	
125	Bidi Cigeratte Salesman Union, Ambala Cantt.	Do	
126	Textile Mazdoor Union, 18/64 NIT, Faridabad	Do	
127	Usha Spinning and Weaving Mills, Mazdoor Union, Mathura Road, Faridabad	Do	
128	Kapra Mill Mazdoor Union, NIT, Faridabad	Do	
129	Textile Labour Union, Association, Industrial Area-90, NIT, Faridabad	Do	

130	Textile Workers Union, Gurgaon.	100	INTUC
131	Textile Mazdoor Sangh, Faridabad	4460	BMS
132	Textile Mill Mazdoor Union, H.No. 214, 4 Marla Colony, Gurgaon.	300	AITUC
133	Elson Cotton Mill Mazdoor Union, Ballabgarh.	Not available	
134	Suti Mill Mazdoor Union, 2/21 Gopi Colony, Faridabad	426	CITU
135	The Bengal National Textile Karamchari Union, I.A. 54, NIT, Faridabad	Not available	
136	Jawala Textile Mills Mazdoor Sangh, Sadar Bazar, Gurgaon.	500	BMS
137	Distt. General Textile Union, NIT, Faridabad	Not available	
138	Delhi Faridabad Textile Mazdoor Union, 97 Ahirawara, Ballabgarh.	Not available	

139	Textile Mazdoor Sangh, Panipat.	700	BMS
140	Khadi Karamchari Sangh, W.No. 1, Kishanpura, Panipat.	110	BMS
141	TIT Karamchari Sangh, Lohar Bazar, Bhiwani.	2222	NLO
142	Textile Mazdoor Sangh, Bhiwani.	1692	NLO
143	Mazdoor Sabha, Bhiwani.	Not available	
144	Vaster Udyog Mazdoor Sangh, 116 Labour Colony, Bhiwani.	657	BMS
145	Kapra Mill Mazdoor Sangh, 116 Labour Colony, Bhiwani.	1702	BMS
146	BTM Staff Union, 116 Labour Colony, Bhiwani.	40	BMS
147	Textile Karamchari Sangh Bhiwani.	Not available	
148	HTM Workers Union, 91 HTM Colony, Hissar,	Do	
149	Hissar Textile Mazdoor	Do	

	Sangh, Q.No. G-94, HTM Colony, Hissar		
150	Distt. Textile Workers Union, Hissar.	Do	
151	Mazdoor Hitkari Mandal Mill Colony, Hissar	461	AITUC
152	Lal Jhanda Kapra Mazdoor Union, inside Nagori Gate, Hissar	650	CITU
153	HTM Mazdoor Union, Q.No. 54-C, HTM Workers Colony, Hissar	Not available	
154	Gopi Chand Textile Mazdoor Sangh, Sirsa.	400	
155	Mohan Spinning Mill, Mazdoor Sabha, Sugar Colony, Rohtak.	300	
156	Mohan Spinning Mills, Mazdoor Sabha, Rohtak.	200	AITUC
157	Janta Textile Mazdoor Sangh C/o Shri Gurdial Singh Ratana, H.No. 19, Behind Vesh College, Rohtak.	393	BMS

158	Modi Textile Corpn. Mazdoor Union, Village & P.O. Rai, Sonepat	Not available	
159	Textile Workers Union, 2/216 Kath Mandi, Sonepat	130	
160	Kapra Udyog Karamchari Union, Sonepat	Not available	
161	Engg. & Textile Workers Union, Panipat.	950	AITUC
162	The Wool Khadi Workers Union & Labour Colony, IA Panipat.	310	AITUC
163	Endee Woolen & Silk Mills Mazdoor Union, Faridabad	Not available	
164	Bharat Carpet Workers Union, Faridabad	Do	
165	Bharat Carpet Karamchari Union, IA 119 NIT Faridabad	Do	
166	Minica-India Employees Union, D.B. 97, Ahirwara W.No. 2, Ballabgarh.	Do	

167	Ara Mazdoor Sangh C/o INder Sein, Devi Bazar, Yamunanagar	280	BMS
168	Gurgaon Distt. Wood Workers Union, Badri Niwas,Rly. Road, Gurgaon.	Do	
169	Saw Mills and Wood Workers Union, Ekta Bhawan, NIT, Faridabad	220	AITUC
170	The Punjab Business Supply Co. Workers Union, Sharam Shivar Workshop Road, Yamunanagar	132	HMS
171	Shri Gopal Paper Mills Labour Union, Yamunanagar	1462	INTUC
172	Shri Gopal Karamchari Union, C/o Inder Sein. Devi Bazar Jagadhri Road, Yamunanagar	120	BMS
173	Faridabad Paper & Stationery Workers Union, IF 25, NIT, Faridabad	125	AITUC

174	Bharat Carbon Ribbon and Murari Paper Mills Workers Union, Faridabad	315	BMS
175	Bharat Carbon Ribbon Workers Union, Faridabad	Not available	
176	Indo-Box and Closures Workers Union, H-55, Press Colony, Faridabad	Do	
177	Press Karamchari Union, Anaj Mandi, Ambala Cantt.	21	
178	Panchkula Printing Press Workers Union, Panchkula	Not available	
179	Thomson Press Sharamik Sangh, Faridabad	Do	
180	Thomson Press Workers Union, Faridabad	Do	
181	Printers House Mazdoor Union, Ballabgarh.	Do	
182	Press Workers Union, Rohtak.	75	BMS

183	Karnal Leather Workers Union, Karnal	Not available	
184	Bata Shoe Workers Union, Shop No. 148-49 Tikona Park, Faridabad	700	AITUC
185	Bata Karamchari Sangh near Adarsh Dharam Kanta, NIT, Faridabad	670	BMS
186	General Rubber Co. Mazdoor union, IA 90, Faridabad	Not available	
187	Superseals Employees Union, IA 16, Mathura Road, Faridabad	265	INTUC
188	Rubber Industries, Mazdoor Sangh, Faridabad	775	BMS
189	Rubber Workers Union, Rly. Road, Gurgaon.	Not available	
190	Good Year Employees Union, Ballabgarh.	1005	INTUC
191	Radhika Rubber Karamchari Union, 2H-116, Faridabad	Not available	

192	Dabur Employees Union, IE 61 NIT, Faridabad	Do	
193	Consolidated Plastic Mazdoor Union, Ahirwara, B-57, Ballabgarh.	12	
194	Neuchem Employees Union, 54 NIT, Faridabad	256	BMS
195	Chemical construction Co. Workers Union, Faridabad	Not available	
196	Chemical Workers Union, 2/216, Kath Mandi, Sonepat	500	
197	Chemical Industries Employees Union, C/o Shri Amar Singh Sharma in front of Govt. Girls Middle School No. 1, NIT, Faridabad	461	NLO
198	Bhandari Chemical Karamchari Sangh Faridabad C/o BMS near Adarsh Dharam Kanta, Faridabad	30	BMS
199	Hindustan Gum and Chemical Mazdoor Union,	80	BMS

	Sangh, 116 Labour Union, Bhiwani.		
200	Bhatta Mazdoor Union, Yamunanagar	242	CITU
201	Bhatta Mazdoor Union, near Rly. Workshop, Jagadhri.	265	CITU
202	Bhatta Workers Union, Rly. Road, Gurgaon.	Not available	
203	Hindustan Vaccum Glass Workers Union, IA 22, NIT, Faridabad	Do	
204	Glass and Ceramics Workers Union, Faridabad	150	AITUC
205	Hindustan National Glass Karamchari Sangh, Bahadurgarh.	133	BMS
206	HNG Mazdoor Union, Rohtak Road, Bahadurgarh.	305	INTUC
207	Hitkari Brothers Mazdoor Union, Faridabad	458	NLO
208	Potteries Workers Union,	Not	

	Rly. Road, Gurgaon.	available	
209	Potteries Mazdoor Union, Sangh C/o BMS Sadar Bazar, Gurgaon.	Not available	
210	Bahadurgarh. Potteries General Labour Union, Bahadurgarh.	611	NLO
211	Bahadurgarh Potteries Workers Union, Nihal Bhawan, Jhannar Road, Bahadurgarh.	Not available	
212	Hindustan Tyford Workers Union, Plot No. 43, Lal Chand Colony, Bahadurgarh.	556	INTUC
213	Somani Pilkington (P) Ltd. Workers Union, Kassar (Bahadurgarh)	256	NLO
214	Somani Pilkington Mazdoor Union, Sangh, Kassar	Not available	
215	BC Workers Union, Surajpur	480	AITUC
216	BC Karamchari Union, P,O. BCW, Surajpur	610	INTUC

217	Mahila Quary Workers Union, Malla, Pinjor	610	INTUC
218	Chandi Mandir Workers Union, Q-A-3-F-10 BCW, Surajpur.	Not Available	
219	Bhupindra Cement Mazdoor Ekta Union,C/o Shri Gurbaksh Singh I Type Quarter No. B-42, Surajpur	250	
220	Dalmia Dadri Cement Factory Men's Union, Charkhi Dadri.	1650	INTUC & INCCWE
221	Cement Workers Union, Charkhi Dadri.	118	INTUC
222	Cement Udyog Kagar Sanh, C/o Pt. Nandya Pakkar Dutt Charkhi Dadri.	978	BMS
223	Hyderabad Asbestos Cement Products Employees Union, Ballabgarh.	620	INTUC
224	Spun Pipe Workers Union, 29-IA, Faridabad	Not Available	

225	Hyderabad Asbestos Karamchari Sanhg Shop 9, Mohna Road, Ballabgarh.	Do	
226	Bhushan Industries Corpn. & Spun Pip;e Workers Union, Chandimandrir (Ambala)	Do	
227	Pipe Construction Workers Union, House of Unity, PO, BCW Surajpur	Do	
228	Haryana Spun Pipe Factory Workers Union, D.K. Mohalla Patwar, Karnal	Do	
229	Kay Iron Workers Union, Yamunanagar	80	
230	Distt. Iron and Steel Workers Union, 214, Durga Nagar, Ambala Cantt.	Not Available	
231	Ashoka Alloys Steel Workers Union, Baldev Nagar, Ambala Cantt.	Do	
232	Orient Steel Workers Union, INTUC, Market	Do	

	No. 2, Faridabad		
233	Avon Service Employees Union, Ballabgarh.	56	BMS
234	Northern India Employees Union, W.No. 2, Ballabgarh.	Not Available	
235	Partap Workers Union, Chawla Colony, Ballabgarh.	Do	
236	Partap Steel Employees Union, DB No. 97, Ahirwwaraa, Ballabgarh.	30	
237	Usha Rectifier Workers Union, C/o Usha rectifier Corpn. India, Faridabad	Not Available	
238	Oswal Steel Employees Union, C/o Sh. Chattar Singh, near Mahadev Madnir, Chawla Colony, Ballabgarh.	Do	
239	Dabriwala Steel Employees Union, C/o Tarlok Chand Gupta, Chawla Colony, Ballabgarh.	Do	

240	Orient Steel and Inudstries Employees Union, 2 No. Pakki Market C/o Shri Gajinderpal Ex. M.C. Faridabad	Do	
241	H.S.A. Mazdoor Union, Murthal C/o No.. 118, Industrial Colony, Sonepat	Do	
242	Loh Udyog Karamchari Sangh, Bahadurgarh.	340	BMS
243	The Sampla Iron and Foundary General Labour Union, Sampla	Not Available	
244	Sampla Industire3s Workeers Union, B Shivaji Colony, Rohtak	Do	
245	The Jindal Tube Factory Worker Union, Hissar	74	
246	Jindal Strips Factory Workers Union, Satroad Road, Hissar	234	
247	Metal Karamachari Sangh Jagadhri	250	BMS

248	Jagadhri Metal Mazdoor Sabhad Jagadhari	450	
249	Metal Workeer Union Rly. Road, Jagadhri	Not Available	
250	Hindustan Ko-Ko-Ku Wires Workers Union, Faridabad	Do	
251	Bhaskar Workers Union Faridabad	Do	
252	Metal Box Employees Union, Faridabad	499	INTUC
253	Metal Box Montly rated Staff Association, Faridabad	Not Available	
254	Elofic Industries Mazdoor Union, Faridabad	Not Available	
255	Mottern Industries Worker Union, Shati Bhawan, Faridabad	41	INTUC
256	Industrial Workers Union, Faridabad	405	AITUC
257	Bhai Sunder Dass Employees Union Faridabad	105	

258	Goel Industrial Corporation Mazdoor Union, N.I.T. Faridabad	Not Available	
259	Excellsior Plant Corpn. Employees Union, 90 Gajinder Pal Ex-MC Market Colony, Faridabad	Do	
260	Jotindra Steel & Tubes Employees Union, NIT Faridabad	Do	
261	Auto Metal and Agro Workders Union 5-B/37 NIT Faridabad	Do	
262	J.M.A. Industries Employess Union, 14/6 Mathura Road, Faridabad	Do	
263	Indusrial Workers Union, G.T. Road, Panipat	226	CITU
264	Indusrial Workers Union, Lohar Bazar, Bhiwani	333	NLO
265	Indusrial Workers Union, 238/8 Shivaji Colony, Rohtak	Not Available	
266	Bahadurgarh Engg. Mazdoor Sangh, C/o Shri	Do	

	Om Parkash Gupta, Gandhi chowk, Mandhoti Darwaza Bahadurgar		
267	B.S.T. Mazdoor Sangh, Ganaur	300	INTUC
268	B.S.T. Karamchari Union, Ganaur	Not Available	
269	Gedore Tools Workder Union, Opp. Agarwqal Dharamshala, Sonepat	Do	
270	General Engg. Workers Union, Sonepat	Do	
271	Agarwal Metal Karamchari Union, Rewari	308	
272	Kirloskar Oil Engine Union NIT, Faridabad	Not Available	
273	Chanderpur Works Workers Union C/o Mohan Lal Chanderpur Works, Yamunanagar	Do	
274	Frick India Workers Union, Faridabad	Do	
275	Frick India Employees Union, 9-H-54 NIT	Do	

	Faridabad		
276	Kelvinator of India Employees Union C/o INTUC Office Govt. Middle Girsls Sec. Schoool, NIT Faridabad	Do	
277	Amiteep Workers Union C/o INTUC Shanti Bhawan, Faridabad	130	AITUC
278	General Engg. Mazdoor Union, I.A. C/o NIT Faridabad	200	INTUC
279	Hardware Mazdoor Sangh, Faridabad	102	BMS
280	Gedore Mazdoor Sangh, Faridabad	1950	BMS
281	Factory Workers Union C/o BMS Office H. No. 214, 4 Malra Colony, Gurgaon	250	AITUC
282	Eicher Tractors Employees Union, Faridabad	Not available	
283	Usha Telehoist Employees Union, Faridabad	Do	

284	Engg. Mazdoor Unio, H.No. 2, BMS Office Faridabad	2710	BMS
285	Dhanda Engg. Workers Union Plant-2, Faridabad	201	
286	Faridabad Engg. Workers Union nerar Syndicate Bank Faridabad	1700	AITUC
287	Engg. Mazdoor Union, Badri Niwas, Rly. Road, Gurgaon	Not available	
288	Escorts Employees Union, Mathura Road, Faridabad	300	AITUC
289	All Escorts employees Union, NIT, Faridabad	610	AITUC
290	Engineering Mazdoor Sangh, Char Marla Colony, Gurgaon	Not available	
291	Federation of Escorts Employees, E-41, Jawahar Colony, Faridabad	Do	
292	K.g. Khosla Workers Union, Aurangapur, Faridabad	200	NLO

293	Gedore Workers Union, NIT, Faridabad	2001	
294	Gurgaon Engineering Workders Union, H.NO. 214, Char Marla Colony, Gurgaon	200	AITUC
295	Gedore Tools Emplooyees Unions, Mathura Road, IA Faridabad	Not available	
296	Bico Engineering Employees Union, INTUC Faridabad	Do	
297	District General Engg. Employees Union, I.A. N.I.T. Faridabad	Do	
298	United Oils Mills Machinery Workers Union, M.r. Faridabad	Do	
299	Taylor Instrument Co. Employees Union, N.I.T. Faridabad	172	INTUC
300	Ply Cast Workeres Union, B-97, Phir Wara, Faridabad	Not available	
301	Bulbs Workers Union,	60	CITU

	Faridabad		
302	Ballabgarh Eneral Employees Union, Ballabgarh.	Not available	
303	Olympus Employees Union, Saraikhawaja 124 M. Raoad P.O. Amar Nagar, Faridabad	Do	
304	Print pak Employees Union, Link Road, Faridabad	52	CITU
305	D.G.I. Employees Union, N.I.T., Faridabad	23	INTUC
306	Glob Steel Employees Union, Ballabgarh	Not available	
307	Ph. Inudustrial mazdoor Union, G.B. 97 W.No. 2, Ahirwara, Ballabgarh	Do	
308	General Engg. Employees Union, C/o Shri Amar Singh Sharma Opp. Girls Middle School No. 1, N.I.T., Faridabad	947	NLOI
309	Luxmi Rattan Engineering Workers Union, C/o	Not available	

	INTUC 179-A, Tikona Park, H.No. 1, Faridabd		
310	Gedore Staff Association C/o Gedore Tools India (P) Ltd. N.I.T., Faridabad	Do	
311	Engineering Workers Union, Gali Dakhana, Basant Bhawan, Rohtak	Do	
312	Adarsh Udyogic Karamchari, Rohtak	350	BMS
313	Hindustan Devidutt Workers Union, Jatheri	Not available	
314	Hindustan Devidutt Mazdoor Union, Jatheri	65	BMS
315	Engineering Mazdoor Union, Gita Bhawan, Sonepat	448	BMS
316	Beas Mazdoor Union, INTUC Bhawan, Bus Stand, Sonepat	Not available	
317	Hindustan Everest Tools, Yuva Kamgar Congress, Near Hindustan Everest Tools, Jatheri P.O. Rai	Do	

318	Mazdoor Ekta Union, Nagori Gate, Hissar	630	AITUC
319	Saraswati Engineering Works Workers Union, Yamunanagar	340	INTUC
320	Indo Workers Union 3671/1 Kalibari, Ambala Cantt.	Not available	
321	Jai Forgings Labour Union, C/o Jai Gorgingss, B-41, I.A. Yamunanangar	Do	
322	Karnal Mechanical & General Labour Union, Jullan Mohalla Karna,	450	BMS
323	Avery Factory Workers Union, Housing Board Colony, Faridabad	Not available	
324	Cutler Hammer Employees Union, Ballabgarh	Do	
325	Cutler Hammer Mazdoor Union, Ballabarh	Do	
326	Orient General Industries Workers Union, Faridabad	Do	

327	Dujodwala Industries Workeres Union, M.R., Faridabad	Do	
328	Delton Cable Employees Union, 2/21 Gopi Colony Faridabad	Not available	
329	Indian Aluminium Cable Employees Union, C/o Vaidji Ka Makan P.O. Amar Nagar	Do	
330	Hindustan Wires Employees Union, C/o Sh. Gainder Paul Ex-M.C., No. 2, Pakii Market Faridabad N.I.T.	Do	
331	Skytone Worker Union, 2-H/13, N.I.T., Faridabad	Do	
332	Industrial Cables (P) Ltd. Wrokers Union C/o Inder Singh V.P.O. Kila Naffargarh (Jind)	Do	
333	Auto Lamps Workers Union, Faridabad	Do	
334	Electronics Employees Union, DB 97, Ahirwara	Do	

	W. No. 2, Ballabgarh		
335	Universal Electrical Employees Union, Faridabad	Do	
336	Havell's Workers Union, Faridabad	Do	
337	Hindustan Electric Workers Union, A.I. 319, Faridabad	AITUC	
338	Prestolite Workers Union M.R. Faridabad	Not available	
339	Khosla Mazdoor Union, Faridabad	Do	
340	Devis & White Workers Union, Faridabad	Do	
341	Auto Pins Workers Union, N.E.T.I.A. Faridabad	Do	
342	Orient Electrical Workers Union, INTUC, Opp. Govt., Middle School (Girls) Faridabad	Do	
343	American Universal Electric Employees Union, 1341, Sector 15,	Do	

	Faridabad		
344	E.C.E. Workers Union, Sonepat	Do	
345	Telefunkan Workers Mazdoor Union, Ballabgarh	80	BMS
346	Payan Talbors Employees Union	Not available	
347	Escorts Karamchari Sangh, Faridabad	1250	BMS
348	Auto Meter Employees Union, INTGUC Nahar Singh Market, Ballabgarh	Not available	
349	Maruti Workers Union, H.No. 239/12 Lajpat Nagar Near Rly. Road, Gurgaon	Not available	
350	Janta Auto Workers Union, I.A., Yamuna Nagar	Do	
351	Yamuna Auto Indus. Employees, Chothi Line Radaur Raod, Yamuna Nagar	150	INTUC

352	Elofic Inds. Employees Union, Kothi No. 92, Sector 10, Faridabad	Not available	
353	Atlas Mazdoor Union, Sonepat	Not available	
354	Atlas Mazdoor Sangh, Sonepat	2840	BMS
355	Atlas Janta Workers Union, Near Atlas Shree Ram Mandi, Sonepat	Not available	
356	Pearl Cycle Workers Union, Ballabgar	Do	
357	Scientific Karamchari Union, Amabala Cantt.	Do	
358	Bijli Karamchari Union, H. No. 850 Mohalla, Bhaliam, Sirsa	36	ABTU
359	N.A.P. Employees Union, M.R. Faridabad	Not available	
360	Boaring Workers Union, Pehowa	Do	
361	Haryana Tubewell (EB) Mechanical Workers Union, Karnal	Do	

362	Haryana Tubewell Labour Workers Union, D.K. 25 Mohalla Patwar, Karnal	Do	
363	New Vishkarma Workers Union, R.B. Jagadhri	Do	
364	Trade ulazimin Union 5733/3 Chhota Bazar, Amabala City	121	
365	Muneem Union Usha Bazar, Jagadhri	130BMS	
366	Ambala Distt. Cycle Dealers Employees Union, Ambala Cantt.	Not available	
367	Zila Hissar Mandi Mazdoor Union, H.No. 322, a Block Sirsa	Do	
368	Rohtak Wholesale Merchant Association short Cloth Market, Rohtak	194	
369	Halwai Workers Union, Charikhi Dadri	Not available	
370	Rehri Mazdoor Union, C/o Fateh Chand Gulati, Rewari	Do	

371	Stores and Commercial Employees Union, Labour Bazar, Bhiwani	178	
372	Rehri Union Aggarwal Market, Rohtak	105	
373	Bhar Bhuja Workers Union, R.D. Ashok Gali, Rohtak	42	
374	Khokha Association N.I.T., Faridabad	Not available	
375	Gurgaon Khokha Union, Gurgaon	Do	
376	Chabba Khoncha Rehri Union, Near General Bus Stand, Sonepat	Do	
377	Haryana Medical Representative Association, Rohtak 213/19	Do	
378	Hissar Distt. Transport Workers Union, Nagori Gali, Hissar	Do	
379	The Gurgaon Transport Employees Union, 286, New Colony, Gurgaon	Not available	

380	Distt. Motor Transport Workers Union, Karnal	Do	
381	The Karnal General Transport Workers Union, Karnal	25	MTWF
382	Haryana Drivers Union, Panipat	Not available	
383	Haryana Transport Workers Union, Gali Dekkhama, Rohtak	Do	
384	Rohtak Delhi Transport Mazdoor Sangh B-VI 1314, Kala Stall, Rohtak	Do	
385	Tanga Union H.NO. 287, W.No. 5, Layalpur Baasti Kurukshetra	Do	
386	Distt. Goods Transport Workers Union, Karnal	Do	
387	Gainda mal Chiranji Lal Workers Union, Kalka	Do	
388	The Petroleum Carriers Workers Union, 124, Grand Hotel, Ambala Cantt.	40	

389	New Azad Truck Union, near Oil Pump, Faridabd	7	
390	Rickshaw Workers Union, Ambala Cantt.	986	
391	Janta Rickshaw Workers Union, Moh. Kajiwala, Ambala City	320	
392	Yamuna Nagar Rickshaw Pullars Union, Yamuna Nagar	Not available	
393	Yamuna Rickshwa Pullar Union, Y. Nagar	Do	
394	Azad Rickshaw Workers Union, 51, Prem Nagar, Ambala City	60	
395	Y. Nagar Jagadhir Paledar Union, Chhoti Line, Rador Road, Yamuna Nagar	Not available	
396	Faridabad Kamgar Unioin, 2/21 Gopi colony Parana, Faridabad	Not available	
397	Rickshaw Chalak Association, Faridabad	Do	
398	Rickshaw Pullars Union,	556	NMP

	Near Bharat Cinema, Jind		
399	Rickshaw Chalak Union, Bhiwani	Not available	
400	Bhiwani Thela Mazdoor Sangh, Bhiwani	96	NL0
401	Panppat Rickshaw Pullars & Workers Union, Panipat	Not available	
402	Distt. Rickshaw Pullars Union c/o Ram Parkash Chopra gohana Road, Tea stall, Rohtak	Do	
403	Sweepers Union Balmiki Nagar, Ambala City	Not available	
404	Sweepers Union Jagadhri	Do	
405	Safai Mazdoor Union Argali, Rewari		Do
406	Sweepers Union Balmiki Mandir, Hissar		Do
407	Safai Karamchari Sangh Balmiki Mohalla, Hansi	Do	
408	Safai Mazdoor Union Mohalla, Lakhi Talab, Sirsa		Do

409	Sweepers Union E-268, Moh. Ghasian, Karnal		Do
410	Sweepers Union Charkhi Dadri	58	INTUC
411	Safai Karamchari Union Balmiki Mohalla, Jind	11	Mazdoor Panchayat
412	Schedule Caste Workeres Employees Union Karnal	Not available	
413	Distt. Cinema Workeres Union, Hissar	14	
414	Haryana Cinema Employees Union 2022/2 Guru Nanak Pura, Ambala City	Not available	
415	All Haryana cinema Karamchari Union, Karnal		Do
416	Tailor Workers Union Gali Dakkhana Wali Rohtak		Do
417	Haryana Union & Working Jounalists, Partap Nagar, Rohtak		Do
418	Kabar Dealers Ass. Bata Chowk, Faridabad		Do
419	Tailor Workeres Union		Do

	Moh. Biko Wala, Hissar		
420	Mazdoor Union Rajgur Market, Hissar	Not available	
421	Handmade Utencils Mfg. Asso. Jagadhri		Do
422	The Ththera Union, Jagadhri		Do
423	Swatantara Thathera Cinema Devi Bhawan Jagadhri		Do
424	Haryana Employees & Industrial Organisation Station, Gurgaon		Do
425	The New Asso. of Indl. Employees Jaeob Pura, Gurgaon		Do
426	Commerce & Industrial Organisation, Faridabad	33	
427	Scrap Merchants Association Bata Chowk, Plot No. 8, N.I.T. Faridabad	Not available	
428	The Indian Watch Dealer & Repairs Asso. Karnal		Do

429	All India Cantt. Board Employees Fed. Ambala Cantt.	Not available	
430	Barbars Union, Jind	Do	
431	Frick India Karamchari Union, Faridabad	Do	
432	Workers Union, of the Haryana Minerals Limited, Narnaul	Do	
433	Government of India Photolitho Press Karamchari Sangh, Faridabad	Do	
434	Hath Rehri Workers Union, Karnal	300	
435	Haryana Tourism Karamchari Sangh, Karnal	Not available	
436	Hein Lehman Employees Union, Faridabad	50	NLO
437	Rickshaw Workers Union, Karnal	Not available	
438	Dabriwala Rolling Mills Workers Union, Faridabad	Do	

439	Perfect Pac Workers Union, Faridabad	Do	
440	Anand Synthetics Employees Union, Faridabad	Do	
441	J.M.A. Workers Union, Faridabad	Do	
442	Precision Stamping Employees Union, Faridabad	Do	
443	Auto Pins Employees Union, Plant I&II, Faridabad	Do	
444	Cultch Auto Employees Uion, Faridabad	Do	
445	Punjab Business & Supply Mazdoor Sangh, Yamuna Nagar	Do	
446	Kamal (Haryana) PR Centres Labour Union, Karnal	51	CITU
447	Rehri Chhaba Workers Union, Tohana	Not available	
448	Snowtemp Workers Union,	Do	

	Faridabad		
449	Haryana Udyog Sangh, Bhiwani	Do	
450	Barlur Mazdoor Sangh, Yamuna Nagar	Do	
451	Khet Mazdoor Panchayat, Jind	490	H.M. Panchayat
452	Sikand Employees Union, Faridabad	Not available	
453	Amar Foundry Workers Union, Ballabgarh	Do	
454	East India Cotton Employees Union, Faridabad	Do	
455	Faridabad Rubber Employees Union, Faridabad	Do	
456	Sugar Mills Workers Union, Karnal	Do	
457	Micro Precision Employees Union, Faridabad	Not available	
458	Flovel Workers Union, Faridabad	Do	

459	Northern Railway fourth Class Employees Union, Jind	Do	
460	Rentington Employees Union, Faridabad	Do	
461	Sugar Mills Employees Welfare Union, Karnal	Do	
462	Central Coop. Bank Employees Assocation, Ambala City	Do	
463	American Universal Electric (I) Ltd. Karamchari Union, Faridabad	Do	
464	Precision Steel Employees Union, Faridabad	Do	
465	Bhartiya Electric Steel Employees Union, Faridabad	Do	
466	Thomson Press Employees Union, Faridabad	Do	
467	Rubber Workers Union, Sonepat	Do	
468	Kurukshetra Central Coop. Bank Employees	Do	

	Association, Kurukshetra		
469	Chemical Mazdoor Union, Shahbad	98	AITUC
470	Central Coop. Bank Employees Union, Bhiwani	426	
471	Foundry & Mechanical Workers Union, Ambala City	Not available	
472	Holiday Inn & Faridabad Hotels Employees Union, Faridabad	Do	
473	National Fertilizers Employees Union, Panipat	500	Fertilizere Workers Federation of India
474	Goodyear Factory Staff & Employees Union, Ballabgarh	Not available	
475	Faridabad Complex Administration Employees Union, Faridabad	Do	
476	Sahni Suiting Kamgar Union, Faridabad	Do	

477	H.T.M. Mistry Union, Hissar	120	
478	Janta Orgno. Chemical Workers Union, Sonepat	Not available	
479	Forging Employees Union, Faridabad	Do	
480	H.T.M. Cleaks Association, Hissar	Do	
481	Top Style Employees Union, Faridabad	Do	
482	Haryana Refrectoris Employees Union, Ballabgarh	Do	
483	Freewheels India Employees Union, Faridabad	Not available	
484	H.S.E.B. Scheduled Castes/Tribes Association Panipat	1006	
485	Nagar Palika Sharmik Sangh, Pehowa	Not available	
486	Textile Mazdoor Sangh, Sonepat	Do	
487	Remington and	Do	

	Karamachari Union, Faridabad		
488	Hindustan Syrings Employees Union, Faridabad	Do	
489	Janta Labour Union, Kurukshetra	91	
490	Kapra Udyog Karamachari Union, Faridabad	Not available	
491	United Steel Workers Union, yamunana Nagar	Do	
492	Multan Cycle Mazdoor Sangarsh Samiti, Sonepat	Do	
493	Municipal Employees Union, Yamuna Nagar	70	
494	All Haryana M.I.T.C. Employees Association, Karnal	Not available	
495	Polyfab Workers Union, Faridabad	Do	
496	G.M. Wrested Soinning Mills Employees Union, Faridabad	Do	
497	Marval Engineers &	Not	

	Traders Employees Union, Faridabad	available	
498	Hyderabad Asbestos Workers Union, Ballabgarh	Do	
499	Sonepat Sehkari Chini Mills Workers Union, Sonepat	Do	
500	Nibras Employees Assocation, Gurgaon	Do	
501	Sangarsh Samiti Udyogic Karamchari Sangh, Bhiwani	Do	
502	Good Year Factory Non Managerial Staff Employees Union, Ballabgarh	Do	
503	Loh Udyog Mazdoor Sangh, Bhiwani	136	BMS
504	Usha Electronics Employees Union, Ballabgarh	67	
505	Steel Authority of India Limited Employees Union, Faridabad	Not available	

506	Northern Indan and Steel Employees Union, Faridabad	Do	
Note:-	1. Please take Sr. No. 31 as delted 2. – denotes Independenat Unions. 3. N.A. Denotes not avaiblable.		

स्वामी आदित्यवे ा: अध्यक्ष महोदय, आबकारी तथा कराधान मंत्री जी ने यहां हाउस में आ वासन दिया था कि बाद ाहपुर गांव का ठेका उठा देंगे लेकिन बड़े दु:ख के साथ कहना पडा रहा है कि पिछले दिनों दो लाख रुपए में फिर नीलाम कर दिया गया है। इसी प्रकार से कुरुक्षेत्र जिले में उमरी गांव है। उस गांव के लोग पिछले तीन साल से रेजोल्यु ान भेज रहे हैं कि लेकिन फिर भी कोई गौर नहीं किया जा रहा है। एक तरफ सरकार कहती है कि भाराब बंदी कर रहे हैं और दूसरी ओर सरकार ठेके नीलाम कर रही है। इसलिये मैं आपको ध्यान सरकार की भाराबबन्दी की नीति की ओर आकर्शित करना चाहता हूं कि ये किस प्रकार से उस पर अमल कर रहे हैं ?

श्री अध्यक्ष: स्वामी जी आप लिखित रूप से भेज दीजिए। हम उसको फारवर्ड कर देंगे।

आबकारी तथा कराधान मंत्री (चौधरी भोर सिंह): स्पीकर साहब, स्वामी जी इस पर काल अटैं ान मो ान भेज चुके हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः अगर आपकी काल अटैन्ा ान मो ान आई हुई है तो वह एग्जामिन हो रही है। (विघ्न)

स्वामी आदित्यवे ाः काल अटैन्ा ान मो ान तो मैंने भेजी है।

श्री अध्यक्षः फिर स्वामी जी आप भाान्तिपूर्वक इन्तजार कीजिए। आपकी काल अटैन्ा ान मो ान पर अव य कार्यवाही होगी। (विघ्न)

स्वामी आदित्यवे ाः भाान्तिपूर्वक तो इन्तजार करूंगा। (विघ्न)

ध्यानाकर्शण सूचना

राश्ट्रीय राजमाग्र नं0 1 तथा 10 पर यातायात बढ़ जाने के कारण गम्भीर दुर्घटनायें बढ़ने के संबंध में

श्री अध्यक्षः मुझे श्री कंवल सिंह एम0एल0ए0 की तरफ से ने ानल हाई वे नम्बर एक और नम्बर दस के ऊपर होने वाले सीरियस एक्सीडेंटस के बारे में एक ध्यान दिलाऊ प्रस्ताव का

नोटिस मिला है। प्रस्ताव मंजूर किया जाता है अब आनरेबल मैम्बर अपने प्रस्ताव को पढ दें और मंत्री महोदय ध्यान देना चाहते हैं तो दे सकते हैं या टाईम मांग सकते हैं।

श्री कंवल सिह(धिराय): अत्याव यक लोक महत्त्व के इस विशय की ओर सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि दो महत्त्वपूर्ण राश्ट्रीय अर्थात नं01 तथा नं0 10 जो दिल्ली से पंजाब के लिये पाकिस्तार की अन्तर्रा ट्रीय सीमा तक जाते हैं, हरियाणा के बीच में से गुजरते हैं इन क्षेत्राों के समूचे विकास तथा इन सड़कों की सबसे अधिक आव यकता के कारण पिछले कुछ वर्शों में इन दोनों राजमार्गों पर यातायात इतना अधिक आव यकता के कारण पिछले कुछ वर्शों में इन दोनों राजमार्गों पर यातायात इतना अधिक बढ गया है कि एक दिन भी ऐसा नहीं गुजरता है कि जब इन मार्गों पर गम्भीर दुर्घटनाएं न होती हों। निःसंदेह इन राजमार्गों को चार सडकों वाला दुहरा वाहन मार्ग बनाने के लिए योजनाएं सक्रिय हैं। परन्तु इनके कार्यानवयन में समय लेगगा, जबकि इस समय वर्तमान परिस्थितियां इस बात की मांग करती हैं कि राज्य सरकार इस गम्भीर अवस्था का समाधान करने के लिये तुरंत आव यक पग उठाये। यद्यपि इन सड़कों पर नगरों और कस्बों में से गुजरते समय वाहनों के लिए गति सीमा निर्धारित हैं, परन्तु फिर भी खुले क्षेत्रों में ऐसी कोई पाबन्दी नहीं हैं इसके साथ साथ यातायात सम्बंधी विद्यमान नियमों तथा विनियमों को भी लागू करने के लिये प्रयत्न किये गये दिखाई नहीं देते हैं जिसके

परिणामस्वरूप ड्राईवर सुरक्षित यात्रा को सुनि ित करने के लिये पुलिस की ग त को बढाने और वि ोशतया इन राजमार्गों पर अधिकतम गति सीमा निर्धारित करने के लिये सरकार को पग उठाने चाहिएं। इन राजमार्गों पर स्थायी तथा अस्थायी ढांचों के अतिक्रमण को खाली कराने के लिये तथा मन्द गति से चलने वाले वाहनों अर्थात बाईसिक्लों, रिक ाा, प ुओं द्वारा खीचे जोने वाले रहेडों, ट्रैक्टरों आदि का प्रयोग करने वाले लोगों को रात के समय रो ानी तथा रिफलैकटर आदि का प्रयोग करने के लिये ि ाक्षा देने के लिऐ भी पग उठाये जाने चाहिएं ताकि वह दुर्घटनाएं जो हाल ही में बडे पैमाने पर हुई हैं, कम हो जायें क्योंकि यह एक अत्याव यक और गम्भीर समस्या बन गई है। इसलिए मैं सरकार और सदन का ध्यान इस समस्या की ओर दिलाना चाहता हूं।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इस काल अटैन ान मो ान में ट्रांसले ान में एक अ ाुद्धिद्ध मालूम होती है। इसमें ने ानल हाई वे की ट्रांसले ान राश्ट्रीय राजमार्ग की गई है जब कि राश्ट्रीय मार्ग होनी चाहिए थी।

श्री अध्यक्षः यह कलैरिकल मिस्टेक होगी, इसको ठीक कर दिया जायेगां

स्वामी अग्निवे ाः यह कोई अ ाुद्धि नहीं है। ने ानल हाई वे का अर्थ राश्ट्रीय राजमार्ग होता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: नै ानल हाई वे का सैंट्रल गवर्नमैंट में भी जरूर ट्रांसले ान किया हुआ होगा। जो भी सही ट्रांसले ान हैं वह इसके अंदर लिखा जायेगा। अगर कोई गलती होगी तो इसको ठीक कर दिया जायेगा। आप टाईम ठीक इस्तेमाल करें।

लोक निर्माण मंत्री (श्री लछमन सिंह): इस काल अटैन ान मो ान का 23 तारीख को जवाब दूंगा।

प्रिवलेजिज कमेटी की दूसरी प्रारम्भिक रिपोर्ट (चौधरी सुरेन्द्र सिंह एम0एल0ए0 के सम्बंध में) पे ा करना तथा मामले का ड्रौप होना

Mr. Speaker: Now the Chairman of the Committee of Privileges will present the Second Preliminary Reporty of the Committee of Privileges and also move his motion.

Ch. Partap Singh Thakran (Chairman Committee of Privileges): Sir, I beg tot present the Second Prliminary Report of the committee of Privileges of the Haryana Vidhan Sabha on the matter in regard to t6he quiestion of alleged contempt of the House against Ch. Surinder Singh, M.L.A. for making a misleading statement in the House.

Sir, I also move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the 30th September 1979.

Mr. Speaker: Hon'ble Members, before I move this motion before the House, I would like to make an observation.

It is an established principle and convention that the Speaker of the House maintains absolute impartiality in the preformance of his duties. This pracitce and convention I have endeavoured to follow in the stricteste sense of the word and to the best of my ability. How far I have succeeded in this objective is not for me to say but for the Hon'ble Members, of the House to Judge.

This pareticular privilege motion was referred to the Privileges Committee when I was holding the protfolion of Education. Since now I am occupying the Chair of Speaker, it is my considered opinion that whilst occupying thes Chair I should not be associated or be a party to any privilege motion. In the consideration of this question the House, of course, is the final authority.

I have also received an amendment to this motion from Shri Shamsher Singh Surjewala, M.L.A. Howevever, before I put this matter before the House I would request the Hon'ble leader of the House to experess his opinion on the subject.

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): स्पीकर साहब, मैं समझता हूं कि आप जब एजुके ान मिनिस्टर थे, तब यह मामला रैफर हुआ थां अब चूंकि आप कुर्सी संभाले हुए हैं इसलिये यह मुनासिब नहीं होगा कि आप इस मामले में इन्वाल्वड हों। इसलिये

मैं यह समझता हूं कि आपकी जगह कोई दूसरा व्यक्ति हाउस को प्रिजाईड करे और इस बारे में हाउस का फैसला ले ले।

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासनी हुए।)

Mr. Deputy Speaker: Motion moved-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the 30th September 1979.

The amendment received from Shri Shamsher Singh Surjewala, M.L.A. will be deemed to have been read and moved.

That this House recommedns that the quesiton of alleged breach of privilege against Ch. Surrinder Singh M.L.A. may be dropped in view of the fact that one of the persons concerned in the controversy is now occupying the August office of the Speaker of this House. In view of hits, no extension of time is granted and the matter is deemed as closed.

श्री कन्हैया लाल पोसवाल (छछरौली): डिप्टी स्पीकर साहब, मैंने आपसे यह अर्ज करना है कि स्पीकर साहब, ने जो आब्जर्वे ान की हैं, मैं समझता हूं कि वह उचित है। तो मैं लीडर आफ दि हाउस से और सारे मैम्बर्ज से यह रिक्वैस्ट करूंगा कि चूंकि अब इसमें स्पीकर साहब, इन्वाल्वड हैं इसलिये उनकी कमेटी में बडी इम्रैरेसिंग पोजी ान होगी यदि वह उसी कमेटी में त ारीफ लायेंगे जिसको वे नौमीनेट करते हैं और वहां पर आक

एवीडैंन्स दें तो ठीक नहीं होगा। इसलिये मेरी दरख्वास्त है कि लीडर आफ दि हाउस और सारे मैम्बर साहेबान इस बात को कंसीडर कर लें। स्पीकर साहब, ने चूंकि यह आबजरर्वे ान की है। इसलिये इसको विदड्रा करना ही मुनासिब होगा।

उद्योग मंत्री (डा0 मंगल सैन): उपाध्यक्ष महोदय, मेरी सबमि ान यह है कि यह बात तो वाजिब है कि आज सिचुए ान बदल गयी है। पहले एजुके ान मिनिस्टर अब स्पीकर बन गये हैं लेकिन जिस आनरेबल मैम्बर ने प्रिविलिज को ब्रीच किया था, मैं समझता हूं कि उसके बारे में जरूर विचार होना चाहिए क्योंकि अन्यथा यह गलत रिवायत डल जायेगबी, यही मेरी राय हैं

सहकारिता तथा दुग्ध विकास मंत्री (चौधरी भजन लाल): उपाध्यक्ष महोदय, यह काफी गम्भीर मामला है। इसमें स्पीकर साहब, का नाम भी जुडा हुआ है। आपको पता ही है कि स्पीकर साहब, हाउस में सबसे बडी हस्ती होते हैं जितना चौधरी बंसी लाल के और चौधरी सुरेन्द्र सिंह के, मैं और चौधरी देवी लाल जी खिलाफ हैं।, मेरे ख्याल में और भाायद ही कोई मैम्बर होगा। इसलिए मैं हाउस से और लीडर आफ दि हाउस से यह प्रार्थना करूंगा कि इस मामले को ड्रौप कर दिया जाये। अंत में मैं यही प्रार्थना करूंगा कि हाउस इस मामले की भावना या डिटेल्ज में न जाकर इसको खत्म कर दें, यही मेरी प्रार्थना है।

चौधरी खुर ीद अहमद (ताउडू): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मार्फत हाउस के सामने यह बात कहना चाहता हूं कि प्रिविलेज कमेटी में कोई भी इ ु हो, उसके लियश्े जब तक कोजैन्ट और कन्विसिंग एबीडैंस कमेटी के सामने न आये और मैम्बर्ज के सामने काफी मैटीरियल न हो, तब तक कोई भी इ ु कामयाब नहीं हो सकता। यहां पर ऐसी सिचुए ान आ गयी है कि जब प्रिविलिज उठाया गया, उस समय हमारे आनरेबल स्पीकर साहब, एजुके ान मिनिस्टर साहब की हैसियत में थे। आज प्रिविलिज कमेटी को वही नौमीनेट करते हैं क्या ऐसा उचित होगा कि जिस कमेटी को वे खुछ नौमीनेट करते हैं, उस कमेटी के सामने स्पीकर साहब, पे ा हो ? यह ठीक नहीं होगा और इससे एक एनोमलस सी सिचुए ान आ गयी है। पहले और हालात थे, अब हालात दूसरे हैं। इसीलिये हालात के मुताबिक इसको ड्राप किया जा सकता है। क्या ऐया उचित होगा कि स्पीकर साहब, कमेटी के सामने पे ा हों कमेटी उनसे सबूत मांगे और कानूनी तौर पर एग्जामिने ान और क्रास एग्जामिने ान हो। जेसा कि स्पीकर साहब, यह मो ान लाये हैं और लीडर आफ दि हाउस ने जैसे कहा भी है, इस मो ान को अगर ड्राप कर दिया जाये तो कमेटी के लिये भी कन्वीनिएंट होगा और यह प्रैक्टिकली भी अमल में लाया जा सकता है क्योंकि कमेटी कोई फाईडिंग अदरवाईज दे नहीं सकतीं इसलिये मैं हाउस में यह दरख्वास्त करूंगा कि इस मामले को ड्राप कर दिया जाये तो अच्छा रहेगा।

राम कि ान (सफीदों): उपाध्यक्ष महोदय, मसला बडा अहम है। लेकिन माननीय मंत्री चोधरी भजन लाल और माननीय सदस्य चौधरी खुर ाीद सुझाव हाउस के सामने रखा हे, मैं भी उसी सुझाव का समर्थन करता मामले को ड्राप कर दिया जाये।

स्वामी अग्निवे ा: उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके सामने अपने इस सुझाव करना चाहता हूं कि जब परिस्थितियां इत्यादि बदल गयी हैं तो इसके लिये कोई हल निकालना चाहिए और सच्चाई का पता लगना चाहिए कि जो माननीय सदस्य के विरूद्ध आरोप लगाया गया था, वह सही थी या इस मामले को वापिस कर लेते हैं तो एक साल भर जो इस कमेटी रही इतना पैसा खर्च किया गया, उसका कोई लाभ नहीं हुआ। इसलिये मैं प्रार्थना करना चाहता हूं कि इस को ड्राप नहीं करना चाहिए कोई न कोई दूसरा रास्ता निकालना चाहिए।

भजन लाल: जो थोडी सी गलतफहमी पैदा हो गयी है मैं उसे दूर करना चाहता हूं चौधरी खुर ाीद अहमद ने गलत समझ कर यह कहा कि जैसे लीडर आफ दि हाउस ने यह कहा कि इसे ड्राप कर दिया जाये। मुझे इस बारे में इतना ही कहना है कि मैंने तो सिर्फ इतना ही कहा था कि स्पीकर साहब, चूंकि आप इस कुर्सी पर हैं और आप इस मामले में इन्वालड हैं, इसलिये कोई दूसरे साहक चेयर को संभले और जैसे हालात हैं हाउस उसके मुताबिक फैसला ले लें।

स्वामी अग्निवे I: जैसे अभी सदन के नेता ने एक बात कही कि आप स्पीकर साहब, इस कुर्सी पर न बैठें, किस अन्य सदस्य को इस चेयर पर बैठने दें तभी इस बात का फैसला हो। मैरे विचार में उन्होंने संवैधानिक कठिनाई को सुलझाने के लिये यह सुझाव दिया था। स्पीकर साहब, ने बडी उदारता का परिचय देते हुए कुर्सी को छोडने की एक स्वस्थ परम्परा कायम की है। मैं यह समझता हूं कि कुर्सी छोडना और मामले को ड्राप करना दो अलग अलग मसले हैं। अध्यक्ष की हैसियत से कोई भी मामला उनके बारे में कमेटी में न आये, यह एक स्थस्थ परम्परा है और बडी अच्छी बात है लेकिन यदि कोई वि ोशाधिकार का प्रस्ताव इस सदन मे सामने आया है उसको तथा कथित उदारता का परिचय देते हुए वापिस लेना हमारी समझ में नहीं आता। या तो यह साबित हो जाये कि जो आरोप लगाया गया है वह गलत है या फिर जो सम्बधित सदस्य है, वे सदन में खडे होकर माफी मांग लें तो हम समझते हैं कि इसको वापिस ले लेने का कोई औचित्य है लेकिन जिस सदस्य के विरूद्ध आरोप हैं वह माफी नहीं मांग रहा है। इस प्रस्ताव में जो आरोप लगाये गये हैं, वे बडे गम्भीर हैं, इसलिये मेरा अनुरोध है कि आपकी अध्यक्षता में जो भी अनुकूल या प्रतिकूल फैसला हो, उस पर अमल करना चाहिए।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू(पाई): डिप्टी स्पीकर साहब, लीडर आफ दि हाउस ने जो प्रस्ताव रखा है वह ठीक है। स्वामी अग्निवे I ने कहा कि इसका निर्णय करना चाहिये। इस मामले में

आनरेबल स्पीकर इंवाल्वड हैं और छोटी मोटी बातें तो घर में भी होती रहती हैं। इसलिये हालात को देखते हुए इस मामले को खत्म करना बहुत जरूरी है। इस मामले को ज्यादा बढाने से कोई लाभ नहीं है और न ही ऐसे मामले बढाना अच्छा होता है। मैं सदन से प्रार्थना करूंग्रा कि इत्तफाक राय से इस मामले को ड्रौप किया जाये ओर ऐसा करके हाउस में एक अच्छी परम्परा कायम की जाए। अन्त में डिप्टी स्पीकर साहब, मैं फिर प्रार्थना करना चाहता हूं कि इस मामले को ड्रौप किया जाए।

चौधरी उदय सिंह दलाल(बादली): डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे काफी साथियों ने इस सिलसिले में बहुत कुछ कहा है। स्पीकर साहब, का ओहदा बहुत बडा होता है और इसका सब को अहतराम करना चाहिए। मेरी तजवीज है कि इस मामले में बदले की भावना न रखी जाए और प्रत्येक मैम्बर को इत्तफाक राय से इस प्रस्ताव को ऐक्सेप्ट करना चाहिए और इस मामले को खत्म कर देना चाहिए। यह बडी अच्छी बात हे।

लोक निर्माण मंत्री (श्री लछमन सिंह): डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यह महसूस करता हूं कि चौधरी सुरेन्द्र सिंह को हाउस के अंदर खडे होकर जरूर रिग्रैट करना चाहिए और लीडर आफ दि हाउस से अपील करें कि किन्हीं गलतफहमियों या कुछ और ऐसी बातों के कारण उनसे ऐसे लफ्ज निकल गए थे, ऐसा करने के बाद हम अपने लीडर से अपील कर सकते हैं कि वे इसको ड्रौप कर दें।

श्रीमती सुशमा स्वराज(अम्बाला छावनी): उपाध्यक्ष महोदय, सदन में कई तरह की भावनाओं का इजहार किया जा रहा है। वास्तव में मामला इतना संगीन नहीं है कि इम सैंटीमैंटस में आ जाये। मामला बडा लीगल है। लीगल आसपैकटस से उसको देखना चाहिए। सरदार लछमन सिंह ने कहा कि चौधरी सुरेन्द्र सिंह खडे होकर माफी मांग ले और स्वामी अग्निवे ा ने भी कहा कि खडे होकर माफी मांग लें और इस मामले को ड्राप कर दिया जाये। डिप्टी स्पीकर साहब, सवाल यह है कि क्या विधान सभा ने जो प्रिवलेजिज कमेटी बनाई थी उसकी कोई रिपोर्ट आ गई है और कया कमेटी ने चौधरी सुरेन्द्र सिंह को दोशी करार दिया हे ? ऐसी कोई बात अभी नहीं हुई हैं इसलिये मसला सिर्फ यह हुआ कि अध्यक्ष महोदय ने यह अनुकूल समझा कि "चूंकि वि ोशाधिकार समिति में मुझे ऐवीडैंस के लिये जाना पडेगा तो मेरी अपनी पोजी ान ऐमबेरेसिंग हो जाएगी।" उन्होंने एक स्वस्ि परम्परा डाली है और यह परम्परा इस लिए डाली है कि वि ोशाधिकार समिति को जब मामला जाता है तो अकेले अध्यक्ष महोदय, नहीं भेजता सदन भेजता हैं इसलिये उस मामले को चलाने का अधिकार केवल सदन के पास है, किसी और के पास नहीं हैं इसमें टैक्नीकल मामला इतना ज्यादा है कि स्पीकर अपनी बनाई हुई कमेटी के सामने ऐवीडैंस देने जाए तो कमेटी और स्पीकर दोनों की पोजी ान ऐम्बेरेसिंग हो जाएगी। इसलिए मैं लीडर आफ दि हाउस से गुजारि ा और प्रार्थना करती हॅू कि इस मामले को ड्रॉप कर दिया जाये।

वित्त मंत्री (श्री मूल चन्द जैन): डिप्टी स्पीकर साहब, इस विशय में चौधरी उदय सिंह दलाल और दूसरे साथियों ने जो विचार व्यक्त किए हैं, मैं उन विचारों का समर्थन करने के लिये खडा हुआ हूं। हाउस को इस मामले को लम्बा नहीं करना चाहिए और जैसा कि स्पीकर साहब, ने खुद फरमाया कि प्रिविलेज कमेटी के सामने जिसको उन्होंने खुदे बनाया है, अगर वह ऐविडैंस देने के लिये जाते हैं तो बडी ऐमबेरेसिंग सिचुऐ ान हो जाएगी। चौधरी सुरेन्द्र सिंह तब तक क्षमा नहीं मांग सकते जब तक कि प्रिविलेज कमेटी उनको दोशी न ठहरायें इन हालात को देखतु हुए मैं सदन से प्रार्थना करूंगा कि वह इस मामले को अपनी फराखदिली से ड्राप कर दें।

श्री सुरेन्द्र सिंह(तो ाम): उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक वि ोशाधिकार के उल्लंघन का सम्बंध है, मैं सदन को वि वास दिलाता हूं कि मेरी कोई इच्छा नहीं है कि सदन के सम्मानित सदस्यों को अपमान किया जाए या सदन को गुमराह किया जाये। मैं ईमानदारी से कहता हूं कि मैं हाउस की इज्जत करता और करता रहूंगा लेकिन हो सकता है कि किसी भाई को कोई बात महसूस हुई हो लेकिन मैं फिर वि वास दिलाता हूं कि मेरे दिल में हाउस की मानहानि या किसी सदस्य की मानहानि करने की कोई बात नहीं हैं (ाोर)

डा0 मंगल सैन: अभी भी माफी नहीं मांगी है। (ाोर)

चौधरी देवी लालः डिप्टी स्पीकर साहब, यहां पर सवाल दोशी या निर्दोशी का नहीं है सवाल टैक्नीकल है और इस लिहाज से है कि हमारे स्पीकर साहब, इसमें इंवाल्व हैं जो उनकी बनाई हुई कमेटी है अगर स्पीकर उसी कमेटी के सामने जाएं तो वहां उनका क्रौस एग्जामिने ान होगा, उनको कमेटी के सामने पे ा होना पड़ेगा जो स्वस्थ परम्परा नहीं है। जैसा कि बहन सुशमा और बाबू मूल चन्द जैन ने कहा है, मैं समझता हूं कि हाउस को उसके मुताबिक अपना मन बना लेना चाहिए और इस मामले को ज्यादा लम्बा न खींच कर ड्रौप कर देना चाहिए।

Mr. Deputy Speaker: Now, I will first put the amendment by the Shri Shamsher Singh Surjewala to the vote of the House.

Question is-

That this House reccomments that the question of alleged breach of privilege against Ch. Surrinder Singh, M.L.A. may be dropped in view of the fact that one of the persons concerned in the controversy is now occupying the August office of the Speakeer of this House. In view of this not extension of time is granted and the matter is deemed as closed.

The motion was carried.

Mr. Deputy Speaker: Since the amendment has been carried and the matter closed, there is no need to put the main motion to the vote of the House.

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: जो लीडर आफ दि हाउस की रय के खिलाफ वोट दें, उसको मन्त्री नहीं रहना चाहिए। (ाोर) अस्तीफा दे देना चाहिए। (विघ्न)

Dr. Mangal Sain: You are no body to say like this. I have every right to vote and express my view. (Interruptions). You are no body to interfere.

चौधरी देवी लाल: श्री पोहलू को यह बात कहना मुनासिब नहीं थी। इस किस्म के रिमार्क्स नहीं कसने चाहिए। (व्यवधान)

Mr. Mangal Sein: I have voted as a member of the House. I have every right to vote मैंने इनकी (श्री भाम ोर सिंह) मो ान के खिलाफ वोट दिया है न कि मुख्य मंत्री की। (Interruptions).

Mr. Deputy Speaker: Now, the Minister(s) to introduce the Bill.

दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (अलाउंसिज एंड पैन् ान आफ मैम्बर्ज) अमैंडमैंट बिल, 1979

उद्योग मंत्री (डा0 मंगल सैन): उपाध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा विधान सभा (सदस्य भत्ता तथा पैं ान) सं ाोधन विधेयक, 1979 प्रस्तुत करने की अनुमति चाहता हूं।

Mr. Deputy Speaker: Motion moved-

That leave be granted to introduce the Haryana Legislative Assmbly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 1979.

Mr. Deputy Speaker: Question if –

That leave be granted to introduce the Haryana Legislative Assmbly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 1979.

The motion was carried.

डा0 मंगल सैनः उपाध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा विधान सभा (सदस्य भत्ता तथा पैं ान) सं ाोधन विधेयक, 1979 प्रस्तुत करता हूं।

दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (फैसिलिटीज टू मैम्बर्ज) बिल, 1979

उद्योग मंत्री (डा0 मंगल सैन): उपाध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा विधान सभा (सदस्य सुविधा) विधेयक 1979 प्रस्तुत करने के लिये अनुमति चाहता हूं।

Mr. Deputy Speaker: Motion moved-

That leave be granted to introduce the Haryana Legislative Assmbly (Facilities to Members) Amendment Bill, 1979.

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिये खडे हुए।)

श्री अध्यक्षः पहले स्वामी जी बोलेंगे (ाोर)

स्वामी अग्निवे ा (पुंडरी): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका बडा आभारी हूं कि आपने नियमानुसार मुझे अपने विचार रखने का मौका दिया है। मैं अपने सदन के माननीय सदस्यों की जो भावनाएं हैं, उनको देख रहा हूं और वे सभी चाहते हैं कि यह विधेयक जल्दी से जल्दी पास हो जाना चाहिये क्योंकि इस बिल के द्वारा कुछ और सुख सुविधा सदस्यों को देने की बात कही गई है। (ाोर)

Mr. Deputy Speaker: Order Please.

स्वामी अग्निवे ा: उपाध्यक्ष महोदय, यह जो विधेयक यहां पर प्रस्तुत किया जा रहा है इसके माध्यम से सदस्यों को और सुविधायें दी जा रही हैं। उसमें पहले जो हमारे विधायकों को सुख सुविधाएं दी जात रही है उनके इलावा उन में और वृद्धि करने की योजना है। उपाध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि हमारा दे ा कितना गरीब है और यहां हरियाणा प्रान्त के अन्दर पिछली 26 जनवरी को हमारे माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने अपने भाशण में बोलते हुए कहा था कि हमारे हरियाण प्रदे ा के अंदर 48 प्रति ात किसान, मजदूर, गांवों के रहने वाले लोग, गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने के लिये मंजबूर हैं। ..... (ाोर)

डा0 बृज मोहन गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है । स्वामी जी को भाायद मिस अन्डरस्टैंडिग हो गई

है। यह ग्रांट नहीं है यह तो एक प्रकार का लोन है जिसको कि ब्याज समेत वापिस किया जाना है और एल0आई0जी0, एम0आई0जी0 और एच0आई0जी0 के तहत जितनी भी मकान बनाने की स्कीमज हैं ये तो पहले से ही चल रही हैं।

स्वामी अग्निवेश: उपाध्यक्ष महोदय, मैंने कभी इन बातों का जिक्र नहीं किया जो कि यह माननीय सदस्य कह रहे हैं। मैंने तो केवल यही निवेदन किया है कि हरियाणा प्रांत में डिवैल्पमैंट होने के बावजूद इसके आधे से ज्यादा लोग आज गरीबी की रेखा के नीचे अपना जीवन यापन करने के लिए मजबूर हैं (ाोर) उपाध्यक्ष महोदय, आज हमारे प्रांत में बाढ का बडा भारी प्रकोप है, लाखों लोग बाढ की लपेट में आकर बेघर हो गये हैं। (ाोर एवं विघ्न)

डा0 मंगल सैन: उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि स्वामी जी अपनी लम्बी लम्बी बातें बजट पर बोल लें तो अच्छा रहेगा।

स्वामी अग्निवेश: उपाध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो हम बाढ से पीडित लोगों के लिये केवल 300–300 रुपये देने का प्रावधान कर रहे हैं और दूसरी तरफ विधायकों के लिये 45000 रुपये देने का प्रावधान कर रहे हैं जो कि उचित प्रतीत नहीं होता (ाोर)

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है एक तरफ तो स्वामी जी कह रहे हैं कि गरीबों से पैसा न लिया जायें हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने कई जगहों पर लोगों द्वारा दी गई मालाओं को जो कि गले में डाली गई, उन्हीं लोगों की डिवैल्पमैंअ के कामों के लिये दे दिया और इसके साथ साथ उतने ही पैसे और भी सहायता के लिये दिये गये।

श्री उपाध्यक्ष: यह कोई प्वायंअ आफ आर्डर नहीं है। आप बैठिये।

स्वामी अग्निवे I: उपाध्यक्ष महोदय, भाई पोहलू जी ने मेरे ऊपर जो यह आरोप लगाया हे, इसका वे यहां पर प्रमाण दें या फिर इन भाब्दों को वापिस लें ..... (ाोर)

चौधरी उदय सिंह दलाल: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है जैसा कि मेरे भाई गुप्ता जी ने अभी कहा कि यह ग्रांट नहीं, यह तो लोन है और उसका ब्याज भी देना पडेगा। इस तरह अगर कोई भाई कर्जा लेकर अपना मकान बना लेता है तो इसमें क्या बुराई है ? स्वामी जी को तो न कोई घर है न बाहर, न बच्चे।वे फिर हमें क्यों मारें। (ाोर–हंसी)

श्री उपाध्यक्ष: चौधरी साहब आप बैठिये।

श्री देवेन्द्र भार्मा: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है ..... (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः आप अभी बैठिये, जरा पहले स्वामी जी के विचार सुन लीजिये।

श्री देवेन्द्र भार्माः डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं बैठने वाला नहीं हूं, में तीन बार टाईम लैनै के लिये खडा हुआ हूं और मुझे टाईम नहीं दिया जा रहा हैं ..... (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः आप बैठिये पहलै स्वामी जी बोलेंगे ..... . (ाोर)

स्वामी आदित्यवे ाः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्र न हैं यहां पर एक विधेयक प्रस्तुत किया गया है उस पर हमारे एक माननीय सदस्य बोल रहे हैं और बहुत सारे सदस्य ये बाबा जी कह रहे हैं जो कि उनके लिये भाोभा नहीं देता। मेरी आपसे प्रार्थना है कि कम से कम बोलने वाले माननीय सदस्य को भाान्ति से सब को सुनना चाहिये। मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि यहां पर जितने माननीय सदस्य बैठे हुए हैं, सब के अपने अपने मकान और बडी बडी कोठियां हैं। (ाोर) वे दोबारा लोन लेकर मकान बनाना चाहते हैं। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

डा0 बृज मोहन गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, स्वामी जी को यह गलतफहमी है कि जिन के पास पहले मकान हैं, वे दोबारा लोन लेकर मकान बनाना चाहते हैं। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि जिनके पास मकान हैं उनको दोबारा लोन नहीं मिलेगां

श्री देवेन्द्र भार्मा: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है अभी स्वामी जी बोल रहे थे तो भाई पोहलू जी ने उठकर ..... मेरी आपके द्वारा उनसे रिक्वसैट है कि वे अपने इन लफ्जों को वापिस लें, कहीं आगे के लिये ऐसी रिवायात न कायम हो जाएं जिससे एक दूसरे के प्रति ऐसे आरोप लगाते चले जाएं।

श्री जगन नाथ: उपाध्यक्ष महोदय, मेरी प्रार्थना है कि इस बिल के पास होने के बाद, दोनों स्वामियों, डाक्टर मंगल सैन और श्री गंगा राम जी को ये फेसिलिटीज न दी जाएं। (हंसी)

डा0 मंगल सैन: उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ पर्सनल ऐक्सप्लेने ान है। मैं उन मित्रों की बात नहीं करता जिनका नाम अभी मेरे नाम के साथ भाई जगन नाि जी ने लिया हैं अगर इस बिल में किसी प्रकार का कोई सं ाोधन करके सरकार कोई कानून बना देती है जिसके तहत मेरे हिस्से को सारा पैसा भाई जगन नाथ जी को मिल सके तो वह उनको दे दिया जाए।

चौधरी गंगा राम: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरी भी एक प्रार्थना है कि मुझे इनके साथ मिला कर आगे के लिये मेरा रास्ता बन्द क्यों किया जा रहा है ?

स्वामी अग्निवे ा: उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात को कहने से पहले भाई पोहलू जी से प्रार्थना करूंगा कि .....

अगर स्पश्टीकरण नहीं दे सकते हों तो मेरी आपसे प्रार्थना है कि यह वि ोशाधिकार हनन का प्र न मान कर वि ोशाधिकार समिति को सौंप दिया जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, माननीय स्वामी जी ने जो बात फरमाई है कि भारत में और हरियाणा में लोग गरीबी की रेखा के नीचे रहते हैं। आगे उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों के बाढ में मकान टूटू, उनको हम केवल तीन सौ रुपये दे रहे हैं मैं आपके द्वारा उनको बताना चाहता हूं कि यह बिल इस बात से सबंधित नहीं है। इस वक्त तो मैं केवल इस बिल को इन्ट्रोडयूस करने के लिये सदन की अनुमति मांग रहा हूं। स्वामी जी को अपनी बात कहने का आगे जाकर पूरा मौका मिलेगा उस वक्त ये अपना मत व्यक्त कर दें और चाहें तो मत भी खिलाफ दे दें यह इनकी अपनी इच्छा है यह तो इन्ट्रोडक ान की स्टेज है। इसके अलावा मकानों के बारे में मैं एक बात और बता दें कि तीन सौ रुपया ही नहीं दिया गया बल्कि बैंकों से 1200 रु0 लोन लेकर देने का भी प्रबंध किया गया है। इस बिल में जो बात है वह तो सिर्फ कर्जा देने की है और वह वापिस देना होगा। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि इसके लिये अनुमति प्रदान की जाए।

स्वामी अग्निवे ाः उपाध्यक्ष महोदय, पोहलू साहब ने मेरे बारे में जो भाब्द कहें, उनके बारे में आपने कया निर्णय लिया ?

श्री उपाध्यक्षः वह मैंने डिसअलाउ कर दिया थां

स्वामी अग्निवे ा: क्या वे भाबद एक्सपंज हो गये ?

श्री उपाध्यक्षः हां

Now I will put the motion to the vote of the House.

Question is –

That leave be granted to introduce the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Bill 1979.

The motion was carried

डा0 मंगल सैनः उपाध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा विधान सभा (सदस्य सुविधा) विधेयक 1979 प्रस्तुत करता हूं।

दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली स्पीकर्ज एंड डिप्टी स्पीकर्जसैलरीज

एंड अलाउंसिज (अमैंडमैंट) बिल, 1979

उद्योग मंत्री (डा0 मंगल सैन): उपाध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष वेतन भत्ता (सं ाोध्न) विधेयक, 1979 प्रस्तुत करने की अनुमति चाहता हूं।

Mr. Deputy Speaker: Motion moved –

That leave be granted to introduce the Haryna Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill, 1979

स्वामी आदित्यवे ा (हथीन): उपाध्यक्ष महोदय, इस बिल के माध्यम से अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के लिये राज्य सरकार की आरे से कार खरीदने के लिये सुविधा दी जा रही है। जब अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को पहले ही सरकार की ओर से कार की सुविधा प्रदान की जाती है तो अब इसके लिये अतिरिक्त कर्जा देने की मैं आव यकता महसूस नहीं करता। इससे राज्य पर और अधिक बोझा पडेगा। इसलिये मैं चाहता हूं कि इस प्रकार का विधेयक न रखा जाएं

डा0 मंगल सैन: उपाध्यक्ष महोदय, मैं स्वामी जी की जानकारी के लिये बता दूं कि कार खरीदने के लिये 26 हजार रुपये का प्रावधान, यह जो थोड़ी सी गिनती में महानुभाव बैठे हैं, इनकी सरकार ने किया हुआ था। हम तो कीमतों में बढ़ौतरी हो जाने की वजह से उसमें सिर्फ चार हजार रुपये की बढ़ौतरी कर रहे हैं। यह पैसा भी लोन है और यह वापिस लिया जाएगा।

स्वामी आदित्यवे ा: इसका मतलब यह है कि जो कु छ पिछली सरकार कर गई, वही आप करने जा रहे हैं। इसलिये मैं चाहता हूं कि इस बिल को वापिस लिया जाए।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: डिप्टी स्पीकर साहब, यहां पर स्पीकर साहब और डिप्टी स्पीकर साहब, का मामला डिस्कस नहीं होना चाहिये।

Mr. Deputy Speaker: Question is –

That leave be granted to introduce the Haryna Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill, 1979

The motion was carried.

डा0 मंगल सैनः मैं हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष वेतन भत्ता (सं ाोधन) विधेयक, 1979 प्रस्तुत करता हूं।

Mr. Deputy Speaker: Now, there will be general discussion on the Budget for the year 1979-80.

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू (पाई): डिप्टी स्पीकर साहब, यह सरकार किसान और गरीब की वोटों से बनी हुई है और हमारे चीफ मिनिस्टर साहब भी किसान के बेटे हैं। हमें अपने चीफ मिनिस्टर साहब से बहुत उम्मीदें थीं लेकिन वे पूरी नहीं हो पाई। इस सरकार का हलधर नि ाान भी बहुत सुथरा है। मुझे अफसोस से कहना पडता है कि यह नि ाान किसी और आदमी का था लेकिन यह गलत आदमी के हाथ में चला गया। डिप्टी स्पीकर साहब, बडी उम्मीद थी कि चीफ मिनिस्टर साहब आम जनता का भला करेंगे लेकिन अफसोस से कहना पडता है कि यह जो बजट पे ा किया गया हे, यह किसान दु मन बजअ है जो गरीब जनता के खिलफ हैं इस बजट की सोच सरमाएदारों से जुडी हुई है। जब यह बजट बनाया गया तो उस वक्त इसे सरमाएदारों का ध्यान रख कर बनाया गया और गरीबों को भुला दिया गयां इसलिये मैं इस बजट को मुखालफत करता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, आज हरियाणा में 85 प्रति ात लोग रात दिन

मजदूर बन कर या हल चला कर खेतों में काम करते हैं और बाकी जो 15 प्रति ात लोग हैं वे या तो कारखानेदार हैं या व्यपारी हैं या मुलाजिम हैं वे भी खेती की पैदावार पर ही निर्भर करते हैं डिप्टी स्पीकर साहब, इसमें कोई भाक नहीं कि खेती की पैदावार बढाने के लिये बजट में पैसा रखा गया है लेकिन किसान को खाद और डीजल ब्लैक में लेना पडता है। आज अगर किसान की कास्ट आफ प्रोडक ान देखी जाए तो गेहूं पर उसका तकरीबन 150/—रु0 प्रति क्विंटल खर्च आता है। बजट में इस चीज का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखा गया कि किसान को अपनी पैदावार का पूरा भाव मिलेगा। डिप्टी स्पीकर साहब, हमरी बहू बेटियों, बच्चे और बूढे रात दिन कडकती सर्दी और धूप में खेतों में काम करते हैं और जो हमारी कर्मवती बेहू बेटियां होती हैं उनको भी खेतों में काम करने के लिये जाना पडता हैं आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उनको कितनी तकलीफ होती है। इतना कश्ट सहने के बाद किसान जब अपनी पैदावार मंडियों में लेकर आता है तो वहां उसको लूट लिया जाता है। इसलिये मैं चीफ मिनिस्टर साहब से प्रार्थना करूंगा कि अगर आपने किसान को बचाना है तो सारी मंडियों को तोड दो और जितना किसान का अनाज है वह सारे का सारा सरकार गांवों में जाकर खुद खरीदे। जिस तरह अमेरिका में किसान की सारी पैदावार को वहां की सरकार खरीदती है चाहे वह इस्तेमाल हो या न हो, उसी तरह से हरियाणा में भी किसान की सारी पैदावार यहां की सरकार खरीदे। किसान को किसी तरह भी नुकसान नहीं होना चाहिये। आज किसान की हालत बहुत

खराब है। दो साल हो गये कभी फ्लड आ जाता है तो कभी तूफान आ जाता है। इस साल भी ओलों से 25 करोड रुपये का नुकसान हुआ है। में चाहूंगा कि जिस तरह से किसी कारखानेदार का नुकसान होने पर उसे पूरा मुआवजा सरकार देती है उसी तरह से किसान को भी उसके नुकसान का पूरा मुआवजा सरकार की तरफ से दिया जाएं यह जो 25 करोड रुपये का नुकसान इस साल किसान का हुआ है यह भी पूरे का पूरा सरकार को देना चाहिये और आगे के लिये सरकार किसानी की हर फसल का बीमा करे ताकि आयंदा अगर किसान का कोई नुकसान होता है उसे वह बच सके। इससे आगे जो बात मैं कहना चाहता हूं वह यह है कि किसान को जो चीजें खरीदनी पडती हैं उनमें से सिवाये गुड और चीनी के बाकी सब चीजों के भाव बढ गये हैं जो ट्रैक्टर पिछले साल 57 जार रुपये का था वह आज 67 हजार रुपये का आता है। इसलिये किसानों को लूट से बचाने के लिये हर चीज की कीमत सरकार खुद मुकरर करे। जब कोई चीज किसी कारखाने में बनती है तो उमसे सरकार अपना टेक्स वगैरह लगा कर उसकी प्राइस फिक्स करवाये। इसके साथ साथ दुकानों पर भी रैट लिस्अ लगवाई जानी चाहिये। हम देखते हैं कि रेट लिस्ट लगवाने के बावजूद भी दुकानदार कई बार चीजों के ज्यादा भाव लगाते हैं। इस चीज को रोकने के लिए ज्यादा पुलिस मुकर्रर की जाए ताकि दुकानदार किसानों को लूट न सके।

16.00 बजे।

आप में भी किसान भाई बैठे हैं, आपको मालूम है कि किसान को दो चीजों की जरूरत है। एक तो फ्लड पर कंट्रोल किया जाये और दूसरे सरकार सूखी धरती को पानी दे। जहां नहरों का पानी मिल सकता है वहां नहरी पानी दे। डिप्टी स्पीकर साहब, अब भी हरियाणा में जमीन का 4/5 हिस्सा बिना पानी के है, केवल 1/5 हिस्से में पानी लगता है काफी जमीन अब भी बारानी पडी है। हमारी फसलें सूखी पडी हैं रावी ब्यास के पानी का अभी तक सरकार फैसला नहीं करवा सकी है। दूसरी तरफ हमारे हरियाणा का पानी रोपड जिले में लग रहा है। वहां पानी न भी लगे तो भी ज्यादा नुक्सान नहीं होगा परन्तु हमारे हरियाणा में बिना पानी के बहुत नुक्सान हो रहा है। इस साल हरियाणा में तो कुछ फसलें अच्छी हो गई हैं। परन्तु अभी भी बहुत सी जमीन ऐसी पडी है जो सूखी है। अगर सरकार चाहे तो एक साल के अंदर जमीन को नहरी पानी लग सकता है। ज्यादा टयूबवैल लगाए जाये ताकि एक फुट जमीन भी सूखी न रहे, कहीं ीाी जमीन बारानी नहीं होनी चाहिए। पिछली साल फ्लड आने पर लोगों को कर्जे दिये गये थे। अब कहा जा रहा है कि छोटे किसान कर्जा देने में हेराफेरी कर रहे हैं। यहां जो आपके अफसर महलों में बैठे हुए हैं उनसे फील्ड में काम लें। आपका ड्रेनेज महकमा गांवों में जाकर देखे और जहां ड्रेनेज के मामले को लेकर झगडा हुआ है उसको निपटाने के किसानों का साथ दें। झगडा दूर हो सकता है अगर ड्रेनेज के मामले को हल करें। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं चीफ मिनिस्टर साहब से निवेदन करना चाहूंगा कि अगले साल हरियाणा

में फ्लड के नाम की कोई बीमारी नहीं होनी चाहिए। इस आने वाली बरसात में कोइ बीमारी देखने में आनी चाहिए। अब मैं इंडस्ट्री के महकमे के बारे में बताना चाहता हूं जिसे डा0 मंगल सैन पूरी कोि ा ा से चला रहे हैं। जैसा कि चौधरी चरण सिंह जी ने कहा था कि बडी इंडस्ट्रीज कम लगानी चाहिये। इसके बदले छोटी छोटी इंडस्ट्रीज लगनी चाहिएं ताकि छोटी इंडस्ट्री से माल पैदा हो सके और छोटे लोगों को फायदा हो। बडी इंडस्ट्रीज पर बैन लगाया जायें जो बडे बडे कारखानेदार हैं जिनकी काफी बडी बडी फैक्टरियां हैं उन पर सीलिंग होनी चाहिएं पांच हजार फी एकड के हिसाब से 18 एकड जमीन की कीमत 90 हजार रुपये बैठती हैं इसलिए फैक्टरी वालों पर 90 हजार रुपये की सीलिंग होनी चाहिएं 90 हजार से ज्यादा की प्रोपर्टी छीन ली जानी चाहियें इसके लिए कोई कानून होना चाहिए। आप कानून बना सकते हैं और ऐसा कानून बनायें जिससे जनता का भला हो। अपने गरीब किसान की जमीन पर 18 एकड की सीलिंग लगा दी है परनतु इन कारखानेदारों पर इस सीलिंग का कोई असर नहीं पडतां कारखानेदारों पर जिनकी भाहरी प्रापर्टी हैं उन पर भी सिलिंग होनी चाहिए। जिस तरह गरीब किसान की जमीन छीनी गई है उसी तरह इन की प्रापर्टी पर भी सीलिंग लगा कर फालतू प्रोपर्टी छीन ली जाये। यह इस बजट में कमी है, अमीर गरीब का फर्क दूर किया जाना चाहिये। किसान की खून पसीने की जमीन है, वह तो आपने छीन ली है, लेकिन इन सरमायेदारों की अर्बन प्रापट्री

की तरफ नजर उठा कर भी नहीं देखा जाता। आप उन पर भी सीलिंग लगाये सब सदस्य आपका पूरा समर्थना करेंगे।

अब डिप्टी स्पीकर साहब, मैं सडकों के बारे में बताता हूं। पुरानी सडकों की आज हालत खराब हैं। नई सडके तो बनना दूर रहा, जो पुरानी सडकें पिछले साल फ्लड से टूट गई थीं उनकी दोबारा मुरम्मत नहीं हो सकी हे। इस महकमे का काम इतना स्लो है कि पाई से अरसोला, राजौंद से खेडो सरफअली, खेडी सरफअली से राहडा सडकों की आज तक मुरम्मत नहीं हुई।

लोक निर्माण मंत्री (श्री लछमन सिंह): अभी मैं और सडकाउें को भी नाम बताऊंगा। सडकों की रिपेयर का काम स्लो हैं मैं सरकार से उम्मीद करता हूं कि सरकार अगली बरसात आने से पहले इनकी मुरम्मत का इंतजाम करेगी। चीफ मिनिस्टर साहब भी जाकर सडकों की हालत देख सकते हैं। यह काम बरसात से पहले होना चाहिए वरना जो थोडी बहुत बची हैं, वे भी बरबाद हो जायेंगी। पिछले सै ान में भी मैंने सडकों के बारे में लिख कर दिया था। लेकिन अफसोस के साथ कहना पडता है कि इनकी मुरक्मत करने के लिये अभी तक एक भी कस्सी नहीं चली। इन सडकों के नाम ये हैं –गुलियाना से खेडी संदल, नरड से सेगा, अरसोला से भाी ाला तथा खेडी सरमअली से राहडा। जिन सडकों के बारे में पहले ही लिख कर दिया है कि उनका तो रिपेयर का काम होना चाहिए। मैं चीफ मिनिस्टर साहब से प्रार्थना करूंगा कि वे इस महकमे पर खास नजर रखें।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं ट्रांसपोट्र के महकमें के बारे में कहूंगा। चीफ मिनिस्टर साहब ने यह अच्छा काम किया कि जनरल मैनेजर के स्थान पर डी0एस0पी0 को लगा दिया। मैं तो डिप्टी स्पीकर साहब, यह कहूंगा कि सडकों और ट्रांसपोर्ट के महकमे को मिलिटरी के सुपुर्द कुछ समय के लिये कर देना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, जैसा कि बताया गया है कि ट्रांसपोर्ट में सरकार को इस वर्श 36 लाख रुपया का घाटा हुआ है, जिसमें से अकेले कैथल में 13.25 लाख का घाटा हुआ है।

डिप्टी स्पीकर साहब, बसों की हालत यह हे कि अगर आम जनता, बच्चे, बूढी और गर्भवती महिला उसमें चढ जाये तो उनकी बुरी हालत हो जाती हैं बसों का किया जाना चाहिये। रास्ते में बसों से कड कड की आवाज आती है। मैं एक मिसाल चाहता हूं बस नं 1590 हिसार से चण्डीगढ आती हैं। यह बस क्योडक से होती कैथल सुबह 6 बजे पहुंचती है। 7 तारीख को यह बस सुबह 6 बजे कैथल पहुंची। यहां यह खराब हो गई क्योंकि डीजी में पानी और ग्रीस थी। इस मिलावट को दूर करना चाहिए इससे बसों की खराबी नहीं होगीं तभी लोगों का भला होगां

डिप्टी स्पीकर साहब, स्पोर्टस के बारे में जो कदम उठाये हैं, वे अच्छे हैं। हरियाणा का राजेन्द्र सिंह इस साल दो दो गोल्ड मैडल लेकर आया है, बडौदा में अच्छे कोचिंग खोले जाने चाहिएं दूसरे प्राफैसर भीम सिंह हैं, वे यौग के अच्छे जानकार हैं सार पहला नम्बर लेकर आये हैं, उनको योगा का डायरैक्टर

बनाया जाये। उन्होंने 14 जनवरी को कुरुक्षेत्र और 17 जनवरी को कैथल में अपना कार्यक्रम दिखायाच जो लोगों ने बहुत किया। हर जिले में ऐसा सैंटर खोला जाना चाहिये। उनको डायरैक्टर बना कर यह महकमा बना दिया जाये।

डिप्टी स्पीकर साहब, बेरोजगारी का मसला बडी गम्भीर है लेकिन सरकार इसको दूर नहीं कर सकती। इस वक्त तीन लाख बेरोजगार बेकार बैठे हैं इस साल जो परीक्षाओं में पास होंगे वे भी बेकार हो जायेंगे। इसलिये कोई नये कदम उठाये जाये यह मसला सुलझ सके। जो लोग सर्विस में 55 साल पूरे कर चुके हैं उनको रिटायर दिया जाये। मैं तो यह राय दूंगा कि दिल्ली के पैटर्न पर जिनकी 25 साल की नौकरी 50 साल की उम्र हो गई है, उनको रिटायर कर दिया जाये ताकि नये लोगों को रोजगार मिल सके, इस तरह बेरोजगारी का मसला हल हो सकता है।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कुछ प्रोहीबि ान के बारे में भी कहना चाहता हूं सरकार असल नीति क्या हे ? एक तरफ तो भाराब के बडे बडे ठेके दे दिए और दूसरी तरफ भाराब बंदी की बात करते हैं। कई भाई कहते हैं कि भाराब बंदी नहीं होनी चाहिये। मैं भारा बे के बारे में बंदी चाहता हूं कि जितने भी एम0एल0एज0 और वजीर साहब हैं, वह एलान करें और मैं भी रामायण का भलोक 'प्राण जाए पर वचन न जाए' पढ कर ऐलान करता हूं और कसम खाता हूं कि भाराब कभी भी नहीं पीऊंगा।

उद्योग मंत्री (डा0 मंगल सैन): यह एलान आपने भााम तक का किया हैं हमे ाा के लिये किया है ?

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: मैंने यह एलान हमे ाा के लिए किया है। डिप्टी स्पीकर साहब, इंटों के भाव बहुत ज्यादा बढ गए हैं, आज जनता कैसे अपने मकान बनाए ईंट बनाने के लिए कोयला नहीं मिलता। यह मैं सुझाव देना चाहता हूं कि सरकार को खुद चलाएं यदि सरकार भट्ठों को खुद चलाएगी तो बेरोजगारो को काफी रोजगार मिलेगा। इस बजट में यह भी रखा जाए कि जितने सरपंच और पंच हैं उनके पास काफी जायदाद होती हैं उसमें बहुत हेराफेरी होती हैं। यदि हर महीने सरपंच और पंच को 200 और 100 रुपए दिए जाएं तो यह हेराफेरी दूर हो सकती है।

वित्त मंत्री (श्री मूल चन्द जैन): जो कुछ आपने कहा है क्या इसके बारे में आपने अपनी पार्टी से पूछ लिया है ?

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: जिस पार्टी में मैं हूं उसमें आप भी तो रहे हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, आजकल हरियाणा में भाादियों की बहुत बुरी परम्परा चली हुई है। लोग टीके बहुत ज्यादा लेते हैं। भाादियों मैं नाजायज खर्चा करते हैं और दहेज भी बहुत ज्यादा लेते हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कहना चाहूंगा कि इसके लिए एक पब्लिसिटी सैल बनाया जाए जो हर गांव में इस बात की पब्लिसिटी करे कि भाादी में नाजायज खर्च न हों और ज्यादा दहेज कोई न ले। वह सैल दहेज के विरूद्ध प्रचार करे

और इस प्रथा को खत्म करने के लिए लोगों का हौसला बढाये। डिप्टी स्पीकर साहब, इस सैल को ज्यादा प्रोत्साहन दिया जाए ताकि गरीब आदमी की लडकी भी ठीक भाादी करवा सके। इस प्रथा के कारण लोग कहीं लडकियों को मार रहे हें, कहीं छोड रहे हैं। यह बुरी परम्परा सैल बनाने से खत्म हो जाएगी। इसके बाद डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि जो बूढे और बच्चे हैं उनको पैं ान दी जाए। अब हमारे पास पैसे की कोई कमी नहीं है। जितना चाहें पैसा निकलवा सकते हैं। अगर आप टेक्स की लीकेज को खत्म कर दें तो आपको और टैक्स लगाने की जरूरत नहीं है। मैंने उनके अफसरों से कहा कि आप टैक्स दें। उन्होंने कहा कि हमारे पास तो कोई सबूत नहीं है। मैं उन भाो की कुछ टिकटें सदन के पटल पर रखना चाहता हूं इनमें कुछ 5 रुपए की कुछ 10 रुपए की और कुछ 25 रुपए की हैं।

Mr. Deputy Speaker: Please givt it to the Secretariat. It will be examined and, if permissible, allowed to be laid on the Table of the House.

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: मैं यह कहना चाहता हूं कि टैक्टस की लीकेज को रोका जाए और जो कसूरवार हैं उनको सजा दी जाए। टैक्स मुकम्मल तौर पर वसूल किया जाए ताकि लोग हैवी टैक्से ान से बच सकें।

इसके बाद मैं गऊ माताओं के बारे में कहना चाहता हूं बहुत सी गऊ माताएं कटने के लिए ले जाई जाती हैं, मैं इसके

बहुत खिलाफ हूं गऊओं की भलाई के लिए एक ड्राई फार्म खोला जाए ताकि जो लाग गऊ नहीं रखना चाहिते, वे उन गऊओं को उस ड्राई फार्म में भेज सकें। इस तरह गऊओं की जान बचाई जा सके।

डिप्टी स्पीकर साहब, इसके बाद मैं बिजल की महकमे के बारे में कहना चाहता हूं कि बिजली का महकमा बहुत लापरवाही से काम करता है जिससे आम जनता का बहुत नुक्सासन होता है। अभी पिछले दिनों कैथल तहसील के एक गांव में 23 दिसम्बर 1978 को 2 बच्चे और एक भैंस बिजली से मरे। कारण यह बताया गया है कि यह बिजली विभाग की लापरवाही के कारण मरे हैं। जिन कर्मचारियों की यह लापरवाही है उनको सजा दी जाए। मैं सरकार से मांग करता हूं कि बिजली के कारण जिनके बच्चों और भैंस की जान गई है उनको मुआवजा देने का एलान किया जाए क्योंकि इन सब बातों की जिम्मेदारी सरकार की होनी चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, चण्डीगढ़ में हमारी सरकार द्वारा मकान बनाने के लिए इस बजट में कहीं भी पैसा नहीं रखा गया हैं उधर पंजाब सरकार चण्डीगढ़ में 1300 मकान बना रही हैं मैं कहना चाहूंगा कि जब तक चण्डीगढ़ का आखिरी फैसला न हो जाए तब तक पंजाब सरकार कैथल में सरकारी बिल्डिंगज नहीं हैं। वहां न तो सब जेल की बिल्डिंग है और न ही तहसील की बिल्डिंग है। लोग होस्पीटल मैं बैठे रहते हैं। इसलिए सरकार से मेरी प्रार्थना है कि कैथल में सरकारी बिल्डिंगज अव य बनाई

जाएं। डिप्टी स्पीकर साहब, कैथल में आई0टी0आई0 की बिल्डिंग काफी बडी है लेकिन उसमें ट्रेडज बहुत कम हैं। यदि रेडियो, टैलीविजन, हिन्दी और अंग्रेजी स्टेनाग्राफी के ट्रेडज और दे दिए जाएं तो इससे आम आदमी का भला हो सकेगा। डिप्टी स्पीकर साहब, टयूबवैल से जो वाटर सप्लाई जोती है उसका रेट सरकार ने बढा दिया है। मैं इसकी मुखालफत करता हूं। नहरी पानी पर मालिया पहले से ही बहुत ज्यादा लगा हुआ है। इसलिए टयूबवैल वाटर सप्लाई पर से यह टैक्स वापिस लिया जाए। इसको पास न किया जाए और जो जमीन पर टैक्स लगा रहे हैं। वह भी सारे का सारा वापिस लिया जाए। किसानों के ऊपर तो पहले ही काफी टैक्स लगे हुए हैं। उनके ऊपर और ज्यादा टेक्स न लगाए जाएं। इसके बाद जो आपने हलवाईयों के ऊपर टैक्स लगाया है वह भी नहीं लगाया जाने चाहिऐं। जो बडे बडे सरमाएदारों के बडे बडे काम हैं जैसे सिनेमा हैं, फैक्टरीज हैं, जिनसे उनको बहुत ज्यादा फायदा होता है उनको नै ानेलाइज कर के खुद अपने हाि में लेकर सरकार आमदनी का जरिया बनाएं इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार ने जो बसों के किराए में वृद्धि की है इससे गरीब जनता पर काफी बोझ पडेगा इसलिए इसको भी वापिस लिया जाए। इन भाब्दों के साथ मैं आपका भाुक्रिया अदा करता हूं और एक बार फिर अपने मुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना करता हूं कि किसानों के ऊपर टैक्स न लगाया जाए। यदि किसानों पर टैक्स लगाया जाता है तो मैं इस बजट की पुरजोर मुखालफत करता हूं।

श्री जय नारायण वर्मा (बरवाला): उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी जगजीत सिंह पोहलू ने सदन में इस बात की घोशणा की है कि वे आज के बाद कभी भाराब नहीं पीयेंगे। उन्होंने बाकी लोगों के लिए एक मिसाल पे ा की है, एक अच्छा काम किया है, मैं उनको इस बात पर बधाई देता हूं। पोहलू साहब ने एक बात और की है और वह यह है कि लोकतान्त्रिक पारिपाटी के अन्तर्गत अपोजी ान के बैंचिज की तरफ से बजट की डिबेट को भुरू किया जाता है। पोहलू साहब के जिम्मे इस डिबेट को आरम्भ करने का काम सौंपा गया था और इन्होंने इस काम को अच्छी तरह से निभाया। यह मैं मानता हूं कि इन्होंने बडे अच्छे ढंग से चर्चा की है। इससे पहले विपक्ष का एक स्वभाव ही बना गया था कि आलोचना सिर्फ आलोचना करने के लिए की जाए। इस नाते से मैं चौधरी साहब को बधाई देता हूं कि उन्हौंने सुझाव की भाक्ल में अपने विचार सदन के सामने रखे। सुझाव इसलिए रखे क्योंकि उनको इस बात का अहसास है कि आज तक न केवल हरियाणा में बल्कि सारे दे ा में जनता पार्टी की सरकार ने जो बजट पे ा किया है वह प्रगति की चकाचौंध का प्रतीक बनकर आया है। आज तक हिन्दुस्तान के अंदर जो कुछ किया जाता रहा है वह गांव के लोगों का नाम लेकर किया जाता रहा है। हिन्दुस्तान गांवों का दे ा कहलाता है लेकिन आज तक जो सरकारें आई हैं वे सब गांवों का नाम लेती रही लेकिन गांवों की आमदनी का सारा पैसा गांवों पर खर्च करने की बजाये चंद लोगों के ऊपर खर्च किया जा रहा था। आज जनता पार्टी ने यह पैसा

गांवों पर खर्च करने का साहस ही नहीं किया बल्कि अपना मौलिक उत्तरदायित्व समझा है कि गांवों के पेसे को गांवों पर ही खर्च किया है और इस बात का एहसास पोहलू साहब को बराबर रहा है। बाढ की रोकथाम के लिए जिक्र किया गया, सडकों के बारे में जिक्र किया गया इसका जवाब देना मेरा काम नहीं है लेकिन मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि पोहलू साहब जब बोल रहे थे तो उनके भाशण से एक बात साफ जाहिर थी कि वे इस बात को मानते हैं कि आज तक किसी भी सरकार ने प्रकृति के प्रकोप को कुदरत की मार को पहले से नहीं जाना क्योंकि पहले ही प्रकृति का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। कुदरत की मार पड गई और पीडित लोगों को सुविधायें देने के लिए जो कुछ जनता सरकार ने किया है उसकी मिसाल नहीं मिलेगी। इस बजट में पीडिल लोगों के लिए जो प्रावधान किया है मैं समझता हूं इसके लिए हरियाणा सरकार और वित्त मंत्री महोदय बधाई के पात्र हैं। और पोहलू साहब को सूचित करना चाहता हूं कि हमारी सरकार और यह बजट आने वाले प्रकृतिक प्रकोप को रोकने के लिए सजग है। सरकार को भलीभांति इस बात का ज्ञान है और यही कारण है कि बजट को ग्रामोन्मुख बजट बनाया है। जैसा कि हम जानते हैं कि भारत एक कृशि प्रधान दे ा है और हरियाणा प्रांत वि ोशकर कृशि के ऊपर आधारित हैं। इसलिए सरकार ने गांवों में बसने वाले लोगों की हालत सुधारने के लिए अधिक जोर दिया है और यह बिलकुल वाजिब भी है। इसके साथ ही साथ खेती के सुधारने के लिए अधिक जोर दिया है और यह बिल्कुल वाजिब भी

है। इसके साथ ही साथ खेती के सुधार के मामले, किसानों को सबसिडी बीज और खाद देने के मामले और सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था करने के मामले में जो प्रावधान किए हैं वे काबले तारीफ हैं। **(इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य चौधरी प्रताप सिंह ठाकरान पदासीन हुए।)** चेयरमैन साहब, गांवों में वही लोग बसते हैं जिनका गुजारा खेती पर निर्भर हैं। इनमें से किसी के पास 50 एकड धतरी है, किसी के पास 5 एकड और किसी के पास 1 एकड है; और कई ऐसे भी हैं जिनके पास जमीन बिल्कुल नहीं है। कृशि के ऊपर आधारितक का अर्थ यह है कि जिस के पास 50 एकड है वह भी कृशि पर आधारित है जिसके पास 5 एकड है वह भी और जिसके पास 1 एकड है या जो भूमिहीन हैं वह भी कृशि पर आधारित हैं। जिसके पास ज्यादा जमीन है वह भी कृशि पर आधारित है और जिसके पास कम है वह भी कृशि पर आधारित है। सरकार ने मौजूदा बजट में, गांवों में रहने वाले लोगों के लिए जो प्रावधान किए हैं, जो सुविधाए देने की बात कही है, मैं इसके बारे में अपने विचार रखना चाहता हूं। मिसाल के तौर पर हरियाणा में बहुत से ऐसे जमीदार हैं जिनके पास 1 एकड जमीन हैं यह तो ठीक है कि आंध्र प्रदे ा, केरल या कन्याकुमारी के इलाके के लोग एक या दो एकड जमीन में अपना गुजारा कर लेते हैं लेकिन हरियाणा में एक या दो एकड जमीन से गुजारा करना बडा मु कल है। हरियाणा में 74 प्रति ात से अधिक आदमी ऐसे हैं जो 5 एकड से कम जमीन रखते हैं। ये इस जमीन से अपने बच्चों का गुजारा नहीं कर

सकते, इसी लिए सरकार ने सहायक (एडी ानल) काम देने की योजना रखी है और वह योजना है प ुपालन। बजट में 1200 मिनी डेरी यूनिट बनाने का प्रावधान किया है, इसके लिए वित्त मंत्री जी बधाई के पात्र हैं। ये 1200 यूनिट गांवों के लोगों को अतिरिक्त काम देंगे, रोजगार देंगे। हमें इस बात का तो गौरव है कि हरियाणा को होने वाली आमदनी का 7.5 परसैंट रैवेन्यू, दूध और दूध से बनी चीजों से आता है और सरकार के खजाने में जमा होता है लेकिन इसके दूसरी तरफ इसमें एक वेदना छिपी हुई है; यह तो अच्छी चीज है कि सडकें बनी हैं, परिवहने के साधनों का विकास हुआ, दूध की बढौतरी के कार्य हुए लेकिन खेाद यह है कि गांव के मासूम बच्चों के मुंह से दूध छाछ छिनती जा रही है दूध सारा भाहरों में जा रहा है। मैं प ु पालन मंत्री महोदय से प्रार्थना करूंगा कि इस बात की ओर वि ोश ध्यान दें हम उनको सहयोग देंगे, प ु पालन के माध्यम से सहायोग देंगे, लेकिन सरकार की तरफ से इस तरफ तुरंत कदम उइाये जाने चाहिएं हर गांव में गरीब लोग रहते हैं जो छाछ से गुजारा करते हैं लेकिन वे छाछ से महयम हो रहे हैं। इस बात की व्यवसाि होनी चाहिए कि उन लोगों को दूध का काम दिया जाए दूध के केन्द्र बनाये जाने चाहिएं और दूध कहीं गांव में बिके। जो व्यक्ति इस सिस्टम को जानते हैं बडे योग्य व्यक्ति इस पर सोच सकते हैं एक्सपर्टस सोच सकते हैं कि कैसे सुधार हो सकता है। दूध इसलिए ज्यादा बिकता है कि दूध महंगा है और इसके मुकाबले में घी सस्ता है। सरकार ने 1200 मिनी डेरी यूनिट लगाने की एक योजना बनाई है लेकिन

इसमें एक भार्त है कि प्रार्थी के पास 1 एकड भूमि होना जरूरी है। जो लोग प ा पालन यूनिअ बनायेंगे उनके पास जमीन का होना आव यक है। सभापति महोदय, इस भार्त की आड में कही अवसरवादी लोग चतुर व्यक्ति ही फायदा उठा पायेंगें, कहीं ऐसा न हो कि गरीब लोग महरूम हो जाएं इसलिए इस भार्त को निकाल दिया जाए। गांव के अंदर छोटे किसानों के इलावा बे जमीन और मजदूर भी हैं। ये लोग इस भार्त के कारण प ा पालन यूनिट नहीं लगा सकते। इसके अतिरिक्त ये जो 1200 यूनिट लगाने हैं इनमें परिगतिणत जातियों और अनुसूचित जातियों के लिए 20 परसैंट का आरक्षण है। 10 यूनिट का सक समूह स्थापित किया जाए और इस तरह से 1200 यूनिटस के 120 समूह स्थापि होंगे जो सारे हरियाणा में काम करेंगे। इससे लोगों को काम भी मिलेगा और दूध और छाछ बढाने के साधन भी बनेंगे। 20 परसैंट आरक्षण अनूसूचित जातियों के लिए किया गया है और इसका जो उद्दे य है वह वीकर सैक ान आफ दी सोसाइटी (कमजारे वर्ग) को मदद करना है और सरकार भी मदद करना चाहती है। हमारे समाज का जो कमजोर वर्ग है उसकी हालत सुधारने के लिए 20 परसैंट रिजर्वे ान की`ई है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जहां अनुसूचित जातियों के लिए 20 प्रति ात आरक्षण है, वहां गांव के अंदर बैकवर्ड क्लासिज के तेली, धोबी, कुम्हार वगैरा गरीब आदमी रहते हैं जो जमीन के मालिक नहीं हैं। इनको भी दूध पालन स्कीम में आरक्षण की सुविधा दी जाए तो मैं समझता हूं कि इस सैक ान का भी भला हो जाएगां

सभापति महोदय, यह भी गौरव की बात है कि हमारी सरकार ने इस बजट के अंदर खेतीबाडी के साथ साथ ग्रामीण उद्योग को भी प्रोत्साहन देने का प्रावधान किया है। सभापति महोदय, आप जानते हैं कि आज तक न केवल इस राज्य में न केवल इस दे ा में बल्कि सभी जगह सदा से यह रीति रही है कि संपंन लोग गरीबों के नाम पर लाभ उठा रहे हैं। हमारे पोहलू साहब ने भी इस बात का जिक्र किया मैं उन्हें इस बात के लिए बधाई देता हूं। उन्होंने गांव के अंदर से सामाजिक कुरीतियों को दूर करके खु ाहाली लाने की जो बात कही उस पर हमारी सरकार अमल कर रही है। सभापति महोदय, औद्योगिक क्षेत्र के अंदर बजट में सरकार ने बेरोजगार पढे लिखे युवकों द्वारा उद्योग धंधे भाुरू करने का जो प्रावधान किया है यह विकास की सही दि ाा में चलने वाले राज्य का एक प्रतीक है। आज अपोजि ान बैंचिज की तरफ से यह आवाज आती है कि बेकारी के सुरसा के मुंह को कैसे बंद करे। सुरसा का मुंह बंद हुआ थां रामायणकाल में इसे हनुमान ने बंद किया था या आज हमारी सरकार बंद कर रही है। भगवान करे कि यह इस काम में सफल हो कयोंक इसकी नीयत साफ है और कदम सही दि ाा में उठ रहे हैं लेकिन इसके बारे में मैं एक बात कहना चाहता हूं। ग्रामीण उद्योगों के लिए जहां पैसे की सुविधा, टैक्निकल गाईडैंस की सुविधा और मार्किटिंग की सुविधा दी गई है वहां एक और सुविधा दी गई है जिसका वर्णन करना आव यक है। एक वक्त था जब एक व्यक्ति कहता था कि साहब हमें कर्जा दीजिए लेकिन आज सरकार

नागरिक के पास जा रही है कि आईए हम आपको काम देना चाहते हैं आप बताएं कि आप क्या काम कर सकते हैं। इसके लिए प्रत्येक जिले में डी0आई0सी0 खोले जा रहे हैं। सभापति महोदय, इसमें एक बुनियादी बात छिपी हुई है कि मांगने वाला सरकार के पास न जाए बल्कि अधिकारी जरूरतमंदों के दरवाजे पर जाएं यह योजना बताती है कि वाक्या में यह बात गौरव की है। लोक राज में सरकार का यह नि ाना होता है कि सरकार लोगों के पास जाए, लोगों को नौकर ाही का चक्कर न काटना पडे। इस दि ाा में सरकार ने चूंकि यह कदम उठाया है इसलिए मैं इस बात के लिए सरकार को दाद देता हूं और बधाई देता हूं।

सभापति महोदय, एक और बात के लिए भी मैं सरकार को बधाई देता हूं। समाज कल्याण विभाग के लिए एक विपुल रा ि ा हमारे बजट में परपोज की गई हैं यह सही है कि हम कल्याणकारी राज्य बनाना चाहते हैं। हमारी बुनियादी मं ाा किसी एक वर्ग के लोगों की भलाई करने की नहीं है बल्कि एक समरस समाज बनाने की है। वैल्फेयर स्टेट के अंदर जब तक सभी लोगों के पास अपना गुजारा करने के लिए कोई काम नहीं होता तब तक सहायता देना आव यक है। इसके लिए वैलफेयर डिपार्टमैंट बडी अच्छी योजना लेकर आ रहा है। हमारे मुख्य मंत्री जी ने बार बार इस बात को कहा है कि अनुसूचित जातियों के लोगों के विद्यार्थियों को वर्दियां दी जाएंगी, स्टाइपैंड दिया जाएगा, छात्रवृत्ति दी जाएगी और उनकी फीस माफ होगी। यही नही, सभापति

महोदय, इस बजअ में एक नई चीज भी है। वह यह कि इस वर्ग की आठवीं कक्षा तक की लडकियों को निः ाुल्क वर्दी देने की व्यवस्था भी की गई है। यह बहुत अच्छी बात है कि क्योंकि मैं मानता हूं कि जिसको हम ि ाक्षित बनाना चाहते हैं उसके बारे में हम यह देखें कि उसे न केवल स्लेट या पैंसिल की जरूरत होती है बल्कि यह देखना तो इससे भी पहले है कि जो बालिका स्कूल में जाती है, वइ अर्द्ध नग्न अवस्था में जाती है या नग्न अवस्था में जाती है या किस हालत में जाती है। मैं इस बात के लिए इस बजट की प्र ांसा करता हूं लेकिन साथ ही साथ समाज कल्याण विभाग से यह प्रार्थना भी करता हूं कि इस स्कीम में पिछडे हुए वर्ग के लोगों को भी भाामिल कर लिया जाए।

सभापति महोदय जी हम जानते हैं कि जब किसी बहिन का पति इस संसार से चला जाता है तो पीछे जो परिवार रहता है उसका गुजारा होना मु ि कल हो जाता है। ऐसी विधवा औरतों के लिए हमारी सरकार ने निः ाुल्क सिलाई सिखाने की योजना बनाई है। यह बात भी बडी सुंदर है लेकिन इसमें भी मैं एक सं ाोध्न करवाना चाहता हूं। यह स्कीम केवल अनुसूचित जाति की विधवाओं के लिए है लेकिन मैं चाहता हें कि यह स्कीम तमाम वर्ग की विधवाओं के लिए होनी चाहिएं चाहे विधवा किसी हरिजन की हो, चाहे बैकवर्ड क्लास की हो, चाहे किसी भी जाति की हो, बडे आदमी की हो, यह स्कीम समाज के तमाम वर्ग के लोगों के लिए होनी चाहिए।

एक बात सभापति महोदय, मैं हाउस बिल्डिंग लोन की बाकत कहना चाहूंगां इस बजट में 8 लाख 20 हजार रुपये का प्रोविजन केवल अनुसूचित जातियों के लिए रखा गया है। यह भी एक अच्छा कदम है। इसमें भी मेरा सुझाव यह है कि समाज के दूसरे कमजोर वर्गों अर्थात बैकवर्ड क्लासिज को भी इस योजना में भाामिल कर लिया जाए। हाउसिंग बोर्ड ने मकान बना कर देने की जो परम्परा डाली है, यह बहुत सुंदर परंपरा है। जो भाई, जो गरीब व्यक्ति, कम आमदनी वाला व्यक्ति मकान नहीं बना सकता या मकान बनाने के लिए इतना लोन नहीं ले सकता उनके लिए यह बडा अच्छा मौका है कि वह बना बनाया मकान ले ले और कि तों में सरकार को पैसा देता रहे। लेकिन इसमें मैं एक अर्ज करना चाहूंगा कि इस बात को सुनि चत कर लिया जाए कि कहीं लो इंकम वालों के नाम पर साधन सम्पन्न लोग ही इस स्कीम का फायदा न उठा जायें और जिनके लिए यह मकान बने हैं वे फायदा न उठा सकें। मिसाल के तौर पर रोहतक की एक बात मैं सदन के सामने रखना चाहता हूं। एक अच्छे डाक्टर ने अपने परिवार के एक सदस्य के नाम से आवेदन पत्र दे दिया कि आमदनी अमुक सीमा से कम है और मकान उसको अलाअ हो गया। इसलिए मेरा निवेदन है कि सरकार इस बात की पूरी कोि ा ा करे कि जिन गरीब लोगों के पास साधन नहीं हैं जिनकी एक सीमा से कम आमदनी है जिनके लिए यह योजना बनी है उनको ही ऐसे मकान मिले और दूसरे लोग इस योजना को झपट न लें। सभापति महोदय, इस बजट में टैक्स की बढौतरी की

गई है। किसी भी राज्य के कार्य को चलाने के लिए राजस्व की वसूली भी करनी पडती है और करों में बढौतरी करनी पडती है। विकास कार्यों पर खर्च करने के लिए सरकार को आमदनी के साधन भी जुटाने पडते हैं। मैं इस बात के लिए वित्त मंत्री महोदय जी को बधाई देता हूं कि उन्होंने दोनों बातों की और ध्यान दिया है और कई बातों में लोगों की राहत भी दी हैं किसानों को सवा छः एकड तक का मालिया माफ किया है, इसके लिए उनको बधाई देता हूं लेकिन उनको मैं यह बताना चाहता हूं कि जिन लोगों के पास साढे छः एकड भूमि है वे कोई बहुत बडे भूमिबान नहीं हो जाते, वे भी गरीब किसान होते हैं इसलिए मेरा निवेदन है कि सवा छः एकड से लेकर 10 एकड तक जमीन रखने वाले किसासनों के मालिये में बढौतरी नहीं की जानी चाहिए। वैसे तो हमारी टैक्स कमेटी भी बनी है वह भी इस बारे में विचार कर रही होगी परन्तु मेरा भी सदन के समुख सुझाव है कि मालिया की प्रस्तावित वृद्धि 10 एकड तक माफ न की जायें

इसी प्रकार से पानी के ऊपर भी आबियाना बढाने का प्रस्ताव आया है। इस विशय में मेरा सरकार से सुझाव है कि पुनर्विचार कर इसे वापिस लें और मुझे यह भी लगता है कि इस पर पुनर्विचार किया जा रहा होगा।

सभापति महोदय, मैं ट्रांसपोर्ट के बारे में भी कुछ विचार रखना चाहता हूं सरकार की तरफ से बजट में बसों में किराये की वृद्धि के विशय में भी प्रस्ताव आया है जो आज बडी चर्चा का विशय बना हुआ है। लेकिन जब बसों की हालत को देखते हैं कि तो बहुत दुःख होता है। बसें टूटी हुई हैं, कई इलाकों में बसें पूरी नहीं हैं और सडकें भी खराब हैं। इन सभी बातों को देखते हुए साधन जुटाने भी जरूरी हैं अगर हम अपनी परिवहन को ज्यादा सुंदर और आमदनी के ज्यादा साधन बढाना चाहते हैं तो ज्यादा खर्च होना स्वाभाविक है। लेकिन साढे बारह परसैंट बसों के भाडे में वृद्धि होना उचित नहीं है। इसलिए इस बारे में भी सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए। जो हम करों से परिवहन की आमदनी बढाना चाहते हैं। उसकी जगह टिकटों में हेराफेरी जो होती है आमदनी की चोरी होती है, उसकी अधिक चैंकिंग कर, इसे रोक कर जो आय बढेगी उससे घाटे की पूति हो सकती है, और भी दूसरे साधन इस बारे में सोचे जा सकते हैं।

सभापति महोदय, मैं केवल दो मिनट और लेना चाहता हूं। सरकार ने बजट में वि ोश रोजगकार केन्द्र स्थापित करने का भी प्रावधान किया है। वैसे तो सरकार ने पहले ही रोजगार केन्द्र खोले हुए हैं लेकिन इस बजट में वि ोश रोजगार केन्द्र बनाये जाने का प्रावधान अनुसूचित जाति के लोगों के लिए किया है। मैं इस बात के लिए सरकार को बधाई देता हूं। इसमें ि ाडयूल्ड कास्ट को कवर किया गया है। ऐक्स सविर्समैन वैसे तो इस में

कवर नहीं हैं लेकिन ऐक्स सर्विस मैन के लिए सोलजर बोर्ड बना हुआ है जो रिक्रूटमैंट में मदद करता है। परन्तु जो हमारे बैकवर्ड क्लासिज के भाई हैं उनके लिए भी यह सुविधा मिले तो उनका भी भला हो सकता है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इन लोगों को भी इस स्कीम में भाामिल किया जाये। सभापति महोदय, हम सभी बहुत अच्छी तरह से जानते हैं कि हमारे बजट का मुख्य मं ाा क्या है ? अगर थोडा बहुत नीचे ऊपर करना पडता है तो भी हमारी नीयत साफ है और जो भी साधन अपनाये जा रहे हैं वे भी बडे सुंदर हैं क्योंकि हमारे जो उद्दे य हैं वे बडे पाक हैं। इन पाक उद्दे यों के पीछे हमारी सरकार की नीयत साफ है इसलिए जो कर बढाये गये हैं उनको कम करने के लिए सरकार कोई न कोई रास्ता निकालेगी। इस बजट में जो एकाध बातें ऐसी हैं जिनमें सुधार की गुंजाइ ा है इसलिए सरकार इस तरफ अव य ही ध्यान देगी। इन भाब्दों के साथ मैं फाइनैंस मिनिस्टर साहब का और मुख्य मंत्री महोदय जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने बहुत अच्छी योजनायें इस बजट में रखी हैं और जनता की भलाई के लिए कार्य करने का प्रयास किया है। मैं इस बजट की ताइद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी उदय सिंह दलाल (बादली): चेयरमैन साहब, मैं आपको बधाई देता हूं कि आपने बजट पर बोलने के लिए मुझे पहले ही दिन मौका दे दिया। मैं तो पहले ही हाईकोर्ट में फंसा हुआ हूं और मुझे बहुत की कम टाईम यहां हाउस में मिलता है।

चेयरमैन साहब, हमारी सरकार ने जो बजट पे ा किया है, मैं उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं और अपने कुछ सुझाव भी सरकार के सम्मुख रखने के लिए खडा हुआ हूं।

इस बजट की आइटम नं0 8 इरीगे ान के बारे में है। हमारी सरकार ने बजट में कई योजनायें बनायी हैं। जैसा कि उन्होंने बजट में दिया है कि नहरों को पक्का कर रहे हैं, खालों को पक्का कर रहे हैं। इनके पक्का करने से जो आज कल मौजूदा आबपासी हो रही है वह डयौढी हो जायेगीं दूसरे हमारी सरकार ने फ्लड की रोकथाम का बडा भारी प्रबंध किया है। इस बात के लिए भी मैं सरकार की सरहाना करता हूं। पिछले साल और इस साल भी इतनी भयानक बाढ आयी जिससे हरियाणा का बहुत बडा नुक्सासन हुआ है। लेकिन हमारी सरकार ने काफी साधन जुटा कर उनका प्रबंध किया। जिन इलाकों में बाढ आई उनमें ड्रैंज और बांध बनाने का काम बडे जोरों भाोरों से सरकार ने किया। चेयरमैन साहब, आपको पता है कि मेरा इलाका फ्लडढ की मार में रहता है इसलिए मैं उसके बारे में कुछ विचार हाउस में रखना चाहता हूं मंत्री जी यहां पर मौजूद नहीं हैं, वे यहां पर होते तो और भी अच्छा रहता।

सभापति महोदय, दिल्ली सरकार ने धांसा बांध की दस हजार क्यूसिक कैपेसिटी बढाने का वायदा किया था परन्तु दिल्ली सरकार ने अभी तक वह वायदा पूरी नहीं किया है। अभी कुछ महीनों बाद बरसात का मौसम आने वाला हैं अगर बरसात से

पहले यह ठीक नहीं हुआ तो मेरे इलाके को बहुत नुक्सान होगा। इसी तरह से मेरे हलके में साहबी नीदी की भी पानी आ जाता है उसकी तरफ सरकार का खासतौर पर तवज्जोह देनी चाहिए। ड्रेनों को बढा कर फ्लड के पानी को जमना में डालने का प्रबंध किया जाना चाहिए। अब से पहले जो सरकार ने बाढ के लिए प्रबंध किया है उसकी मैं सराहना करता हूं लेकिन इसके साथ ही साथ एक सुझाव भी देना चाहता हूं और अपील भी करता हूं कि किसी भी कहकमे के डिपार्टमैंअल चार्जिज 15–20 परसैंट से ज्यादा नहीं हैं, चाहै कोई सडक बनानी हो या कोई अन्य काम करना हो, लेकिन एम0आई0टी0सी0 के डिपार्टमैंटल चार्जिज साढे सताइस परसैंट हैं, जो बहुत ज्यादा हैं। ये आइंदा के लिए कम होने चाहिएं और जो पहले के लगे हुए चार्जिज हैं वे माफ होने चाहिए। जमीदारों पर नाजायज खर्चा है। इसके साथ साथ मैं यह भी सुझाव दूंगा कि जो साल साल की मियाद पैसा वसूल करने की रखी हुई है यह दस साल होनी चाहिए। इस दस साल के अर्से में अगर कोई खाल टूटे तो उसकी मरम्मत भी एम0आई0टी0सी0 के द्वारा होनी चाहिए। चेयरमैन साहब, जहां तक नहर के पानी का सवाल है, उसके लिए मैं अपनी सरकार और इंजीनियर्ज को बधाई देता हूं इस साल जितना पानी नहरों में चला है इतना पहले कभी नहीं चला था। इसके लिए मैं सरकार का बहुत धन्यवादी हूं।

दूसरा आइटम पावर के बारे में है। इस बारे में भी सरकार ने काफी अच्छे कदम उठाये हैं। पिछले कई सालोकं से

बिजली पर कट लगता आ रहा था और जमीदारों को दिन की बजाए रात को बिजली मिलती थी सरमायेदार निजाम जोरों पर था, दिन में थोडे से टाईम के लिए बिजली मिलती थी। अकसर रात को ही बिजली मिलती थी। जनता सरकार ने दिन में बिजली देने का प्रबंध किया और पहले से ज्यादा बिजली देने का भी प्रबंध किया। सबसे अच्छा सरकार ने यह प्रबंध किया है फ्लैट रेट पर बिजली के पैसे किसानों से चार्ज करने आरम्भ किये हैं। अब मैं बिजली विभाग के सुधार के लिए सुझाव देना चाहता हूं कि जो गुरूकुल, गुरूद्वारे या मन्दिर गर्मियों में दो महीने कै लिए टयूबवैल्ज के कुनैक ान ले लेते हैं और दस महीने तक टयूबवैल्ज बंद रखते हैं उनसे सारे साले के चार्जिज न लिये जायें क्योंकि वे प ुिओं को पानी पिलाने का प्रबंध करते हैं। वे धर्म का काम करते हैं। उन पर लाइन चार्जिज और दूसरा फुटकल खर्चा डाल कर काफी अमाउंट डयू हो गया है यह माफ किया जाना चाहिये। फ्लैट रेटस पर बिजली का खर्च चार्जन किया जाये क्योंकि वे तो दो महीने टयूबवैल चलाते हैं। लेकिन महकमा बदस्तूर उनसे चार्ज करता रहता है। इसीलिये मैं यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि सरकार इस चीज को चैक करै और इस किस्म के अमांउट को माफ किया जाये अगर चार्ज करना है तो जितने दिन वे मीटर चले हैं उतने दिन का चार्ज किया जाये।

इसके अलावा चेयरमैन साहब, हमारे एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट की बाबत काफी स्कीमें यहां पर आयी हैं। मैं आपके

द्वारा मंत्री जी को और सरकार को इस बात के लिए बधाई देता हूं कि नये नये बीज, खाद मुहैया कराने के मामले में हमने ज्यादा से ज्यादा तरक्की की हैं इसके इलावा हम काफी रकबा जेरे का त भी लाये हैं। बीज और खाद सस्ते दामों पर मुहैया कराने की तरफ भी काफी काम हुआ है। जरायत की तरफ हमारी सरकार ने खास तौर पर किसानों की पैदावार बढाने के लिये जितने ज्यादा से ज्यादा कदम उठा सकती थी उठाये हैं लेकिन मुझे एक बात का दुःख है। यह चाहे हमारी बदकिस्मती समझो चाहे हालात की मार समझो चाहे कोई और बात समझो, किसाने जो चीज पैदा करता है, उसको उसकी पैदावार की पूरी कीमत नहीं मिलती जो चीज वह बेचता है उसकी तो पूरी कीमत नहीं मिलती लेकिन जिस चीज को उसने खरीदना होता है वह उसे दोगुने तिगुने दामों पर मिलती हैं। मैं आपको बताऊं एक जीटर ट्रैक्टर की कीमत 13000 रुपए उस वक्त होती थी जिस वक्त गेहूं का मूल्य 30–35 रुपए और गुड का मूल्य 40 रुपए क्विंटली होता था। आज उसी ट्रैक्टर की कमीत 40000 रुपए हो गयी है। लेकिन इसके मुकाबले में आज उसके गन्ने को कोई नहीं पूछता। लोग गन्ने को चूल्हों में जलाने लग रहे हैं। इसीलिये मैं आपसे प्रार्थना करूंगा यह ठीक है कि आने उसकी पैदावार बढाई है लेकिन उसकी पैदावार की सही कीमत तो कम से कम दिलवाई जाये। आप देखें उसकी खरीदने की भाक्ति बिल्कुल ही कम रह गयी है। क्योंकि उसकी पैदवार की कम कीमत मिल रही है आप देखें आज किसान की सारी की सारी जमीन बैंकों के पास गिरवी रखी हुई हैं इस बात के लिये तो मैं

सरकार को बधाई देता हूं कि उसने पैदावार बढाने में उसकी काफी मदद की है और काफी से ज्यादा योजनाएं बना रखी हैं। सरकार जमीदानों की पैदावार को हैफड की मार्फत या दूसरी एजेन्सियों की मार्फत खरीदे लेकिन उसे उचित भाव दिलवाने का प्रबंध अव य करे और यह जो ट्रैक्टर इत्यादि के इम्पलीमैंटस हैं, इनको सस्ते भाव पर दिलवाने का प्रबंध करे।

अब मैं एनीमल हस्बैंडरी की बाबत भी सरकार को बधाई देना चाहता हूं। मंत्री जी को भी बधाई देता हूं कि पिछले दिनों इनके महकमे ने बधाई योग्य काम किया है। इस डिपार्टमैंट के नये नये अस्पताल खोले हैं और प ाुओं की अच्छी नस्लों को बढावा देने के लिये वि ोशकर गाय वगैरा को पालने के लिये अच्छी सुविधाएं दी हैं यह बहुत अच्छा काम इन्होंने किया है। (व्यवधान) इस महकमें का काम सराहना के लायक है। मुझे उम्मीद है और मैं आपकी मार्फत सरकार को और संबंधित मंत्री महोदय को यह बधाई देना चाहता हूं कि वे किस तरह से अपने महकमें को आगे से आगे बढाते चल जा रहे हैं। इसी तरे से चेयरमैन साहब, डेयरी की तरफ भी हमने काफी प्रगति की है। हमारी स्टेट को वर्ल्ड बैंक की तरफ से भी रुपया मिला हैं डेयरी के नये नये प्लांट लगाये जा रहे हैं। मुझे यह भी पता लगा है कि हमारे हरियाणा में इस वक्त दूध का जो भाव दिया जा रहा है, वह भाायद ही किसी दूसरी स्टेट में दिया जा रहा हो। इसके लिए भी डिपार्टमैंट बधाई का मुस्तहिक है। लेकिन मैं आपकी मार्फत

सरकार से एक प्रार्थना करना चाहता हूं। बल्लभगढ डेयरी प्लांट का काम पिछले दो साल से चल रहा है लेकिन वह अभी तक मुकम्मल नहीं हुआ है। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि इसे जल्दी से जल्दी मुकम्मल करके चलाया जाये। अंत में मेरा इस डिपार्टमैंट के मुताल्लिक यही कहना है कि इस डिपार्टमैंट का काम भी सराहना के लायक हैं।

कोआप्रे ान डिपार्टमैंट ने भी काफी तरक्की की है। एक तो इन्होंने यह किया कि ये 1600 गोदाम बनाने जा रहे हैं। इस काम के लिये सरकार एक एकड जतीन हर गांव में लेगी और और यह गोदाम सरकार की तरफ से बनायेगी। इसके अलावा सरकार किसानों के लिये यह भी सोच रही है कि जो अनाज उनके घरों में पडा हुआ है उसके ऊपर बैंक उनको कर्जा दें। चेयरमैन साहब, मैं आपके द्वारा सरकार को और मंत्री जी को इस बात के लिये बधाई देना चाहता हूं कि जिसके वे मुस्तहिक हैं। हमारी पिछली सरकार ने चुनाव सिस्टम खत्म कर दिया था और अपने अपने आदमियों को एडमिनिस्ट्रेटर के तौर पर लगा दिया था। लेकिन हमारी सरकार ने आते ही इस सिस्टम को खत्म किया। एक चरण तो चुनावों को खत्म हो गया है। और अब दूसरा चरण भाुरू होने वाला है जो जल्दी ही भाुरू हो जायेगा। हमारी सरकार यह चाहती है कि जितने भी डैमोक्रेटिक अदायरे हैं, वे चुने हुए आदमियों द्वारा चलाये जायें, लोगों द्वारा चुने हुए

आदमी उनका प्रबंध करें। इस महकमे ने भी इस तरह से सराहना योग्य काम किये हैं।

जहां तक पंचायती राज का ताल्लुक है उसके लिए एक कमेटी बनी हुई है और उस कमेटी का मैं भी एक मैम्बर हूं। सरकार पूरी तरह से उस तरफ गौर कर रही है कि पंचायतों को ढांचा किसी तरह से ठीक किया जाये। किस तरह से उनको पूरे अख्तियारात दिये जायें और गांव की पार्टीबाजी को खत्म किया जाये। इसकेल अलावा अ ाोक मेहता की अध्यक्षता में जो पंचायती राज के सिलसिले में कमेटी बनी हुई थी, उसकी जो सिफारि ाात हैं, उनके ऊपर भी गौर हो रहा है कि सरपंच और पंचों को बिना वजह खामखाह ससपैंड होने से किस तरह से मुक्ति दिलायी जाये। यह सारे मसले सरकार के विचाराधीन हैं चेयरमैन साहब, खासतौर पर हमारे एक आनरेबल मैम्बर चौधरी जगजीत सिंह पोहलू जी ने एक बात कह कर हमारा दिल खट्टा कर दिया। सडकों का जहां तक ताल्लुक है हमारी सडकों की हालत कई स्टेटों से अच्छी है। जहां तक सडकों की मुरम्मत का सवाल है जब से यह कहकमा सरदार लछमन सिंह जी के पास गया है, तमाम हरियाणा में हिन्दुस्तान के रिकार्ड टूट रहे हैं। इसलिये जितनी सरदार लछमन सिंह जी की सराहना की जाये, उतनी कम है। जिस दिन से यह महकमा उनके पास आया है, उन्होंने पिछली सारी कमी पूरी कर दही है। सडकों की मुरम्मत भी चल रही हैं नई सडकें भी बनने लग रही हैं 90000 के करीब आदमी इस काम

पर लगे हुए हैं। मजदूरों की कमी होने के कारण गांवों में काम करने के लिये आपको मजदूर नहीं मिलेंगे। पता नहीं ये कहां रहते हैं कहां घूमते रहते हैं। इसा महकमे की जितनी सराहना की जाये उतनी ही कम है मुझे उम्मीद है कि 30 जून 1979 तक हरियाणा के अंदर किलोमीटर के हिसाब से भाायद सारे हिन्दुसतान में सबसे ज्यादा सडकें बन जायेगी जो कि जनता सरकार के आने के बाद बनेगीं, इतनी किलोमीटर सडकें पहलें भाायद ही किसी मंत्री जी के टाईम में बनी होंगी। इस वजह से मंत्री जी खासतौर पर बधाई के पात्र हैं। इसके अलावा चेयरमैन साहब, मुख्यमंत्री महोदय ने यह एलान कर दिया है कि कोई भी हमारी पार्टी का कैंडीडेट जब तक 1982 के चुनाव में कार पर चलकर वोट मांगने के लिये आपके गांव में न आये तब तक आप उसको वोट बे ाक न देना। यह कितनी बडी चुनौती हैं यह इसलिये नहीं कहाकि ये बहुत बडे आदमी हैं बल्कि इसलिये कहा कि अगर आपकी गांव सडक से न जुडे तो आप बे ाक वोट न देनां जो एम0एल0ए0 गरीक हैं और कार नहीं ले सकते। लीडर आफ दि हाउस उनके लिये कार लेने का भी इंतजाम कर दिया वे लोन लेकर अपनी कार भी ले सकते हैं ताकि वे गांव में राय के टाईम पर कार लेकर जा सकें। इसलिये इस महकमे की जितनी सराहना की जाये, उतनी कम है।

17.00 बजे।

चेयरमैन साहब, जहां तक पीने के पानी का सवाल है। महकमे ने बहुत अच्छा काम किया है। चेयरमैन साहब, पब्लिक

हैल्थ डिपार्टमैंट का जहां तक सवाल है इसके बारेम में हमारी स्टेट सारे हिन्दुस्तान में सिर ऊंचा करके चल सकती है। इन्होंने न सिर्फ पीने का पानी दिया है बल्कि गांव गांव में फव्वारे चल रहे हैं। पहले हालत यह थी कि लोग गंदा पानी पीते थे, सडा हुआ पानी पीते थे, पे ााब मिला हुआ पानी तक लोग पीते थे और इसका नतीजा यह निकलता था कि लोग बीमार रहते थे। लेकिन अब वाटर सप्लाई डिपार्टमैंट ने गांव गांव में पीने का पानी साफ और स्वच्छ पहुंचाया है। साफ पानी पीने से न तो भविश्य में आदमी बीमार होंगे और न ही मवे ाी बीमार होंगे। चेयरमैन साहब, सरदार लछमान सिंह जी हाउस में आ गए हैं: मैं कहना चाहता हूं कि सारी योजनाएं और सारा पैसा तो सरकार का है लेकिन बरकत सरदार जी की है। जहां तक एजुके ान का ताल्लुक है इस महकमे ने बहुत अच्छा काम किया है। जितना काम कांग्रेस भाासन के तीस साल में नहीं किया गया उससे ज्यादा काम जनता सरकार ने पिछले दो साल में किया है। उस कांग्रेस सरकार ने उस जालिम सरकार ने मास्टरों के साथ बहुत ही गंदा व्यवहार किया था। ये हमारे मास्टर पूजा के लायक हैं और चेयरमैन साहब, आपको पता होगा कि पिछले जमाने में जब हम लोग पढा करते थे तो मास्टर के सामने कोई चारपाई पर भी नहीं बैठ सकता था लेकिन उस जालिम सरकार ने उन बेचारों मास्टरों के बिस्तर सिर पर रखवा दिये और उनको बहुत तंग किया। अब हमारे आर्य साहब ऐजुके ान मिनिस्टर साहब आए हैं । हमारे जो पन्द्रह सोलह हजार मास्टर थे उनका कोई भविश्य नहीं था।

उनको बडी चिन्ता रहती थी कि लेकिन हमारे आर्य साहब ने उनका बहुत भला किया है और उन सबको पक्का कर दयिा है। मैं अपने ऐजुके ान मिनिस्टर साहब से एक प्रार्थना करूंगा कि पिछले दिनों जो एजुके ान में कमी आ गई थी उसको पूरा किया जाये। चेयरमैन साहब, मैं सदन को बताना चाहता हें कि स्कूलों की ज्यादा से ज्यादा मुरम्मत की गई है। और ज्यादा से ज्यादा स्कूल अपग्रेड हुए हैं। मैं सरकार के नोटिस में एक बात लाना चाहता हूं कि ि ाक्षा के बारे में जहां सरकार इतना अच्छा काम कर रही है वहां एक जुल्म करने लग रही है। वह यह है कि रोहतक यूनिवर्सिटी को दिल खोलकर पैसा देने लग रही है। चेयरमैन साहब, उस पैसे को एक ही आदमी इस्तेमाल करने लग रहा है। मैं सरकार को सुझाव दूंगा कि वहां पर जितने भी तामीरात के काम हैं उनको पी0डब्लयू0डभ्0 के जरिए कराना चाहिए। आपको सुनकर ताज्जुब होगा कि वहां पर एक आर्किटेक्स मि0 झा है, उसको नक ो बनाने के लाखों रुपए दिए जा रहे हैं। मैं कह सकता हूं कि इस काम में वाईस चांसलर का कमी ान फिक्स है और मैं इस इल्जाम को प्रूव कर सकता हूं। हमारी सरकार को ऐसा नहीं करना चाहिए कि एक आदमी को रुपया दिए चली जाए और उस पर कोई चैक ने हो। वहां पर किसी झा के द्वारा किसी सैक्सेना की मारफत रुपया खर्च किया जा रहा है। चेयरमैन साहब, गांव के स्कूल तो बिना मुरम्मत के पडे हैं। बच्चौं के बैठने के लिए फ र्ा नहीं है और दूसरी तरफ लाखों रुपए का फर्नीचार खरीदा जा रहा है। वहां पर गलीचे खरीदे जा रहे हैं अभी मकान बना नहीं और

गलीचे पहले ही खरीदे जा रहे हैं। मुझे समझ नहीं आता उनको कहां रखा जाएगा। वी0सी0 सारे रुपए को बरबाद करना चाहता है। हमारी सरकार को इस इस तरफ ध्यान देना चाहिए। मैंने इस बारे में गवर्नर साहब, मु, मंत्री महोदय और एजुके ान मिनिस्टर साहब को चिट्ठी लिखी है और कहा है कि अगर सरकार इस आदमी को पैसा देना चाहती है तो इसका वजीफा बांध दे, लेकिन इस तरह से रुपया बरबाद न कराए। मैं इस बात को फिर दोहराता हूं कि वी0सी0 का इसमें कमी ान फिक्स है और मैं प्रूव कर सकता हूं, अगर प्रूव न करूं तो इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं।

चेयरमैन साहब, जहां तक स्पोर्ट के महकमे का ताल्लुक है हमारी सरकार का काम सराहनीय है। जब से हमारी जनता सरकार आई है और चौधरी देवी लाल मुख्य मंत्री महोदय और आर्य साहब ऐजुके ान मिनिस्टर साहब बने हैं तब से खेलनेवाले लडकों की बहुत हौसला अफजाई हुई है। हमारे जो अच्छे लडके थे और जिन्हौंने खेलों में नाम कमाया है उनको सरकार ने काफी इनाम दिए हैं और यकीन दिलाया है कि जो लडके रेस में या दूसरे खलों में अच्छे हैं लेकिन वे घर से गरीब हैं उनकी मदद की जाएगी। मेरा भी इस बारे में एक सुझाव है कि जो गरीब बच्चे हैं, जिनका कोई सहारा नहीं है लेकिन खेलौं में अच्छे हैं उनको वजीफा दिया जाए। इससे हमारी स्टेट के लडके खेलों में आगे आएंगे और जब कभी हमारी लडकों की टीम दूसरे दे ाों में जीत

कर आएगी तो उससे हरियाणा का सिर ऊंचा होगा। वैसे मैं यह मानता हूं कि हमारी सरकार खेलकूद की तरफ काफी ध्यान दे रही है। चेयरमैन साहब, अन्त में मैं एक बात कहना चाहता हूं कि मंत्री जी ने जो नए टैक्स लगाए हैं, मैं इनसे सहमत नहीं। वैसे तो इनके बारे में एक कमेटी बना दी गई है और मैं इस विशय में ज्यादा नहीं कहूंगा लेकिन मंत्री महोदय जी से एक बात कहना चाहता हूं कि सारे मुल्क का और सारी स्टेट का रूझान बना हुआ है कि यह सरकार किसान और मजदूर की सरकार है और गांव के लोगों को भाहर के रहने वालों के मुकाबले में ऊपर उठाना चाहती है। चेयरमैन साहब, यह आव यक है कि स्टेट का खर्च चालने के लिये सरकार को रुपया चाहिए लेकिन यह रुपया वहां से वसूल किया जाना चाहिए जहां से आमदनी हो सकती हो। गांव का आदमी तो पहली ही मरा हुआ है। चेयरमैन साहब, पिछले बजट में आबियाना बढाने के बारे में सोचा गया था लेकिन बाद में उसे वापिस ले लिया गया था। सरकार ने पानी पर टैक्स लगाया है उसको वापिस लेना चाहिए और इसको कहीं और सोर्स से वसूल करना चाहिए। मंत्री महोदय जी ने बसों के किराये में बढौतरी की है। चेयरमैन साहब, मेरा इस बारे में कहना है कि अगर बसों की लीकेज बंद कर दी जाए इनके गोदामों को चैकिंग की जाए और वहां की चोरी रोकी जाए स्पेयर पार्टस की चोरी रोकी जाए और सवारियों का बिना टिकट सफर करना रोक दिया जाए तो आमदनी बढ सकती है और नए टैक्स लगाने की कोई आव यकता नहीं रहेगी। जब से हमारे नये स्टेट ट्रांसपोर्ट कन्ट्रोलर आए हैं,

ट्रांसपोर्ट डिपार्टमैंट में काफी सुधार हुआ है और मुझे उम्मीद है कि आगे और भी सुधार होगा। चेयरमैन साहब, और भी कई ऐसी जगह हैं जहां से आमदनी की जा सकती है। जब सैंटल गवर्नमैंट की ऐसी भावना हो कि गांव के रहने वाले पर कोई टैक्स न लगे तो मेरी सरकार से प्रार्थना है कि यह 33 परसैंट सरचार्ज न लगाया जाए। अगर सरकार ने यह टैक्स लगा दिया तो गांव वालों के अंदर बडी मायूसी होगी। अगर सरकार के पास कोई और रास्ता नहीं है तो मेरा कहना यह है कि 18 एकड से ज्यादा जिनके पास जमीन है उनके ऊपर यह टैक्स लगाया जाए। जिनके पास 18 एकड से कम जमीन है उनके कोई भी टेक्स न लिया जाए। इन भाब्दों के साथ मैं खत्म करना चाहता हूं और सरकार से दरख्वास्त करता हूं कि वह ऐसे कदम उठाए जिससे कि किसी भी गरीब आदमी के ऊपर बोझ न पडे।

श्री गुलजार सिंह (राजौंद): चेयरमैन साहब, आपने मुझे बोलने का टाईम दिया है इसके लिए मैं आपका भुक्रगुजार हूं। आज बजट के ऊपर चर्चा चल रही है। बजट की ताईद करते हुए टैक्स वगैरह के बारे में जो एक दो आईटम हैं, मैं उनके बारे में थोडा सा कहूंगा। चेयरमैन साहब, बजट बहुत अच्छा है और हमारे जैन साहब, जिनकी बहुत दिन से चर्चा है, बहुत ही बुद्धिमान हैं। चेयरमैन साहब, आज से नहीं बल्कि सदियों से कांगेस के जमान से नहीं, अंग्रेजों के जमाने से भी नहीं बल्कि बाद ाहों के जमाने से एक हवा चली आ रही थी कि फलां चीज गांव वालों के

इस्तेमाल करने के लिये नहीं बल्कि भाहर वालों के इस्तेमाल करने के लिये हैं। अच्छा कपडा देहात वालों के लिये नहीं बल्कि भाहर वालों के लिए इस्तेमाल के लिये है। कोई भी अच्छी चीज गांवा वालों के लिये नहीं है बल्कि भाहर वालों के लिये हैं। लेकिन आज युग बदल गया है जनता में जागृति आ चुकी हैं हर गांव का रहने वाला हर व्यक्ति यह सोचने लगा है कि हम भी इंसान हैं चेयरमैन साहब, टैक्स के मामले में ऐसा वातावरण है कि लोग टेक्सों के विरूद्ध हैं इस बजट में जो टैक्स लगे हैं इनको न लगाया जाए। चेयरमैन साहब, हमारी जनता पार्टी एक मकान पार्टी है और उसके नेता हमारे माननीय चौधरी देवी लाल जी हैं जो कि एक बहुत ऊंचा सत्ता की लीडर हैं किसानों और मजदूरों के पालन हारा हैं, उनका जीवन जद्दोजहद में गुजरा है। इसलिये मेरा विचार है कि इस माहौल में ऐसी सरकार के और ऐसे अच्छे नेता के होते हुए जो हमारी सरकार की तरफ से टैक्स लगाये गये हैं, यह भाोभा नहीं देते। मेरी भाई पोहलू जी ने बोलते हुए भी सरकार की काफी नुक्ताचीनी की वैसे सरकार की तरफ से काम तो बहुत अच्छे हुए हैं पर अपोजी ान बैंचिज पर बैठ कर उन्हें कुछ न कुछ तो बोलना ही पडता है। (ाोर)

चौधरी जगजीत सिंह पोहलूः चेयरमैन साहब, काम क्या हुए हैं ? लोग तो ईंख को फूंकने लग रहे हैं। (व्यवधान)

श्री गुलजार सिंहः चेयरमैन साहब, मुझ नाचीज की तो यह राय है कि सरकार इसके लिये थोडा बहुत रास्त जरूर

निकाले कि लोगों के राहत मिलें मेरे विचार में यही ठीक है कि सभी एम0एल0ए0 तथा मंत्री महोदय अपने ऊपर संयम करके थोडी थोडी बचत करें तो कोई न कोई रास्ता निकल ही आएगा और टैक्स लगाने की की कम जरूरत पडेगीं जेसे हमारे बुजुर्ग कहते भी आये हैं कि घर का समय और दखिन की लू भी बराबर होती है, इसलिये हमें हर तरह से कम खर्च करने के प्रयत्न करने चाहिए। चेयरमैन साहब, अभी स्वामी जी को बोलते समय टोका जा रहा था। वैसे तो हर एम0एम0ए0 यह चाहता है कि उसके पास घर हो लेकिन इसके साथ ही साथ हमें उन लाखों लोगों का भी ध्यान रखना चाहिए जिन्हौंने हमें यहां पर वोट देकर भेजा है। हमें उनकी बहबूदों के लिये भी कुछ न कुछ करना चाहिए। लोगों को यह आ ाा होती है कि हमारे एम0एल0ए0 जिनको उन्होंने वोट दिये हैं वे उनके भले के लियें कुछ न कुछ जरूर करेंगे अतः सरकार को गरीब लोगों व किसान मजदूरों की भलाई के लिये अच्छे काम करने चाहियें और टैक्स को कम करना चहिए

चेयरमैन साहब, जहां तक तरक्की का सवाल है इस बारे सरकार की जितनी भी तारीफ की जाए उतनी ही थोडी है। अभी पीछे हमारी स्टेट के अंदर फ्लड का काफी जार रहा और इसकी रोकथाम के लिये हमारी सरकार ने काफी जद्दोजहद के साथ सराहनीय कार्य किया है। चेयरमैन साहब, जो भला आदमी होता है वह सभी की भलाई की बात सोचता है और हमारे मुख्य मंत्री महोदय चौधरी देवी लाल जी ने लोगों की भलाई के लिये

बडा कार्य किया है। चेयरमैन साहब, पहले यह होता था कि डी0सी0 और दूसर अफसरान फल्ड इफैक्टिड ऐरियाज को देखने के लिये मौके पर चले जाते थे और टैम्पोररी सा इंतजाम करके आ जाते थे और अगले साल लाखों गरीबों को फ्लड की लपेट से करने के लिये छोड देते थे। अब हमारे माननीय नेता चौधरी देवी लाल जी ने अच्छी स्कीम बनाकर पायेदार और परमानैंट हल ढूंढ लिया है और सरकार ने अरबों रुपए का प्रावधान किया है।

चेयरमैन साहब, आपने झज्जर असंध और बहादुरगढ के इलाके देखें होंगे। वह इलाके फ्लड से बिल्कुल मातम का अड्डा बना हुआ था। लोगों की बडी परे ाानी थी लेकिन इस सरकार के अच्छे कार्यक्रम के कारण आज हर तरफ खु ाहाली है और लोग आराम से रह रहे हैं। लेकिन फिर भी मैं अपनी सरकार से प्रार्थना करूंगा कि बहुत सी ऐसी जगह है जहां पर राहत का काम बडा धीमा चल रहा है। पता नहीं वहां के ठेकदारों द्वारा उजरात में कमी करने के कारण उन ठेकेदारों को मजदूर नहीं मिलते जिसकी वजह से काम बंद हुए पडे हैं इसलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए।

चेयरमैन साहब, बिजली के बारे में भी आप को पता है कि हमारी सरकार ने बडा लाजवाब काम किया है, एक मिसाल कायम की। कांग्रेस के भाासन काल में हमारे साथ बीती हैं, और हमें अच्छी तरह याद भी है कि आधी रात तक बिजली के फिक्र में नींद नहीं आती थी, बिजली की इंतजार में रातों बैठे रहते थे कि

पता नहीं कब बिजली आती है लेकिन अब हमारी सरकार ने जो लाजवाब काम किये हैं उसके कारण 24 घंटे बिजली मिल रही है पहले बिजली के बिलों पर सरचार्ज लिया जाता था लेकिन अब हमारी सरकार ने यह सारा झंझट ही खत्म कर दिया है और फ्लैट रेट सिस्टम लागू करके एक बढिया हल ढूंढ निकाला है। लेकिन चेयरमैन साहब, इसके साथ ही साथ एक बात सरकार से अव य कहूंगा कि किसानों ने अपने खेत में जो छोटी छोटी चारे की कूटिया लगा रखी हैं उसके ऊपर थोडी से डयूटी लगी हुई है यह डयूटी भी माफ कर दी जानी चाहिये। मुझे पूर्ण आ ाा है कि सरकार इस तरफ अव य ध्यान देगी और इस छोटे से काम को अव य ही पूरा करेगीं

चेयरमैन साहब, नहरी पानी के मुताल्लिक भी मैं अपनी सरकार और अपने मंत्री महोदय जी की तारीफ करना चाहता हूं कि उसने लोगों के पीने के पानी का बडा अच्छा प्रबंध किया है लेकिन हमारे राजौंद के हलके में अभी भी पानी की कमी है जिसकी तरफ सरकार को खास तवज्जो देनी चाहिए। कई हलको में पानी दे दिया गया ह है और हमारे राजौंद का नम्बर काफी पीछे रह गया है। जैसें पहले खाने वाले को काफी खाना मिल जाता है और जो बाद में आता है उसे कम ही मिलता है। और उसके हिस्से में बहुत कम आता है इसी तरह हमारे राजौंद के हलके के साथ हुआ है। इसलिये मेरी सरकार से पुरजोर अपील है

कि सरकार इस कार्य को जल्दी ही करे ताकि राजौंद के लोगों को राहत मिल सके।

चेयरमैन साहब, एम0आई0टी0सी0 ने जो सिंचाई के कार्य किये हैं मैं उनके बारें में भी कहना चाहता हूं। एम0आई0टी0सी0 ने बड़े सराहनीय कदम उठाये हैं फिर भी जैसा कि भाई गंगा राम जी ने कहा कि कई इलाके ऐसे हैं जो कागजों में केवल नहरी लिखे हुए हैं लेकिन वास्तव में वहां पर एक बूंद भी पानी की नहीं मिलती। इसके लिये मैं भी एम0आई0टी0सी0 के आफिसरों को मिला और बात कीं उन्होंनें कहा कि जो रकबा बहुत गहरा है वहां पर टयूबवैल्ज नहीं लगाये जा सकते। अतः मेरा निवेदन है कि सरकार इस तरफ भी गौर करे। यह न हो कि केवल कागजों में ही नहरी लिखा हुआ हो और असलीयत में पानी न मिले। मुझे पूर्ण आ ाा है कि सरकार इस तरफ अव य जल्दी ही ध्यान देगी और लोगों को पीने का पानी मुहैया करवाएगी ताकि भविश्य में किसी प्रकार की दिक्कत न आने पाए। जहां तक वाटर सप्लाई और सडकों का सम्बंध है इनमें तो जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद खास कर सरदार लछमन सिंह जी के मिनिस्टर साहब बनने के बाद इंकलाब सा भाुरू हो गया। वैसे मैं अपने हल्के के बारे में एक बात जरूर कहूंगा ताकि सरदार जी को दोबारा याद आ जाए। मेरे हल्के में 29 गांव हैं और सभी में खारा पानी है। सरदार जी ने इस बारे में मुझे पूरा यकीन दिलाया था कि वह इलाका भी पीदे नहीं रहेगा, उसको भी सुधार देंगे लेकिन

अभी इस दि ाा में कदम नहीं उठाये गये। जहां तक बच्चों की पढाई का ताल्लुक है इसमें सुधार लाने के लिये हमारे आर्य साहब ने कोई कसर नहीं छोडी है आप देखेंगे कि 15 हजार टीचर्ज बेचार भटकते फिर रहे थे। उनकी बात को आर्य साहब ने सुना और रैगुलर किया। इसके अलावा जिस टीचर ने यह कहा कि मैंने अपने मुहल्ले के स्कूल में लगना है, उसको वहीं लगा दिया। यह तो ि ाक्षा मंत्री जी ने बहुत अच्छा काम किया है लेकिन मैं उनको हाथ जोड कर प्रार्थना करूंगा कि वे बच्चों की पढाई की तरफ भी ध्यान दें। बच्चे ही सारे दे ा का ढांचा है। आज हरियाणा में ि ाक्षा का स्तर बिल्कुल गिर चुका है। अगर ि ाक्षा के स्तर में सुधार नहीं लाया जाएगा तो इससे हमारे बच्चों का भविश्य उज्जवल नहीं होग। मुझे बडी खु ाी होती है जब टीचरों को सहुलियत दी जाती है, लेकिन मैं यह चाहता हूं कि इसके साथ साथ तालीम में भी सुधार किया जाए। तालीम की बात चल रही है इसलिये मेरे को रोहतक मैडिकल कालेज की एक बात याद आ गई। वहां पर पिछले साल यह फैसलाच हुआ था कि 20 प्रति ात सीटें देहाती लडकों के लिये रिजर्व रखी जाएंगी यह बात अमल में भी आई लेकिन बाद में इस बात को लेकर हाई कोर्ट में रिट हो गई क्योंकि देहात के रहने वाले भूखे व्यक्ति को कोई डाक्टर बनाना पसंद नहीं करता। सुना है हाई कोर्ट ने उस फैसले का रद्द कर दिया है। ठीक है हाई कोर्ट को हम चेलैंज नहीं कर सकते लेकिन मैं सरकार से जरूर कहूंगा कि सरकार देहातियों की भलाई

के संबंध में जरूरर कुछ न कुछ सोचे ताकि देहात के लोग भी डाक्टरी लाइन में आ सकैं।

जहां तक लैंड रिकलेमे ान का संबंध है इस वि ाय में भी बहुंत तरक्की हुई हैं करनाल जिले में और खास कर गोहाना और रोहतक जिलों में बहुत सी जमीनें बेकार थीं लेकिन अब उनकी बहुत तरक्की हुई हैं हमारी सरकार ने इस कार्य में दिन दोगुनी रात चौगुनी तरकी की है। मैंने देखा है कि पानीपति से रोहतक जाते हुए गोहाना तक मीलों का रकबा बेकार पडा है और उसके बारे में पता करने पर यह मालूम हुआ कि यह जमीन किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि भाामलात जमीन है। भूमि सुधार के मामले में आज हरियाणा बहुत आगे है इसलिये मेरा यह सुझाव है कि क्यों ने ऐसा कानून बना दिया जाए जिसके तहत सरकार पंचायतों से यह जमीन लेकर उसका सुधार करे, बे ाक बाद में अगर सरकार चाहे तो उस जमीन को पंचायतों का ही लौटा दें। इस तरह की जमीन सफीदों, गोहाना और रोहतक में बहुत ज्यादा पडी हैं

जहां तक ट्रांसपोर्ट का संबंधहै इसमे भी हमारी जनता सरकार बनने के बाद बहुत सुधार हुआ है। बहुत नई बसें आई हैं। पोहलू साहब कह रहे थे कि जीन्द में बसों की बहुत बुरी हालत है लेकिन आज चीफ मिनिस्टर साहब ने कह दिया है कि जींद को तो हरियाणा के बीच मैं से गुजरने वाली बसों का सैंटर बना दिया जाएगा यानि सारी बस सर्विस वहां से चलेगी। मैं चीफ

मिनिस्टर साहब का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने आज हमारी इस ि ाकायत को दूर किया है।

जहां तक हैल्थ का संबंध है इस क्षेत्र में भी बहुत सराहनीय काम हो रहे हैं। आज हमारे चीफ मिनिस्टर साहब गांव गांव में जा रहे हैं और हस्पतालों का उदघाटन कर रहे हैं 30–30 बैडों के हस्पताल बन रहे हैं। इस चीज में भी अपनी अपनी अलग अलग राय होती है। मैं भी सरकार को छोटी सी राय देना चाहता हूं। हर व्यक्ति यह चाहता है कि मेरे हल्के में भी बडै से बडा हस्पताल बने। जहां तक मेरी अपनी राय है वह है कि हस्पताल तो हर जगह बनाने चाहिएं और बैडज की तादाद जरूरत के मुताबिक होनी चाहिये। हमारे गांवों में तो ऐसे लोग हैं जो बहुत ज्यादा बीमार होने पर हस्पताल में जाना पंसद करते हैं। यह ठीक है कि हस्पताल हर जगह होना चाहिए लेकिन वह जो बैडों की तादाद बढाने की दौड लग रही हैं यह गलत बात है। एक छोटा सा गांव है वहां पर भी 30 बैड का हस्पताल बने और एक काफी बडा गांव है वहां पर भी 30 बैड का हस्पताल बने, यह बात ठीक नहीं है। मैं तो यह चाहता हूं कि हस्पताल हर गांव में खोला जाए चाहे वह पांच बेडज का हो, चाहे छडः बैड का हो चाहे दस बैडज का हो यानी जरूरत के मुताबिक बैडज की संख्या नि ि चत की जाए। ऐसा करने से जैन साहब के खजाने को भी राहत मिलेगी। मैं प्रार्थना करूंगा कि मेरे इस सुझाव पर भी जरूर गौर किया जाए। पोहलू साहब कह रहे थे कि जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद

कोई काम नहीं हुआ। मैं समझता हूं यह तो लीडर आफ दि अपोजी ान के फर्ज अदा करने वाली बात है। हरियाणा में जनता सरकार बनने के काद इतने काम हुए हैं जिनको गिनवाया नहीं जा सकतां कुछ मोटे काम हैं जिनको मैं गिनवाता हूं; ये काम हैं बिजली का काम, बैंको ंका सूद कमू करने संबंधी काम, खाद की कीमत कम करने का काम। खाद के मामले में तो सैन्टर से पहले ही हमारी सरकार ने कमी कर दी। इसके अलावा गन्ने के रेट में करोडो रुपए की सबसिडी दी गई है। हमार यहां इतने काम हुए हैं कि अगर मैं उनकी तारीफ करने लगूं तो दो घंटे तक खत्म नहीं होगी। बजट के बारे में मैं यही कहूंगा कि पहली बार देहात की डिवैल्पमैंट के लिए बजट में इतना तगडा कदम उइाया गया है। टैक्स तो हमे ाा से लगते आए हैं और लगते भी रहेंगे क्योंकि इसके बिना सरकार का काम नहीं चल सकतां फिर भी मै। जैन साहब से प्रार्थना करूंगा कि आज हवा ऐसी है कि टैक्स कम से कम लेगे इसलिये वे कोई न कोई ऐसा नुकता ढूंढें जिनसे यह टैक्स माफ हो सके और विभागों को राहत मिल सके। चेयरमैन साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया उसके लिये मैं आपका धन्यवाद करता हूं औम्र एक बार फिर इस बजट की पुरजोर ताइद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री मूल चन्द मंगला (पलवल): आदरणीय चेयरमैन साहब, बजट के बारेम में मैं कुछ आइटमों पर बोलना चाहूंगा। पहली आइटम आर्थिक व्यवस्था पर है इस पर मैं कहूंगाकि पिछले

तीन चार साल से हमारे हरियाणा में बाढ आनी भुरू हुई उसके कारण जनता परे ाान हो गईं बारि ा के दिनों में मेरा जिला एक प्रकार का समुद्र दिखाई देता था। लेकिन उस पानी को जब उजीना डाइव र्न ड्रेन के जरिये निकाला गया तो उससे किसान को बहुत राहत मिली। बारि ा की वजह से पहले जो तबाही होती थी अब उसका नामोनि ाान नहीं है।

चेयरमैन साहब, इस प्रकार की तबाही अगर कांग्रेस सरकार के वक्त में आती थी तो किसान परे ाान होता था, उसके पास पीने का पानी नहीं होता था। आज हम देखते हैं कि बाड को रोकने के लिये जो खालें बनाई गई हैं उनसे किसान की पूरी इमदाद हुई हैं जब से हमारी जनता पार्टी की सरकार बनी है तब से अमीर गरीब सभी खु ा हैं। इसी के साथ हम देखते हैं कि श्रमदान द्वारा नालियां बनायी गई। यह काम एक आदमी नहीं कर सकता और जब सब ने मिलकर ाकम किया ड्रेंज बनायी तो किसानों को बेहद खु ाी हुई जो बाढ का पानी किसानों के खेतों में और घरों में भर जाता था वह ड्रैंज के जरिए से बाहर निकल गया। दूसरी बात यह कि जिस काम को करने के लिये सरकार का काफी पैसा लग सकता था वह श्रमदान के थोडे से पैसे से हो गया। इससे जनता में वि वास बनता है कि अगर वे खुद काम करें तो कितना अच्छा है। श्रमदान से जो काम हुआ है वह सराहना के काबिल है। साथ ही मैं चाहूंगा कि मेरे पलवल के क्षेत में 40 ड्रैंज हैं जो यू0पी0 गवर्नमैंट के अधीन हैं उनसे पानी लैने

में बडी कठिनाई होती हैं क्योंकि न उनकी रिपेयर का काम होता है न मिट्टी निकाली जाती है। हमारी सरकार कोि ा ा कर रही है कि इन ड्रेंज को यू0पी0 गवर्नमैंअ से टेक ओंवर कर लिया जाए परन्तु यू0पी0 गवर्नमैंट आसानी से नहीं दे रही है। हमारी कोि ा ा करे कि इन ड्रैंज को जल्दी से जल्दी अपने अधीन ले ले ताकि पलवल क्षेत्र में ड्रेंज ल जाने में जो परे ाानी होती है वह आगे के लिये दूर हो जाये और जो जमीन बेकार पडी हुई है उसका सही इस्तेमाल हो सके। अगर हमारी यू0पी0 सरकार से ये ड्रैंज अपने अधिकार में ले ले तो मैं समझता हूं कि सरकार बधाई की पात्र होगी। इस क्षेत्र में काम करने वाले हमारे इंजिनियर्ज और मजदूर भी बधाई के पात्र होंगे। इस डाईवर्सन पर जिन कर्मचारियों ने काम किया है वह सारे का सारा सराहनीय हैं मजदूर बहुत काम कर रहे हैं। कहीं कहीं पर तो तीन तीन चार चार फुट कीचड होती है परन्तु वे फिर भी काम करते रहते हैं। कीचड में काम करना बडा मुि कल होता है। मैं समझता हूं हमारे इंजीनयिर्ज बधाइ के पात्र हैं जिन्होंने यह काम किया। साथ ही साथ मैं एक और बात कहना चाहता हूं कि पहले किसान को खेती के लिये पूरी बिजली नहीं मिलती थी, बडे बडे कारखानेदारों को ही दी जाती थी। किसानों को पूरी बिजली देने से सारे सारे हरियाणा की पेदावार लगतार बढ रही है जिससे आम आदमी भी इस मदद से खु ा है। सरकार ने 24 घंटे बिजली देकर किसानों को राहत दी है। यह भी आव यक है कि गांवों में छोटे छोटे कारखाने खोले जायें और इन कारखानों को बिजली भी दी

जायेगी यह तारीफ की बात है। साथ ही बिजली से टयूबवैल चलाये जायेंगे यह भी सराहनीय है। लेकिन मै। एक बात कहे बिना नहीं रहूंगा कि पलवल क्षेत्र में दस दस घरों के छोटे छोटे गांव हैं लेकिन आज भी उनको पीने का पानी मुहैया नहीं हुआ। मन्त्री महोदय मेरे इलाके में जायें और देखें कि क्या हालत है। मैं उनकसे निवेदन करूंगा कि इस इलाके में सात गांव ऐसे हैं जहां लोग जोहड़ का पानी पीते हैं। उनके लिये पीने के पानी का कोई इंतजाम नहीं है, आज भी तमाम के तमाम लोग जोहड का पानी पीते हैं। मेरे पास इन गांवों का नक ाा है, इसमें दी गई इंडिके ांज से आपको पता लग जायेगा कि यहां का पानी बिल्कुल खारी है। यहां खारी पानी की बैल्ट है जिसमें आबपा ाी भी नहीं हो सकती। आबपा ाी न होने के कारण लोग बारि ा के पानी पर डिपैंड करते हैं। इसलिये मैं मंत्री महोदय से कहूंगा कि इस इलाके में पीने के पानी का प्रबंध किया जाये। **(इस समय सभापतियों की सूची में एक सदस्य चौधरी हरस्परूप बूरा पदासनी हुए)** मेरे इलाके के 18 गांवों में से 7 गांव ऐसे हैं जो जौहड का पानी पीते हैं। उनको पानी दिया जाये ताकि पानी पीने के साथ साथ वे खेतों की सिंचाई ीाी कर सकें। सिंचाई की स्कीम के अंतर्गत जो माइनर्ज सैक ान की गई है उन्हें सैंक ान किये हुए 8 साल हो गये। आप दो तीन करोड रुपया पंजाब के एरिया में नहर निकालने के लिए पंजाब सरकार को दे चुके हैं परंतु अभी तक कोई पबगंध नहीं हुआ है। अगर इस पानी का इंतजाम को जाये तो विकास कार्यों में इस वक्त जो रूकावट आ रही है वह

दूर हो जायेगी। अगर यह रूकावट दूर न हुई तो पता नहीं कैसे लोगों का काम चलेगा। पानी के सिलसिले में अभी अभी मुझे एक लैटर मिला था उसमें लिखा था कि 12 किलोमीटर लम्बअी खारे पानी की बैल्ट है जहां पर पानी ले जाने में मु कल हो रही है। मैं समझता हूं कि आज हमारे अधिकारियों और मंत्री महोदय से अगर 12 किलोमीटर लम्बी ड्रेन नहीं ले जायी जाती तो उन लोगों को आज भी जौहड का ही पानी पीना पडेगा। ये लोग बरसों से जौहड का पानी पीते आये हैं और आज भी वे पी रहे हैं। मंत्री महोदय से निवेदन करूंगा कि वे अपने अधिकारियों से कह कर नालियां बनाने का इंतजाम करें। इस इलाके में औरतें तीन तीन मील की दूरी से पानी लेकर आती हैं। अगर वे तीन तीन मील से पानी ला सकती है तो क्या कारण है कि हमारी सरकार 10–12 मील लम्बी ड्रेन नहीं निकाल सकती। यह कोई मु कल काम नहीं है।

अब मैं सडकों के बारे में कहूंगा। मैं समझता हूं कि मेरे क्षेत्र में पिछले दो साल से एक भी सडक नहीं बनी। यह खु ी की बात है कि हमारे मुख्ममंत्री महोदय जी की भावना है कि हर क्षेत्र में सडकों का निर्माण हो। यह अच्छी भावना है परन्तु मेरे इलाके में पिछले दो साल में केवल 4 किलोमीटर तक भी सडकें बनी हैं। अब कहा जा रहा है कि एक साल के अंदर कहीं 40–40 किलोमीटर तक भी सडकें बनी हैं अब कहा जा रहा है कि एक साल के अंदर सडकों का काम पूरा हो जायेगा, यह दूसरी

बात है। जेसे एक आदमी भूख है और उसको कहा जाये कि अभी तीन चार दिन और ठहर जाओं, उसके बाद रोटी मिलेगी, यह आ वासन ठीक नहीं है। इसी तरह हमें भी आ वासन दिया जा रहा है कि जल्दी सडकें बनवायेंगे। अब देखना यह है कि कब तक यह काम पूरा होता है। क्या इस क्षेत्र में नई सडकें बनाने का कोई प्रोग्राम सरकार चालू करने जा रही है ? जहां लोग पैसा दे सकते हैं, सडकें बनाने के लिए वहां भी सडकों का बनना जरूरी है।

चेयरमैन साहब, मैं आपका ध्यान एक बात की ओर दिलाना चाहता हूं कि यह जो रिवाइजड सेल्ज टैक्स सिस्टम चलाया जा रहा है, इससे स्टेट को 35 करोड रुपये का घाटा हुआ है। इस घाटे को पूरा करने के लिए हमें फजूलखर्ची बंद करनी चाहिए, हमें अपने खर्चों में कमी करनी चाहिए। जब हरियाणा में जनता सरकार बनी थी तो मुख्यमंत्री महोदय जी ने ऐलान किया था कि जनता पर कोई टैक्स हमारी ओर से नहीं लगाया जायेगा। हम टैक्स बढने नहीं देंगे बल्कि इनको खत्म करने की कोि ा ा करेंगें मैं यह कहना चाहता हूं कि जनता से किये गये वे वायदे काहं गये ? आज तक टैकस तो बढते ही गये हैं हमारी कोि ा ा यह होनी चाहिए कि हम कर्जे कम लें और खर्चों में कमी करें ताकि यह 35 करोड का घाटा पूरा हो सके। टैक्स लगाना कोई बढिया कदम नहीं है। हमारे मंत्री महोदय को चाहिए कि सेल्ज टैक्स को खत्म करें। मंत्री महोदय कहते हैं कि हमारी स्टेट को

60 करोड की आमदनी टैक्स से ही होती है। मैं तो यह कहना चाहूंगा कि सरकार यह कोि ा ा करे कि सेल्ज टैक्स को खत्म किया जाये। सेल्ज टैक्स खत्म करने से हमें जो नुक्सावन होगा उस नुक्सान का आधा यानी 30–35 करोड का नुक्सान रहता है इसको आप सरकारी खर्च में कमी करके पूरा कर सकते हैं। अगर आपने दुकानदारों पर टैक्स लगाना ही है तो दुकानदार पर फिक्सड टैक्स लगा दिया जाए। अगर दुकानदार फिक्ससड टैक्स देगा तो वह काफी परे ाानियों से बच जाएगा। मैं ऐसा समझता हूं कि हमारे मंत्री महोदय जानते हैं कि दुकानदारों के लिए सैल्ज टैक्स एक परे ाानी की चीज है। चेयरमैन साहब, सेल्ज टैक्स के जो फार्म दुकानदारों को सप्लाई किए जाते हैं वे अंग्रेजी में होते हैं। बहुत सारे दुकानदार अंग्रेजी नहीं जानते हैं, उनको बडी मुि कल का सामना करना पडता है। मुि कल से 5 परसैंट दुकानदार ऐसे हैं जो उस फार्म को कम्पलीट भर सकते हैं। जब ये हिसाब पे ा करते हैं तो उनके तरीके से पास कराया जाता है और कोई दूसरा तरीका नहीं है। इसलिए मैं कहूंगा कि उस फार्म का अच्छी तरह से निरीक्षण करके सादा करें या हिन्दी भाशा में प्रिंट करें और हिन्दी भाशा में भी बिल्कुल सिम्पल हो। मंत्री महोदय जब सदस्य थे तो कहा करते थे कि फार्म सिम्पल होने चाहिएं लेकिन अब मंत्री महोदय बनने के बाद इस बात पर गौर क्यों नहीं कर रहे हैं ? मुझे यह समझ नहीं आता कि छोटे हलवाईयों पर क्यों टैक्स लगा रहे हैं ? बजट में 40 हजार रुपए वार्शिक बिक्री करने वाले हलवाईयों पर टैक्स लगाने का प्रावधान

किया है। जो साधारण हलवाई हैं, होटलों वाले हैं यदि उनके पास सेज्ल टैक्स वसूल करने के लिए कोई अधिकारी आयें तो भाायद 50 या 100 रुपए की मिठाई उनको रि वत के रूप में लिखनी पडेगी। इससे क्या फायदा होगा ? मैंने अपने मंत्री महोदय को लिख कर दिया कि मैं उनसे इस मामले पर बातचीज करूंगा। मैं समझता हूं कि आमदनी के जरिए ऐसे बनाए जिससे सरकार की आमदनी भी बढें और गरीब तबके पर भी बुरा असर न पडे। चेयरमैन साहब, अब मैं करप् ान के बार में कहना चाहता हूं। हमारी जनता पार्टी ने कहा था कि हम करप् ान को दूर करने की कोि ा ा करेंगे। मैं नहीं समझता कि इस प्रकार से यह करप् ान दूर होगी। हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने एक नारा दिया है कि 'पानी का प्रबन्ध भ्रश्टचार बंद' मैं समझता हूं कि आज उनको भ्रश्टाचार नहीं दिखाई दिया होगा। वास्तव में आज भ्रश्टाचार कम नहीं है। चारों तरफ भ्रश्टाचार ही दिखाई देता है। जो लोग हमारे पास आते हैं, चाहे किसी आफिस से आए, चाहे किसी और जगह से आए, सब यही कहते हैं कि चारों तरफ भ्रश्टाचार का बोलबाला हे। इस बारे में सरकार की ओर से यह कह देना काफी नहीं है कि जो भ्रश्टाचार करते हैं उनके नाम हमारे पास लिखे हुए हैं। आप अपनी सी0आई0डी0 या दूसरे लोगों के द्वारा यह पता करने की कोि ा ा करें कि किस प्रकार से भ्रश्टाचार बढ रहा हो और इसको कैसे दूर किया जा सकता है ? यह ठीक है कि कुछ दिन हमारी जनता पार्टी में भ्रश्टाचार कम होता दिखाई दिया था लेकिन आज यह भ्रश्टाचार फिर बढ रहा है। मैं जनता पार्टी का

सदस्य होने के नाते यह बात कहने के लिए मजबूर हुआ हूं। इस सरकार से जो सहूलियतें जनता को मिलनी चाहिए थी, आराम मिलना चाहिए था। करप् ान कम होनी चाहिए थी वह नहीं हुई। आप बडे किसानों को छोडें, बडें व्यपारियों को छोडें लेकिन जो साधारणर किसान हैं, जो साधारण मजदूर हैं और विद्यार्थी हैं या कोई सरकार एम्पलाई हैं, चाहे कोई भी है,आज कोई भी वर्ग सुख की सांस नहीं ले रहा है। चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से यह बता देना चाहता हूं कि हमें यह निरीक्षण करना होगा कि हम किस प्रकार से भ्रश्टाचार बन्द कर सकते हैं।

अब मैं पानी के बारे में कहना चाहता हूं। यह कहा गया है किसानों का टयूबवैल से पानी दिया जा रहा है। अगर हमारा किसान वर्ग दे ा की पैदावार बढाता है तो यह बहुत खु ाी की बात है। इसके साथ ही मैं अपने क्षेत्र की बात कहूंगा कि मेरे क्षेत्र में गन्ने की पैदावार बहुत होती है। एक भाूगर मिल कोओप्रेटिव बेसिज पर लगाने की प्रपोजल थी और उसके भोयर भी काफी बिकवाए थे लेकिन आज तक वह मिल नहीं लगाया गया। गन्ना मेरे क्षेत्र में 5 रुपए क्विंटल बिक रहा है लेकिन दूसरी कई जगहों पर 10 रुपए क्विंटल तो वैसे ही बिकता है, इसके साथ ही साथ 2 रुपए क्विंटल सरकार उसको सबसिडभ् भी दे रही है। मैं इस बात को कहने से नहीं हिचकिचाऊंगा कि या तो हमारे क्षेत्र में किसानों को सबसिडी दी जाए या वहां पर भाूगर मिल लगाया जाए। हमारे एग्रीकल्चर मिनिस्टर साहब कहते है कि गन्ने

की का त कम की जाए। यह बात ठीक है, लेकिन जहां गन्ना बोया हुआ है या किसी मजबूरी से किसान को गन्ना बोना पडता है तो उसको भी युटिलाइज करने के लिए कोई आल्टरनेटिव रखना पडेगा। अगर सरकार का यही फैसला है कि वहां पर भूगर मिल नहीं लगाएंगें तो रोजाना जो हजारों आदमी आकर कहते हैं कि हमारा भोयर वापिस कर दो, उनके भोयर वापिस होने चाहिए। सरकार के पास लाखों रुपए के पडे हुए हैं।

श्री सभापति : भूगर मिल लगाने के लिए तो हरियाणा गवर्नमैंट ने लिखा था लेकिन केन्द्रीय सरकार ने एप्रूवल नहीं दी।

श्री मूल चन्द मंगलाः मैं यह कहता हूं कि केन्द्रीय सरकार को एप्रूवल देने के लिए मजबूर किया जाए। हमारे मुख्य मंत्री महोदय अभी होडल गए थे वहां पर हजारों किसानों ने ि ाकायत की थी कि हमारा गन्ना 4 रुपए क्विंटल भी नहीं बिक रहा। मुख्य मंत्री महोदय ने इस बात को माना कि इसको कोइ न कोई आल्टरनेटिव सोचना पडेगा। वहां पर कोआप्रेटिव बेसिज पर भूगर मिल लगाने की सैंक ान हो चुकी थी और भोयर बेचकर पैसा इकट्ठा किया गया था लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाये गये। अगर मिल नहीं लगानी है तो ये पैसा वापिस किया जाए ताकि लोगों से कह सकें कि यह स्कीम अभी चलने वाली नहीं है। चेयरमैन साहब, या तो सरकार यह फैसला सुना दे कि मिल नहीं चलनी है या अगर कुछ उम्मीद की जाती है कि

साल या 6 महीने के अंदर मिल लगा दें गे तो हम लोगों से सरकार कह कह सकती है कि और भोयर बिकवाओ। यदि यह बात सही है कि भूगर मिल लगाने की इजाजत केन्द्रीय सरकार नहीं देगी तो फिर मैं यही कहूंगा कि उनके पैसे वापिस किए जाएं।

चेयरमैन साहब, अब मैं बस अड्डों और बसों के बारे में कहना चाहता हूं। मेरे हल्के पलवल की आबादी 70 हजार है और उसके इर्द गिर्द 700 गांव लगते हैं लेकिन इनको बस स्टैंड की सुविध नहीं है। 250 बसें रोजाना वहां से गुजरती हैं लेकिन बस स्टैंड नहीं बना है। हमारे मुख्य मंत्री महोदय वहां गए थे उन्होंने बस अड्डा बनाने की घोशण की थी और 3 लाख रुपए मंजूर भी किए थे। मिट्टी तो पड गई है लेकिन बस स्टैंड आज भी आसमान के नीचे खडा हुआ है कंस्ट्रक ान अभी तक भुरू नहीं हुई है। कई बार देहता के आदमी रात के दस दस, ग्यारह ग्यारह बजे तक बस की इंतजार में रहते हैं। जब कोई बस नहीं मिलती तो उनको सर्दी, गर्मी और बारि ा में वहीं ठहरना पडता है, लेकिन अफसोस की बात है कि वहां ठहरने का कोई इंतजाम नहीं है। गुडगांव जिले की आबादी लगभग 55 हजार की है, वह जी0टी0 रोड पर आबाद हैं। वहां से 250 बसें रोजाना गुजरती हैं दूसरी स्टेटों की बसें भी गुजरती हैं। तकरीबन 100बसें प्राइवेट भी चलती हैं। इन हालात को देखते हुए मैं अर्ज करना चाहूंगा कि वहां पर बस स्टैंड जरूर बनाया जाये और जनता की इस परे ाान

को दूर किया जाये। बस स्टैंड के साथ साथ दुकानें भी बनाई जा सकती हैं। इन दुकानों से किराये के रूप में सरकार को 5 हजार रुपये हर महीने आमदनी हो सकती है। इस वक्त वहां पर प्राइवेट लोगों ने दुकानें बना रखी हैं और लाखों रुपए कमा रहे हैं। अगर बस स्टैंड के साथ साथ दुकानें भी बना दी जायें तो जितना रुपया बस स्टैंड के बनाने पर खर्च होगा वह दुकानों की आमदनी से 5–7 साल में वसूल हो सकता है।

श्री सभापतिः मंगला साहब, आप एक एक प्वायंट को ब्रीफली बता दें ताकि सारा कवर हो जाए।

श्री मूल चन्द मंगलाः चेयरमैन साहब, मैं अभी दो मिनट में खत्म करता हूं। इसके बाद में ि ाक्षा के बारे में कहना चाहता हूं। इसमें कोई दो मत नहीं कि ि ाक्षा के विशय में हमारी सरकार ने जितनी हिम्मत की है, जितना काम किया है यह बहुत ही अच्छा है। लेकिन जितना ि ाक्षा का विस्तार कर रहे हैं उस पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। स्कूलों में आप देखें, टीचर्ज जितना काम करना चाहते हैं, उतना वे कर नहीं पा रहे हैं। स्कूल्ज की बिल्डिंग इतनी खराब हैं कि उनमें बैठने को दिल नहीं करता। अगर बैठने का स्थान सुन्दर हो तो बच्चे का दिल बैठने के लिए करता है। अगर बिल्डिंग अच्छी बनी हो और 100–200 पौधे छाया के लिए लगे हों तो बच्चे छाया में बैठकर पढ सकते हैं। उस स्थान पर बच्चों का भी मन नहीं लगता जहां बिल्डिंग अच्छी नहीं हैं। बच्चों को मिट्टी में बैठना पडता है। अगर ज्यादा नहीं

तो कम सें कम 100–200 पौधे लगा दिए जाएं ताकि बच्चे दरख्तों के नीचे हो तो पढ सकें। सर्दी में, वर्शा में उनको बडी परे ाानी होती है। पलवल गर्ल्ज हायर सैकंडरी स्कूल के 22 सैक ान हैं और वहां पर 700 बच्चे पढते हैं जिसमें से 300 देहात से आते हैं। जब वर्शा होती है तो स्कूल की छुट्टी जो जाती है। बच्चे तो तीन मील से पढने के लिए आते हैं लेकिन वर्शा हाने पर उनको भारण लेने के लिए जगह नहीं मिलती। परिणास्वरूप उनको वापिस घर आना पडता है। पलवल के लोगों ने 1 लाख रुपया इकट्ठा करके बिल्डिंग के लिए दिया हुआ है और 25 हजार और दे देंगे। इस तरह वहां से सवा लाख रुपया मिल जाएगा। इस वक्त जो बिल्डिंग बनी हुई है वह 150 साल पुरानी है केवल 7–8 कमरे और वे भी टूटे फूटे पडे हैं। सवा लाख रुपया लोग इकट्ठा करके देंगे और सवा लाख रुपये को गवर्नमैंट इंतजाम करें। इसा तरह अढाई लाख रुपये से यह काम हो सकता है और लोगों को सहूलियत हो जाएगी। जहां आप करोडों रुपया खर्च कर रहे हैं, वहां इतनी बडी आबादी की सहूलियत के लिए गर्ल्ज स्कूल बनवा दिया जाए। एक तरफ तरफ हम कहते हैं कि बेटियों की ि ाक्षा के लिए वि ोश प्रबंध कर रहे हैं लेकिन दूसरी तरफ उनको बैठन के लिए भी कोई इंतजाम नहीं है। इसलिए सवा लाख रुपया आपके माध्यम से सैंक ान होने चाहिए और मैं उम्मीद करता हूं कि अगले बजट से पहले यह स्कूल बन कर तैयार हो जाएगा पलवल के अंदर 55 हजार की आबादी है लेकिन एक होस्पिटल सिर्फ 30 बैड का सैंक ान है, मरीज बहुत ज्यादा हैं। लोगों को

पूरे साधन न होने के कारण 200 रुपये की टैक्सी करके दिल्ली में मरीज को ले जाना पडता है। 55 हजार की आबादी है लेकिन इसके सामने 30 बैड का होस्पिटल कुछ मायने नहीं रखता, इसलिए 30 बैडज की जगह 100 बैडज का हस्पताल बन जाए। मैं चाहूंगा कि अगले साल मुख्य मंत्री महोदय इस हस्पताल की ओपनिंग सैरेमनी लिए आयेंगे और कम से कम आज हमें वि वास दिला दें कि 100 बैडज का हस्पताल बन जाएगा। एक्स–रे की भी बडी आव यकता है और भी कई सहूलतें हैं जो नहीं मिलतदं और लोगों को टैक्सी करके दिल्ली जाना पडता है। वहां के डाक्टर एक्सपर्ट हैं, हड्डी कें मामले में बहुत अच्छे हैं। लेकिन बैडज केवल 30 हैं और मरीज 150 होते हैं। बहुत से मरीज को जमीन पर सोना पडता है। डाक्टर भी दिल्ली रहते हैं रोज उनको दिल्ली से आना पडता है। इसलिए लोगों की जरूरत को महसूस करते हुए 100 बैडज का हस्पताल बनाया जाना चाहिए।

इसके अतिरिक्त स्टेट में अनेकों महकमें हैं, इन महकमों में बहुत से महकमें ऐसे हैं जिन में फजूल खर्ची होती है। इस फजूल खर्ची को रोकने के लिए सरकार को कोि ा ा करनी चाहिए। किसी न किसी तरह से फजूलखर्ची को बन्द किया जाए और जनता के ऊपर कम से कम टैक्स लगने चाहिए। में वित्त मंत्री महोदय से निवेदन करूंगा कि जो टैक्स इन्होंने कजट में बढाया है इसको वापिस लें। किसान के ऊपर जो टैक्स लगाया है चाहे पानी के ऊपर लगाया है, किसी और चीज पर लगाया है, इसको

वापिस लें और मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि इस टैक्स से सरकार को कोई फायदा नहीं हैं आज कुरप्ान बढ रही है, इस करप्ान को रोकने के लिए सरकार एक्सपर्टस की एक कमेटी बैठाए जो यह देखें कि कुरप्ान क्यों बढ रही है आढैर महकमों में फजूलखर्ची क्यों हो रही है। अगर इस चीज को रोकने में सरकार कामयाब हो गई तो टैक्स बढाने के बला से जनता को भी छुट्टी मिलेगी और सरकार भी सुख का सांस लेगी।

चौधरी नारायण सिंह (पटौदी–अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसर्ि लिए आपको बहुत बहुत धन्यवाद। मैं वो चार सुझाव आपके सामने रखूंगा। चेयरमैन साहब, के पडौस में मेरा हलका लगता है। इस हलके में दो गांव हैं अमरखेडा और बारकपुर। इनके बीच सडका का एक टुकडा है अगर यह बना दिया जाए तो जनता को बडी सहूलियत मिल जाएगीं मेरी कांस्टीच्यूएंसी और चौधरी साहब की कांस्टीच्युएंसी में रेत बहुत ज्यादा है, बैल, बैलगाडी नहीं खींच सकते। अगर सडकें बना दी जाए तो मंडी अनाज आ सकता है, आमदोरफत बढ जाएगी, आसपास के गांवों की फसल मंडी में जायेगी। मुझे उम्मीद है कि सरकार इस तरफ फौरी ध्यान देंगी।

अगली बात टयूबवैल्ज कुनैक्ान की है। अगर जमींदार बिजली के बिल देने में थोडी सी देर कर देत तो फौरन कुनैक्ान काट देते हैं। जमींदार को दो तीन दिन का नोटिस बोलना चाहिए ताकि वह अपनी फसल को पानी देने के उद्दे य से

बिल जल्दी जमा करवा दे और अगर फिर भी बिल जमा न करवाये तब काट दिया जाए। एकदम नहीं काटना चाहिए। एक तरफ किसान ने अपनी फसल को पानी देना होता है और दूसरी तरफ कुनैक ान काट दिया जाता है इससे किसान को बडी परे ाानी होती है। कम से कम दो दिन का नोटिस जरूर दिया जाना चाहिए, तब कुनेक ान काटना चाहिए।

श्री सभापतिः नोटिस तो दिया जाता है।

चौधरी नारायण सिंहः नहीं देते जी। अगर नोटिस जाए तो जमीदार पैसा जमा करवा सकता है। जैन साहब बैठे हैं, मैं इनसे निवेदन करना चाहता हूं कि बस का किराया बहुत ज्यादा है। मिसाल के तौर पर एक आदमी जैसे फरा ा है 150 रुपये तनखाह पाता है। सफाई मजदूर भी 150 रुपये तन्खाह पाता है। इसके दूसरी तरफ एक आदमी ऐसा है जो एक हजार रुपये तनखाह पाता है। ये दोनों कर्मचारी एक बराबर नहीं हो सकते इनका कम्पेरिजन नहीं हो सकता। उसी बस में सफाई मजदूर सफर करता है उसी में एक हजार तनखाह पाने वाला आदमी सफर करता है। इसलिए मेरी गुजारि ा है कि सफाई मजदूरों की तनखाह को बढाया जाए और बस के किराये कम किए जाएं। बस का किराया गरीब लोगों के लिए बहुत ज्यादा है, किराया बिल्कुल न बढाया जाए। यही मेरी आपसे प्रार्थना है।

स्वामी आदित्यवे ा (हथीन): सभापति महोदय जी, मेरे उपनेता बैठे हैं, मैं इनसे प्रार्थना करूंगा कि वे ऐसा निर्दे ा दें ताकि सभी मंत्री सदन में उपस्थित रहा करें।

डा0 मंगल सैन: मन्त्रियों को तो हाजिर होना चाहिए, क्या सदस्यों का भी कोई फर्ज है ? (व्यवधान)

श्री सभापति: वित्त मंत्री जी बैठे हैं और ये सब महकमों के वित्त मंत्री हैं। आपके जो सुझाव हैं वे पहुंच जाएंगे।

18.00 बजे।

स्वामी आदित्यवे ा: सभापति जी, 1979–80 का बजट सदन में पे ा है। इसके मुताबिक कुल खर्चा 997 रुपये का है और आमदनी 973 करोड की है। यह बात ठीक है कि बजट अंग्रेजी में रखा गया है, लेकिन भिन्न भिन्न भागों में हिन्दी में भी रखने का प्रयास किया गया है। मैं चाहता हूं कि लेखा जोखा हिन्दी में ही रखा जाये। जब मैंने सारे बजट पर दृश्टिपात किया तो मुझे ऐसा लगा कि यह अभिजातवर्गीय बजट है, किसानों का बजट नहीं है। इसमें मजदूर और किसान पर कुल्हाडा चलाया गया है। अन्ततोगत्वा ऐसे बजट का असर जनता पर बुरा ही पडता है। हिसाब किताब का बंटवारा करने वालों ने बहुत बेइन्साफी का बंटवारा किया है। हमारे माननीय वित्त मंत्री श्री जैन जी, गरीबों की बहुत बात किया करते थे लेकिन सभापति महोदय, जी आपको पढकर हैरत होगी कि 16 मंत्रियों के लिए 49 लाख रुपये रखे गये

हैं। अगर प्रति मंत्री साहब लगाएं तो एक मंत्री के हिस्से तीन लाख रुपया आता है यानी पच्चीस हजार रुपया महीना एक मंत्री का खर्च बैठता है जबकि वित्त मंत्री जी के आंकडों के अनुसार सारे हरियाणा की पर कैपिटा इन्कम सिर्फ 504 रुपये है। जब 504 रुपये पर कैपिटा इन्कम है तो सभापति जी इसमें काहं औचित्य दिखाई देता है कि एक मंत्री जी अपने को बहुत बडा समाजवादी विचारधारा का कहता हो, किसान और मजदूर का हितैशी कहता हो और उसके लिए बडे बडे आंसू बहाता हो, वह अपने ऊपर पच्चीस हजार रुपये खर्च करें ? यह बात समझ में नहीं आई। इस तरह की व्यवस्था जो वर्शों से चली आ रही है के लिए हमने कोई समय नि चत नहीं किया कि यह कब तक चलती रहेगी। आज तो एक ही तरीका देखने में आता है कि किसान के गले में छुरी मार दीजिए, मजदूर का गला घोंट दीजिए क्योंकि सभी जानते हैं कि वह बजट पढ नहीं सकता। उसकी आवाज सुनी नहीं जा सकती इसलिए सारा बर्डन उस पर डाल दीजिए और अपना सासरा खर्च पूरा कर लीजिए। सभापति जी आपको यह पढ कर बडी हैरानी होगी कि इस सारे बजट में 131 करोड रुपये इसलिये रखे गये हैं कि एक औफिस ने दूसरे औफिस से सामंजन करना है। यह तनिक नहीं सोचा गया कि एक एक पैसा इकट्ठा होकर जो सरकारी कोश बनता है। यह किसान और मजदूर के गाढे पसीने की कमाई से बनता है। इसे बडी बेरहमी से जिधर चाहें उधर खर्चे नहीं किया जाना चाहिए। पिछले साल मैंने बहुत से कटौती प्रस्ताव रखे थे लेकिन बाद में मैंने उन्हें इसलिए वापिस लिया था क्योंकि

मुख्य मंत्री जी ने आ वासन दिया था कि अगली बार मितव्यता की तरफ ध्यान देंगे। लेकिन सभापति जी आप सुन कर हैरान होंगे कि सारे हरियाणा में पर्यटन विभाग की आमदनी तो एक लाख रुपये है और खर्च 33 लाख रुपये का है। हमारे वित्त मंत्री जी ने इसके लिए 36 लाख रुपये बजट में और रख दिए हैं। कहा जाता है कि हम वहां पर फव्वारे लगा देंगे और उस जगक हो हरा भरा बना देंगे। सभापति महोदय, यह भी कहा जाता है कि इन पर्यटन केन्द्रों में प्रत्येक आदमी जा सकता है लेकिन वास्तविकता यह है कि इनमें बडे बडै आदमी ही जा सकते हैं। धारूहेडा हरियाणा भवन, बडखल आदि जितने भी पर्यटक केन्द्र हैं, उनमें आम आदमी से तो ठहरने के 25 रुपये लिए जाते हैं लेकिन हमारे मंत्रियों और बडे बडे समाजवादी लोगों से केवल दो रुपये लिए जाते हैं। यह कितनी बडी विशमता हैं ? यह बात यही तक सीमित नहीं है। एक बाध बात होती तो मैं मान जाता। 993 करोड रुपये का यह बजट है। इस रकम से इन्होंने क्या किया है ? बसों की व्यवस्था तो इनसे पूरी नहीं हो पाई अब ये जहाजों का इंतमाज करने लगे हैं। 40 लाख रुपये के हमारे जहाज के अड्डे बनेंगे। रोहतक में 14 लाख रुपये का अड्डा बनेगा। इसी तरह का एक अड्डा हिसार और करनाल में बनेगा। सभापति महोदय, जो लोज जहाजों में चलेंगे वे तो कारों में भी आ जा सकते हैं। अगर इस 40 लाख रुपये से लोगों को खडे होने के लिए बस अडडे बना दिए जाते, उनके कडाके की धूप से बचाने के लिए भौड आदि बना दिए जाते तो कितना अच्छा होता। सरकार को रोडवेज से, अम्बाला जिला

को छोड कर, सबसे ज्यादा आमदनी गुडगांव जिला से होती है लेकिन आज स्थिति यह है कि गुडगांव के बस अड्डे को छोड कर उस जिले में कहीं और बस अड्डा नहीं हैं हमने नारा लगाया था कि हम किसान और मजदूरों की भलाई करेंगे लेकिन हो इसके उल्ट रहा है। ट्रांसपोर्ट से सरकार को 40 करोड रुपये की आमदनी होती है और सारा खर्च 15–20 करोड रुपये का है। लेकिन फिर भी सरकार ने गरीब लोगों के ऊपर टैक्स ठोक दिया है 12 परसैंट किराया बढाच दिया है। एक अप्रैल को जब किसान और मजदूर अपने घर से निकलेंगे और कंडक्टर कहेगा कि 12 परसैंट किराया और बढ गया है तो वे क्या सोचेगे उनके दिल के ऊपर क्या असर पडेगा ?

सभापति महोदय, आगे चलकर बजट में इन्होंने यह प्रोविजन किया है कि अगर कोई एम0एल0ए0 कोठी के लिए या कार के लिए कर्जा लेना चाहेगा तो उसे सरकार की ओर से कर्जा मिलेगा। इसके लिए बजट में 1 करोड 70 लाख रुपये रखे गए हैं। किसान से सभापति महोदय, 11 प्रति ात ब्याज लिया जाता है जबकि सरकार ने सारी संस्थाओं से कुल 416 करोड 7 लाख रुपये का कर्जा लिया है इस पर ब्याज की दर 4 परसैंट से लेकर 6 परसैंट तक है। बडे दु:ख के साथ कहना पडता है कि सरकार सिर्फ ब्याज से 48 करोड रुपया कमाती है और वह किसान और मजदूरों की जेबों से लेती है। सभापति महोदय, अगर सरकार न्याय करना चाहती है तो एम0एल0एज0 के लिये जो कार और

कोठी के लिए लोन दिया जाना है, यह भी उसी ब्याज दर पर दिया जाना चाहिए जो ब्याज दर गरीब किसान और मजदूर से लिया जाता है।

सभापति महोदय, बहुचर्चित योजना बाढ की योजना है। इसके बारे में एक मास्टर प्लान बनाया गया है। पिछले साल इसके लिए 20 करोड रुपये रखे गये थे और इस साल भी काफी राि ा रखी गई है लेकिन देखना यह है कि क्या इस पैसे का सदुपयोग भी हो रहा है या नहीं ? यह एक अखबार है। इसका नाम 'आज की खोज' है। यह आगरा से निकलती है। इसमें साफ लफ्जों में कहा गया है कि उजीना डायव र्न ड्रेन में लाखों रुपये का घोटाला हुआ है। अगर यह बात सत्य है तो सरकार इसके लिए इंक्वायरी बैठाए। यह सूचना मुख्य मंत्री और सिंचाई मंत्री जी को पहुंचाई गई लेकिन वही बात हुई कि पंचों की बात सिर माथे पर, लेकिन परनाला वहीं का वहीं गिरेगा। मैं चाहूंगा कि अगर यह बात सत्य है तो इसके ऊपर ऐक ान होना चाहिए और सम्बन्धित अधिकारियों को दंडित किया जाना चाहिए और अगर गलत है तो अखबार के एडीटर के विरूद्ध मुकद्दमा चलना चाहिए। सभापति महोदय जी, सारे मेवात एरिया में आप कहीं चले जाएं डीजल आपको सस्ता मिल जायेगा माबिल आयल आपको सस्ता मिल जाएगा लेकिन ईंटों का सारा धंध ब्लैक में चलता है सीमेंट भी ब्लैक में मिल रहा है। इसमें सरकार को तो इतना दोश नहीं है लेकिन हमारा अधिकारी तंत्र ही ऐसा है जिसके मन में गरीब के

लिए कोई जगह नहीं है। उसको तो स्वयं का फायदा होना चाहिए, अच्छी तनख्वाह मिलनी चाहिए, भााम को भाराब मिलना चाहिए औरउसकी लडकी की भाादी होनी चाहिए। किसान को आज क्या मिल रहा है ? आपने देखा होगा कि हमारे हरियाणा का किसान बडी देर से जागता है। दिल्ली की सरकार ने अभी कुछ दिन हुए बसों का किराया बढाया था लेकिन वहां के लोगों ने जब उकसे नाम के दम किया तो सरकार ने यह फैसला किया कि 20 किलोमीटर तक 75 पैसे से ज्यादा किराया नहीं लगेगा। हमारी सरकार किसान और मजदूर की सबसे बडी हमदर्द सरकार कहलाती है। यदि दूसरे राज्यों में 60 साल से ज्यादा आयु वाले किसान को निः Iुल्क फ्री पास की सुविधा दी जा सकती है तो यहां पर क्यों नही दी जा सकती ? जो किसान 60 साल का हो गया है उसको बस का फ्री पास मिलना चाहिए। उस गरीब किसान ने अपने खून पसीने की कमाई सरकार को बहुत दी हुई है। अगर किसान का बच्चा दसवीं, बी0ए0 या एम0ए0 में पढता है तो उसको भी बस में आने जाने का फ्री पास मिलना चाहिए।

हम यहां पर किसानों और मजदूरों का नाम लेते हैं ताकि लोग समझें कि जनता सरकार इनके प्रति बहुत हमदर्दी रखती है। यहां पर यह कहना कि हम तुम्हारे लिए यह कर रहे हैं वह कर रहे हैं सब गलत है। जिस समय चुनाव हुआ था उस वक्त गरीब लोगों के मन में यह भावना पैदा हुई थी कि जनता सरकार हमारे लिए बहुत कुछ करेगी लेकिन सही मायनों में सरकार कुछ

भी नहीं कर रही है। अब लोग यही सोचते हैं कि जब मौका आयेगा तब देखेंगे। यह कटु सत्य है कि हमने जनता पार्टी को बदनाम कर दिया है। मुझे जनता पार्टी से हमदर्दी है। मैं ये सारी बातें दुखी होकर कह रहा हूं कि लोग कुर्सी पर बैठ कर ऐ ा कर रहे हैं। वे सोचते हैं कि हमारा कहने का रूटिन बन गया है लेकिन मेरे मन पर इसका बहुत असर पडा है।

इसी प्रकार से जल प्रदाय योजना की पोजी ज्ञन है। सरदार लछमन सिंह जी यहां पर अब मौजूद नहीं हैं। अगर होते तो मैं उन्हें बताता कि वे क्या कहते हैं और क्या करते हैं? उनके पास कोई आदमी किसी काम से चला जाये तो वे उसी वक्त आर्डर कर देते हैं कि उसका काम हो गया, लेकिन कागजों पर ही आर्डर होते हैं, प्रैक्टिकल रूप से कुछ नहीं होता। मैं मुक्तभोग रहीा हूं। मैं एक बार उनके पास गया था और कहा ाथा कि आप मेरे हल्के के फलां फलां गांव के लिए पानी का प्रबन्ध करें। सरदार लछमन सिं जी ने स्वीकार किया था कि मेरे हल्के में 80 प्रति ात गांवों में पानी का अभाव है। अभी पिछले दिनों इन्होंने कहा था कि आपके हल्के के 16 गांवों के लिए साढे चार लाख रुपये की वाटर सप्लाई स्कीम बनाई है। आप अपने हल्के के एस0ई0 से जा कर मालूम करें, उनको पैसा दे दिया गया है। मैंने उससे मालूम किया तो उन्होंने कहा कि यहां पर कोई पैसा नहीं आया है। मिनिस्टर साहब कहते हैं कि आपके 16 गांवों को पानी

मिल जायेगा और साढे चार लाख रुपया दे दिया है, अब ये बतायें कि वह रुपया कहां गया किस क्षेत्र को अलाट किया गया है ?

इसी प्रकार सडकों की हालत है। साढे बारह करोड रुपया सडकों के लिए रखा है। साढे सात करोड रुपया पिछले साल रखा गया था। सभापति महोदय, हथीन हल्के की बात होती तो मैं मान लेता कि 89 हल्कों में तो सडकें बन रही हैं और वहां पर विकास का काम हो रहा है यदि एक क्षेत्र में कार्य नहीं हुआ तो कोई बात नहीं लेकिन यहा ंपर 46 हल्के ऐसे हैं जहां पर दो चार सडकों पर मिटटी पडी होगी और तीस हल्के ऐसे हैं जहां पर सडक बनाने के लिए कोई काम नहीं हुआ। हमारे सिद्धान्त तो यह कहते हैं कि पहले दूसरे के घर में दीपक जलाओ और बाद में अपने घर पर जलाओ लेकिन यहां तो बिल्कुल उलट हो रहा है। अब इन मंत्रियों की हालत भगवान ही जाने कि क्या कर रहे हैं। खुद तो हवा में उड रहे हैं और यहा ंपर कहते हैं 1982 तक सब गांवों को सडकों से जोड दिया जायेगा। सब से बडा काम वाटर सप्लाई और सडकों का है। जब ये सब से पहले अपने हल्के में काम करते हैं तो दूसरे हल्के के लोगों के मन में बहुत गलत बातें आती हैं। यह तो वही बात है ' अन्धा बांटे रेवडी अपने अपने को दे' दूसरी जगहों पर तो घोशणा कर देते हैं लेकिन होता कुछ नहीं। आपको ताकत मिली है जल्से में घोशणा करके चले आते हैं पिछले दिनों हस्पतालों की चर्चा की गई। स्वास्थ्य के लिए साढे बारह करोड रुपया रखा गया है। घोशणा की गई कि हथीन

हलको के बनचारी गांव में 25 बिस्तर का हस्पताल बनाया जायेगा परन्तु उस अस्सी लाख रुपये में हांसी में अस्पताल का श्रीगणे ा किया गया, हमारे यहां कुछ नहीं हुआ। दिया गया हमारे लिए और उदघाटन हांसी हस्पताल का हो रहा है। कोइ सिद्धान्त की बात नहीं है। सारा पैसा बागड को दिया जा रहा है और बाकी जगह पर सिर्फ घोशणा है। आप हैरा होंगे कि वर्ल्ड बैंक से 191 करोड रुपए का कर्जा मिला है। वह इस बात के लिए कर्जा मिला था कि नहरों के मार्गों को पक्का किया जाये लेकिन बडे दु5ख के साथ कहना पड रहा है कि सिरसा, हिसार, जींद और रोहतक जिले में सारा पैसा खर्च किया जा रहा है। 1 लाख 29 हजार फुट जल मार्गों को पक्का किया गया। सभी मार्ग उन्हीं क्षेत्रों में पक्के किये गये, बाकी हल्के तो भगवान भरोसे हैं। सभापति महोदय, जिस तरह से धन का बंटवारा होना चाहिए उस तरह से नहीं हो रहा है।

ि ाक्षा के लिए साढे बारह करोड रुपया रखा गया है। गरीब किसानों और मजदूरों के बच्चे के स्कूलों के लिए तो बहुत थोडा पैसा दिया गया लेकिन रोहतक यूनिवर्सिटी को दो करोड, हिसार यूनिवर्सिटी को एक करोड अस्सी लाख और कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी को एक लाख दिया गया है। हरियाणा में हजारों की तादाद में विद्यालय हैं, उनके लिए केवल 12 करोड रुपया दिया है। इस रुपये में नई नई स्कीमें भी हैं, टीचर्ज की तनखाहें भी हैं। कहते हैं कि हम गरीबों का भला करना चाहते हैं। जिस प्रकार

पैसा दिया जा रहा है उससे तो अमीरों का भला कर रहे हैं सरकार ने 52 लाख रुपया स्कूलों की मुरम्मत के लिए रखा है। आठ सो स्कूलों की मुरम्मत के लिए यह पैसा दिया गया जो बाढ से क्षतिग्रस्त हो गये थे। दूसरी तरफ पांच करोड रुपया यूनिवर्सिटीज को दिया जा रहा है। यह सब पैसा कुलीन वर्ग के लोगों के लिए दिया जा रहा है।

पिछले दिनों घोशणा की गई कि कुछ विकास के काम करेंगे। गुडगांव जिले का मेवात क्षेत्र कितना पिछडा हुआ है, वहां पर कोई औद्योगिक संस्था नहीं खोली गई। सभापति जी रोहतक जिले के आप भी हैं। आपके यहां महम में उद्योग के लिए पचार हजार रुपया दे दिया गया, गोहाना में आई0टी0आई0 खोल दिया गया। टोहाना में पैसा दे दिया गया परन्तु मेरे क्षेत्र के लिए कोई पैसा नहीं दिया गया।

इस बजट का 70 परसैंट हिस्सा बागड में जा रहा है और 30 परसैंट बाकी सारे इलाकों को जा रहा है। आप ही बतायें कि किस प्रकार से विकास होगा, किस प्रकार से भला होगा। केवल नारे देने से उन क्षेत्रों का भला नहीं होगा। हमारे क्षेत्र में एक प्रसिद्ध कहावत है 'गुड न दे तो गुड जैसी बात जरूरव कर दे'। इन मंत्रियों की भी वही हालत है। जो कुछ जा कर कहते हैं सब कुछ मंजूर करते चले जाते हैं लेकिन इम्पलीमैंट कुछ नहीं होता है। इसलिए मेरी पुरजोर अपील है कि बजट में जितना टैक्स बढाया है वह सारे का सारा वापिस लिया जाना चाहिए। इंग्लैंड के

बडे भारी अर्थ ाास्त्र के ज्ञाता हुए हैं ग्लैडस्टोन। उन्होंने कहा है कि जो जरूरत की चीजें हैं उन पर टैक्स नहीं लगाया जाना चाहिए और जो विलासिता की चीजें हैं, उन पर टैक्स लगना चाहिए।

पानी भगवान की तरफ से भी मुफ्त में दिया जाता है लेकिन उस पर भी आबयाना बढाया जा रहा है। नारा यह दिया गया है कि सवा छ एकड जोत तक का मालिया माफ करेंगे लेकिन सरकार ने यह किया कि एक तरफ मालिया माफ कर दिया और दूसरी तरफ पानी पर आबयाना बढा दियां वही बहुत हुई कि ''छोरी चली गई तो बहू आ गई'' खर्चा वही का वहीं रहा। इसी प्रकार से बेचारे गरीब लोग जो बडी मु कल से अपने मकान बना पाते हैं, उनके ऊपर भी टैक्स बढा दिया। कहने का मतलब यह है कि जो लोगों की आव यकता की चीजें हैं, उनमें से एक को भी बिना टैक्स से नहीं छोडा है। हर तबकें के ऊपर तो इन्होंने टैक्स लगा दिया है और नारा यह लगाया जा रहा है कि यह बजट किसान और मजदूर का भला करने वाला अपने ही ढंग का अद्वितीय बजट है। "न भूतों न भविश्यति"। और कहते यह हैं कि न आज तक ऐसा बजट कभी बना है और न आगे को कभी बनेगा। सभापति जी, आखिर हम कब तक लोगों को इस प्रकार से गुमराह करते चले जायेंगे ? कब तक लोगों को बहकाया जायेगा ? वे लोग जो 30 साल तक सत्ता में रहे हैं, यह सारे के सारे गांव के लोगों का ही गला काटते रहे हैं। मुझे एक एक बात से देखा

होगा कि इन्होंने क्या किया। 20 महीनों में 21 लाख रुपया टी0ए0 का खर्च किया। इसी प्रकार से 20–21 महीनों में टेलीफोन पर और पैट्रोल पर खर्च किया गया। पब्लिक का पैसा अंधाधुंध खर्च करते जा रहे हैं और आपकी सब बातों का जनता को पता है।

श्री सभापतिः स्वामी जी अब आप समाप्त करें।

स्वामी आदित्यवे ाः सभापति महोदय जी, कोई बात नहीं। आप मुझे बोल लेने दीजिये आखिर 997 करोड रुपये का सवाल है। यहां से पास होने के बाद तो सरकाचर इस पैसे को खर्च करेगी ही, इसलिये मैं यह प्रार्थना करूंगा कि आप मुझे न रोकें। (व्यवधान) मैं यह कह रहा था कि सरकाचर मेरी बातों की ओर ध्यान दे। सभापति महोदय, मैं आपके द्वारा सरकार से यह निवेदन करना चाहता हूं कि सरकार अपने खर्चों को घटायें, तब कुछ बात बनेगी। इसी प्रकार से अयेाजना वर्णित खर्चे (नान प्लान एक्सपैंडीचर) पिछले साल के मुकाबले में 5 करोड रुपये से ज्यादा हो गये हैं। फिर यह कहते हैं कि कोई बात नहीं। खर्चे 15 प्रति ात बढ गये हैं। यह तो स्वाभाविक ही है कि एस्टेबलि ामैंट में वृद्धि हो जाने की वजह से यह बढ गये हैं। कहने का मतलब यह है कि एक तरफ तो हम अपने खर्चों में वृद्धि करते जा रहे हैं और दूसरी तरफ हम लोग इस बजट को किसान और मजदूर की भलाई का बजट करें, यह सरासर उन लोगों के साथ छल है। अगर उस गरीब की तरफ आप नहीं देखते जिसके बच्चे हैं, और जिसने उनका पालन पोशण करना है तो आप किस की तरफ

देखेंगे ? अगर परमात्मा भी आज के युग में सचमुच प्रकट हो जाये तो वह आपको बडे से बडा दंड देगा क्योंकि आप गरीब के ऊपर टैक्स पर टैक्स लगाते चल जा रहे हैं। .... (व्यवधान)

श्री मूल चन्द जैनः नीम हकीम खतराए जान वाली बात हो रही है ?

स्वामी आदित्यवे Iः सभापति महोदय, दरअसल बात यह है कि हमारे वित्त मंत्री जी यह समझते हैं कि सबसे ज्यादा एक्सपर्ट वे ही हैं, और कोई है ही नहीं। आपको मैंने जो आंकडे दिये हैं, वे देखें क्या कहते हैं ?

श्री सभापतिः स्वामी जी, अब आप समाप्त भी करें।

श्री मूल चन्द जैनः मेरे ख्याल में वह 24 लाख रुपया तो आपने पढा ही नहीं है जो हमने गरीब वर्कर्ज के लिये दिया है।

स्वामी आदित्यवे Iः सभापति महोदय, मैं आपके सामने यह निवेदन करना चाहता हूं कि सवाल तो यह है कि आप खुद तो लें 25000 रुपया महीना और 25 लाख गरीब वर्कर्ज को आप दें 25 लाख रुपया तो एक रुपया तो एक रुपया प्रति साल प्रति व्यक्ति के हिसाब से बैठता है। इस एक रुपये से गरीब व्यक्ति कैसे अपने बच्चों का पालन पोशण करेगा ? क्या उनकी पढाई करवा सकेगा ? अगर वे बीमार हों जायेंगे तो क्या उनकी दवाई करेगा ? आपको अपनी इस गलती को कि इन गरीब लोगों के

लिये बहुत कम रुपया रखा है, स्वीकार करना चाहिए। सभापति महोदय, भाराब बंदी की बात की जाती है। हमारे एक साथी ने अभी अभी यहां पर एक घोशणा की। यह एक बडी वाजिब बात है। हमारे यहां जनता जनार्दन के लिये यह एक बहुत अच्छी मिसाल कायम की है। एक करोड 20 लाख जनता के रिप्रेजैंटेटिव अगर यहां पर खडे होकर यह प्रतिज्ञा करें कि वे भाराब नहीं पीयेंगे तो इससे भाराब बंद करने में बडी मदद मिलेगी और भाराब बंद हो जायेगी। देखिये हमारा बिहार प्रदे ा 7 करोड की आबादी का राज्य है। वहां के मुख्य मंत्री ने यह एलान किया है कि भाराब पीना एक बुराई है और हम इसे बंद करने जा रहे हैं। उन्होंने 1 अप्रैल से इसे बंद करने की घोशणा भी कर दी है। इसी तरह से गुजरात और मद्रास ने भी पूर्ण न ाबंदी कर दी है। लेकिन आप देखिये हमारी सरकार यह कह रही है कि इस साल हम पिछले साल के मुकाबले 6 करोड रुपया ज्यादा कमायेंगे। पिछले साल 20 करोड रुपया इससे कमाई हुई थी और इस साल यह 26 करोड रुपया कमायेंगें। एक तरफ तो भाराब बंदी का नारा दिया जाता है और इसके दूसरी तरफ भाराब की आमदनी का प्रलोभन हमारी सरकार को इसे बंद करने से रोके हुए हैं। मैं समझता हूं कि हमारे जो अयोजना वर्णित खर्च हैं, अगर इनमें कटौती कर दें तो कम से कम तीन साल तक कोई नया टैक्स लगाने की जरूरत नहीं पडेंगी, आप इसके साथ ही भाराब बंद भी कर सकते हैं। इन्होंने किया क्या है ? पहले 6 प्रति ात अल्कोहल वाली भाराब बनती थी लेकिन अब ये 3 प्रति ात वाली भाराब चलायेंगे। इसका

नतीजा क्या होगा। जो व्यक्ति पहले एक बोतल पीता था अब वह 2–3 बोतल पीवेगा, तब उसको उतना न ाा होगा। इसके साथ ही एक बोतल की कीमत भी बढा दी है। फिर आप कहते हैं कि लोग नाजायज भाराब निकालते हैं। मैं तो यह कहता हूं कि –

"दे ाों में दे ा हरियाणा

जहां दूध दही का खानपा।"

भाराब के बारे में आप कहते हैं लोग नाजायज भाराब निकालते हैं। लेकिन आप देखिये अपनी पालिसी को। लोग ठेके से खरीदें तब तो ठीक है लेकिन अगर कोई व्यक्ति किसी से देसी भाराब या घर की निकाली हुई भाराब खरीदता है तो उसे झट`स पकड लेते हैं। इनकी दुकानों से कोई ाील ले और पीये, कोई रूकावट नहीं है लेकिन अगर कोई अपनी घर की निकाली हुई भाराब पीता है तो उसे झट से पकड लेते हैं। एक तरफ तो सरकार प्रोहीबी ान की बात करती है दूसरी तरफ इस तरह से नीति अपना रही है कि जितनी मर्जी चाहे, आप लाइसैंस लेकर पीयो। जब हमारी केन्द्रीय सरकार ने यह कह दिया है कि आपको भाराब बंद करने से जितना घाटा होगा, हम उस घाटे का आधा हिस्सा पूरा कर देंगे। यानी आपको जब 18 रुपये की आदमनी है तो 9 करोड हमारी केन्द्रीय सरकार देने के लिये तैयार है। अगर आप फिर भी इसे पूर्ण रूप से बंद नहीं करते तो इसका स्पश्ट मतलब यह है कि आपी नीयत में दोश हैं इसीलिये आप हिम्मत के

साथ काम नहीं कर रहे हैं। सभापति महोदय, मैं सरकार की न ाबंदी की नीति के बारे में आपको एक उदाहरण और देना चाहता हूं। अभी पिछले दिनों हमारे आबकारी व कराधान मंत्री जी ने यहां पर यह फरमाया था कि आप प्रस्ताव भेजिये हम वहां पर ठेके बंद कर देंगे। आपको यह सुनकर हैरानी होगी, बाद ाहपुर गुडगांव जिला में एक गांव है। वहां से सरकार के पास प्रस्ताव भी आया हुआ है। यहां पर सदन में खडे होकर 1 मार्च को एलान भी किया गया था कि हम वहां पर ठेका नहीं खालेंगे लेकिन वहां पर 2 लाख रुपये में ठेका नीलाम कर दिया गया है। इसी प्रकार से 997 करोड रुपये का मामला कोई साधारण मामला नहीं हैं

श्री सभापतिः आपका टाईम खत्म हो गया है, अब आप बैठिए। आप कई बार एक ही बात कह चुके हैं।

स्वामी आदित्यवे Iः सभापति महोदय, आप मुझे अपनी बात पूरी कर लेने दीजिये। हमारी सरकार की यह पालिसी है कि हम चार साल में इसे बंद कर देंगे। जब आपने इसे बंद करना ही है तो एकदम से क्यों नहीं बंद कर देते ? आप हमारी जुबान तो बंद कर सकते हैं लेकिन जनता जनार्दन की अदालीम में जब जायेंगे तो आपको वहां पर पता लगेगा कि आपने यह काम गलत किया। सभापति महोदय जी 997 करोड रुपये का मसला है और इसके लिये 7 दिन का टाईम रखा गया हैं हमें अपनी बात तो अच्छी तरह से कह लेनै दें। मैं कोई बेमतलब की बात तो कर नहीं रहा हूं। मैं आंकडे देकर बात कर रहा हूं .....

श्री मूल चन्द जैनः आप आंकडे भी गलत दे रहे हैं।

स्वामी आदित्यवे ाः मैं कोई भी गलत आंकडें नहीं दे रहा हूं। आपने यह भी देखा होगा कि पुलिस के बारे में लोगों की ि ाकायतें बढती जा रही हैं। यह ठीक है कि इनको बहुत ज्यादा वेतन भी दिया जा रहा है और मकान वगैरा बनाने के लिये लोन वगैरा की सुविधायें भी दी जा रही हैं। इनके आवास का प्रबन्ध करने के लिये भी बजट में काफी पैसा रखा गया है। मेरे हल्के सोहना में एक गांव अलीपुर है। वहां पर पिछले साल मई, 1977 से एक आदमी लापता कर दिया गया है। उसका नाम है बनवारी लाल। उस आदमी का आज तक हमारी पुलिस कोई पता नहीं लगा सकी है कि वह आदमी आखिर कहां गया, कौन उसे ले गया। मालूम नहीं वह जिन्दा भी है या नहीं पिछले दिनों भिवानी में आपकी पुलिस ने सोना क्या पकड लिया, आप इसके गुण गाते ही फिर रहे हो।

श्री सभापतिः आपको बोलते हुए आधा घंटा हो गया है, अब आप बैठिये।

स्वामी आदित्यवे ाः सभापति महोदय जी 997 करोड रुपये का मसला है। इसी प्रकार से आज पुलिस किसी भी इलाके में अच्छी तरह से काम नहीं कर रही है जिसकी वजह से आज सारे इलाकों में बडी बेचैनी और रोश है। मैं सरकार से यह कहना

चाहता हूं कि लोगों के इस असंतोश को दूर करने के लिये कुछ न कुछ ध्यान अव य दिया जाये।

श्री सभापतिः स्वामी जी अब आप बैठिये। अब चौधरी भागमल बोलेंगे।

स्वामी आदित्यवे ाः सभापति महोदय, मुझे समाप्त तो कर लेने दें।

श्री सभापतिः आपको बहुत समय मिल चुका है। अब चौधरी भागमल का मैंने नाम ले दिया है। इसलिये अब आप बैठ जाइए।

स्वामी आदित्यवे ाः अन्त में मैं यही कह कर समाप्त करता हूं कि यह जो किसान मजदूर का बजट कहा जा रहा है यह मात्र उनके साथ प्रपंच है, उनके साथ छलावा है। धन्यवादं

चौधरी भाग मल (सढौरा–अनुसूचित जाति): सभापति महोदय, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे 1979–80 के बजट पर बोलने का मौका दिया है। सबसे पहले मैं जंगलात की बात पर आता हूं। जहां हमारे मुख्तलिफ आमदनी के साधन हैं, वहां उनमें एक साधन जंगलात का भी है। आज सारे हरियाणा में सिर्फ थोडा सा वह इलाका, वि ोश तौर पर वह इलाका जो हमारा ि ावालिक की पहाडियों के साथ लगता है, जिसमे कालका, नारायणगढ, सढौरा और छछरौली की कांस्टीच्यूएंसीज पडती हैं, आता है जहां पर जंगल हैं। सरकार जंगल लगा भी रही है। हम

चाहते हैं कि जंगलात और लगें। लेकिन जंगल लगाने से लोगों को जो दिक्कते हैं वह तो बतानी चाहिएं। हमारी नीति है कि हम जंगल और लगायें यह तो बहुत अच्छी बात है और ऐसा करना जरूरी भी है। लेकिन जंगलात महकमे की वजह से लोगों को जो दिक्कते हैं, वह मैं आपके द्वारा हाउस में सरकार के सामने रखना चाहता हूं। याच तो कानून ही कुछ ऐसे हैं जिनकी वजह से लोगों को बडी तकलीफ होती है या फिर उस डिपार्टमैंट में धांधलेबाजी है। मिसाल के तौर पर हमारे जंगलात के कानून में एक सैक ान 5 है। हमारे रिजर्व जंगलात हैं जिनके अंदर कोई भी एन्टर नहीं हो सकता। .....

Mr. Chairaman: The Hon. Member may continue tomorrow. अब सदन कल दिनांक 20–3–1979 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिये स्थगित किया जाता है।

***18.30 बजे।**

(तत्प चात सदन मंगलवार दिनांक 20 मार्च 1979 प्रातः 9.30 तक के लिये *स्थगित हुआ।)